बुधवार, 19 मार्च 2025

मौसम

तापमान 36 – 24
आर्द्रता 41%
सूर्योदय: 5:43 सूर्यास्त: 17:48

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

कोलकाता, चैत्र कृष्णपक्ष पंचमी, वि.स. 2081, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

सुविचार : प्रसन्नता दुनिया की सर्वोत्तम औषधि है इसलिए हमेशा खुश रहें।

'छावा' फिल्म ने लोगों की भावनाओं को फिर से जगा दिया: फडणवीस -पृष्ठ 7

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

पार्क सर्कस में आयोजित इफ्तार पार्टी में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी शामिल हुई। इस दौरान, मंत्री फिरहाद हकीम उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति ने बंगाल के 41 सांसदों को चाय पर बुलाया

नई दिल्ली/कोलकाता : पहली बार राष्ट्रपति भवन में पश्चिम बंगाल के सभी 41 सांसदों को आमंत्रित किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार सुबह 9.30 बजे रायसीना हिल्स में चाय बैठक के लिए इन सांसदों को बुलाया है। इसमें तृणमूल कांग्रेस के 29, भाजपा के 11 और कांग्रेस के एकमात्र सांसद शामिल होंगे। सूत्रों के अनुसार, यह पहली बार है जब राष्ट्रपति बनने के बाद द्रौपदी मुर्मू ने बंगाल के सभी सांसदों को एक साथ आमंत्रित किया है। आमतौर पर, विभिन्न राज्यों के सांसदों को राष्ट्रपति भवन में समय-समय पर बुलाया जाता है, लेकिन यह पहली बार है जब बंगाल के सांसदों को इस तरह की बैठक के लिए बुलाया गया है।

सोने की कीमतों में रिकॉर्ड तेजी जारी, 91,000 रुपये के पार निकला, चांदी स्थिर

नयी दिल्ली : विदेशों में मजबूत रुख के बीच स्टॉकिस्टों और खुदरा विक्रेताओं की सतत लिवाली से मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 500 रुपये की तेजी के साथ 91,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। सोमवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली इस बहुमूल्य धातु की कीमत 1,300 रुपए की तेजी के साथ 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंची थी। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 450 रुपये बढ़कर 90,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्चस्तर पर जा पहुंचा जो इससे पहले कल 90,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

महाकुंभ था 'सबका प्रयास' का साक्षात स्वरूप, निकला 'एकता का अमृत' : प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में हुए 'महाकुंभ' को भारत के इतिहास में अहम मोड़ करार देते हुए मंगलवार को लोकसभा में कहा कि दुनिया ने देश के विराट स्वरूप को देखा और यह 'सबका प्रयास' का साक्षात स्वरूप भी था, जिसमें 'एकता का अमृत' समेत कई अमृत निकले। उन्होंने निचले सदन में प्रयागराज महाकुंभ को लेकर दिए एक वक्तव्य में यह भी कहा कि महाकुंभ में अनेकता में एकता का विराट रूप, देश की सामूहिक चेतना और सामर्थ्य भी दिखा। प्रधानमंत्री ने निचले सदन में विपक्षी सदस्यों की टोका-टोकी के बीच कहा, ''आज मैं इस सदन के माध्यम से कोटि-कोटि देशवासियों को नमन करता हूं, जिनकी वजह से महाकुंभ का सफल

आयोजन हुआ। महाकुंभ की सफलता में अनेक लोगों का योगदान है। मैं सरकार के, समाज के सभी कर्मयोगियों का अभिनंदन करता हूं। मैं देशभर के श्रद्धालुओं को, उत्तर प्रदेश की जनता विशेषतौर पर प्रयागराज की जनता का धन्यवाद करता हूं।'' उनके मुताबिक, यह जनता जनार्दन का, जनता जनार्दन के संकल्पों के लिए जनता जनार्दन की श्रद्धा से प्रेरित महाकुंभ था। मोदी ने कहा, ''हम सब जानते हैं, गंगा जी को धरती पर लाने के लिए एक भगीरथ प्रयास हुआ था, वैसा ही महाप्रयास इस महाकुंभ के भव्य आयोजन में भी हमने देखा है। मैंने लाल किले से 'सबका प्रयास' के महत्व पर जोर दिया था। पूरे विश्व ने महाकुंभ के रूप में भारत के विराट स्वरूप के दर्शन किए।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 'सबका प्रयास' का यही साक्षात स्वरूप है। उन्होंने कहा, '' पिछले वर्ष, अयोध्या के राम मंदिर में हुए प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हमने महसूस किया था कि कैसे देश एक हजार वर्षों के लिए तैयार हो रहा है। इसके ठीक एक साल बाद, महाकुंभ के आयोजन ने हम सबके इस विचार को और दृढ़ किया है। देश की यह सामूहिक चेतना देश का सामर्थ्य बताती है। मोदी ने कहा, ''हमने करीब डेढ़ महीने तक, भारत में महाकुंभ का उत्साह देखा, उमंग को अनुभव किया। कैसे सुविधा, असुविधा की चिंता से ऊपर उठते हुए, कोटि-कोटि श्रद्धालु श्रद्धा भाव से जुटे, यह हमारी बहुत बड़ी ताकत है। जब अलग-अलग भाषा, बोली बोलने वाले लोग संगम तट पर हर-हर गंगे का उद्घोष करते हैं, तो 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की झलक दिखती है, एकता की भावना बढ़ती है।'' उन्होंने कहा कि महाकुंभ से बहुत से अमृत निकले हैं और 'एकता का अमृत' इसका बहुत पवित्र प्रसाद है।

दिहुली जनसंहार मामले में तीन लोगों को मृत्युदंड

44 साल पहले 24 हत्याओं से दहला था दिहुली

मैनपुरी : मैनपुरी जिले की एक विशेष अदालत ने 1981 के दिहुली जनसंहार मामले में तीन लोगों को मंगलवार को मौत की सजा सुनाई। सरकारी वकील रोहित शुक्ला ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि 18 नवंबर 1981 को हुई जनसंहार की इस घटना में छह महीने और दो साल की उम्र के दो बच्चों समेत 24 दलितों की डकैतों के एक गिरोह ने हत्या कर दी थी। उन्होंने बताया कि विशेष न्यायाधीश इंदिरा सिंह ने मामले में कप्तान सिंह (60), रामपाल (60) और राम सेवक (70) को दोषी ठहराते हुए उन्हें मौत की सजा सुनाई। अदालत ने दोषियों पर 50 हजार

रुपये का जुर्माना भी लगाया। शुक्ला ने बताया कि 18 नवंबर 1981 की शाम पुलिस की वर्दी पहने 17 डकैतों के एक गिरोह ने मैनपुरी के दिहुली में 24 दलितों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस त्रासद घटना के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने प्रभावित परिवारों से मुलाकात की थी। इसके अलावा विपक्ष के नेता अटल बिहारी वाजपेयी ने फिरोजाबाद में दिहुली से सदुपुर तक पद यात्रा कर शोक संतप्त परिवारों के प्रति एकजुटता व्यक्त की थी। दर्ज मुकदमे में भारतीय दंड संहिता की धाराओं 302 (हत्या), 307 (हत्या का प्रयास) और 396 (हत्या के साथ डकैती) के तहत 17 आरोपियों के नाम थे। चार दशकों से अधिक समय तक चले मुकदमे की प्रक्रिया के दौरान उनमें से 13 आरोपियों की मौत हो गई।

ट्रंप और पुतिन यूक्रेन में सीमित युद्ध विराम पर सहमत हुए: व्हाइट हाउस

वाशिंगटन : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने की दिशा में पहले कदम के रूप में मंगलवार को अपने फोन कॉल के दौरान ऊर्जा और बुनियादी ढांचे के लक्ष्यों के खिलाफ सीमित युद्ध विराम पर सहमत हुए। अमेरिकी राष्ट्रपति के कार्यालय सह आवास 'व्हाइट हाउस' ने मंगलवार को यह जानकारी दी। व्हाइट हाउस ने इस सीमित युद्ध विराम को 'शांति की दिशा में पहला कदम' करार दिया और उम्मीद जताई कि इससे अंततः काला सागर में समुद्री युद्ध विराम होगा और जंग पर स्थायी रूप से विराम लगेगा।

अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर अंततः पृथ्वी की ओर रवाना हुए

केप कैनवेरल : अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र पर पिछले नौ महीने से फंसी नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर अंततः मंगलवार को 'स्पेसएक्स' के यान से पृथ्वी के लिए रवाना हो गए। दोनों अंतरिक्ष यात्री नौ महीने पहले बोइंग की एक परीक्षण उड़ान के जरिये अंतरिक्ष केंद्र में पहुंचे थे। बुच विल्मोर और भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स ने दो अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ स्पेसएक्स कैप्सूल पर सवार होकर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन को अलविदा कहा। कैप्सूल अमेरिका के पूर्वी तटीय समयानुसार, सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात एक बजे (भारतीय समुयानुसार पूर्वाह्न 10:30बजे) के कुछ समय बाद अंतरराष्ट्रीय केंद्र से अलग हुआ और इसके मौसम अनुकूल होने पर पूर्वी तटीय समयानुसार पांच बजकर 57 मिनट (भारतीय समयानुसार मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात तीन बजकर 27 मिनट पर) पर फ्लोरिडा तट पर उतरने का कार्यक्रम है।

दोनों अंतरिक्ष यात्री पांच जून 2024 को बोइंग के नए स्टारलाइनर क्रू कैप्सूल में सवार होकर अंतरिक्ष में गए थे और उन्हें एक सप्ताह के बाद ही लौटने की उम्मीद थी। अंतरिक्ष स्टेशन के रास्ते में इतनी सारी समस्याएं आईं कि नासा ने अंततः स्टारलाइनर को खाली वापस धरती पर लगाया और परीक्षण पायलटों को स्पेसएक्स में स्थानांतरित कर दिया, जिससे उनकी घर वापसी फरवरी तक टल गई। इसके बाद स्पेसएक्स कैप्सूल संबंधी समस्याओं के कारण एक महीने की और देरी हुई।

प्रधानमंत्री मोदी ने अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स को पत्र लिखकर भारत आने का न्योता दिया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स को पत्र लिखकर भारत आने का न्योता दिया है। विलियम्स अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र पर नौ महीने बिताने के बाद बुधवार को पृथ्वी पर लौटने वाली हैं। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा एक मार्च को लिखे गए पत्र को नासा के पूर्व अंतरिक्ष यात्री माइक मैसिमिनो के माध्यम से विलियम्स को भेजा गया है। इस पत्र को केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा किया।

मणिपुर बजट पर सीतारमण के जवाब पर तृणमूल सदस्यों ने किया राज्यसभा से बहिर्गमन

नयी दिल्ली : राज्यसभा में मंगलवार को तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों ने मणिपुर बजट पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के जवाब से असंतोष जताते हुए सदन से बहिर्गमन किया। इससे पहले, उच्च सदन में सीतारमण ने कहा कि मणिपुर ने पिछले दशकों में कई संकटों का सामना किया है, यहां तक कि कांग्रेस सरकार के दौरान भी। वित्त मंत्री ने कहा, ''पिछले कुछ दशकों में मणिपुर काफी संकट से गुजरा है और जब भी इसमें सुधार होता है, तो यह किसी और स्थिति में वापस चला जाता है, हर सरकार ने इसे उसी संवेदनशीलता के साथ संभाला है...।'' उन्होंने कहा, ''हम में से कोई भी एक-दूसरे पर उंगली उठाकर मणिपुर की मदद नहीं करेगा।''

लोकतांत्रिक देश को पुलिस राज्य की तरह काम नहीं करना चाहिए : उच्चतम न्यायालय

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने जांच पूरी होने के बावजूद निचली अदालतों द्वारा ''कम गंभीर मामलों'' में जमानत याचिकाएं खारिज किये जाने पर निराशा जतायी है। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइंया की पीठ ने मंगलवार को कहा कि एक लोकतांत्रिक देश को पुलिस राज्य की तरह काम नहीं करना चाहिए, जहां कानून प्रवर्तन एजेंसियां बिना किसी वास्तविक कारण के लोगों को हिरासत में लेने के लिए मनमानी शक्तियों का इस्तेमाल करती हैं। पीठ ने कहा कि दो दशक पहले छोटे मामलों में जमानत याचिकाएं उच्च न्यायालयों तक शायद ही कभी पहुंचती थीं, शीर्ष अदालत तक तो बात ही छोड़िए। न्यायमूर्ति ओका ने एक जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा, यह चौंकाने वाली बात है कि उच्चतम न्यायालय उन मामलों में जमानत याचिकाओं पर फैसला सुना रहा है जिनका निपटारा निचली अदालत के स्तर पर होना चाहिए। न्यायपालिका पर अनावश्यक रूप से बोझ डाला जा रहा है। यह पहली बार नहीं है जब शीर्ष अदालत ने इस मुद्दे पर टिप्पणी की है। इसने बार-बार निचली अदालतों और उच्च

न्यायालयों से जमानत देने में अधिक उदार रुख अपनाने का आग्रह किया है, खासकर छोटे उल्लंघनों से जुड़े मामलों में। सुनवाई के दौरान पीठ ने एक आरोपी को जमानत दे दी जो धोखाधड़ी के एक मामले में दो साल से अधिक समय से हिरासत में था। जांच पूरी हो जाने और आरोपपत्र दायर हो जाने के बावजूद, आरोपी की जमानत याचिका निचली अदालत और गुजरात उच्च न्यायालय दोनों ने खारिज कर दी थी। उच्चतम न्यायालय ने 2022 में जांच एजेंसियों पर उन संज्ञेय अपराधों में गिरफ्तारी करने पर प्रतिबंध लगा दिया था, जिनमें हिरासत की आवश्यकता न होने पर अधिकतम सात साल तक की सजा हो सकती है। इसने निचली अदालतों से यह सुनिश्चित करके व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा करने का भी आग्रह किया था कि जमानत निष्पक्ष और समय पर दी जाए।

पाकिस्तान को अपने अवैध कब्जे वाले भारतीय क्षेत्र को खाली करना चाहिए: भारत

नयी दिल्ली : भारत ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक पॉडकास्ट के दौरान जम्मू-कश्मीर पर टिप्पणी पर प्रतिक्रिया के लिए इस्लामाबाद पर निशाना साधते हुए कहा कि पाकिस्तान को ''झूठ फैलाने'' के बजाय अपने ''अवैध'' कब्जे वाले भारतीय क्षेत्र को खाली कर देना चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि दुनिया जानती है कि जम्मू-कश्मीर में असली मुद्दा पाकिस्तान द्वारा सीमा पार से आतंकवाद को सक्रिय रूप से बढ़ावा देना और प्रायोजित करना है। लेक्स फ्रीडमैन के साथ पॉडकास्ट के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था,

पाकिस्तान के साथ शांति को बढ़ावा देने के हर प्रयास का जवाब शत्रुता और विश्वासघात से मिला है और उन्हें उम्मीद है, द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने के लिए पाकिस्तानी नेतृत्व को सद्बुद्धि आए। पाकिस्तान ने सोमवार को इस टिप्पणी को भ्रामक और एकतरफा बताकर खारिज कर दिया था। जायसवाल ने कहा, हमने पाया है कि पाकिस्तान ने एक बार फिर भारत के केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के बारे में कुछ टिप्पणियां की हैं। उन्होंने कहा, दुनिया जानती है कि असली मुद्दा पाकिस्तान द्वारा सीमा पार आतंकवाद को सक्रिय रूप से बढ़ावा देना और प्रायोजित करना है। वास्तव में यह क्षेत्र में शांति और सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी बाधा है। जायसवाल ने कहा, झूठ फैलाने के बजाय पाकिस्तान को अपने अवैध और जबरन कब्जे वाले भारतीय क्षेत्र को खाली कर देना चाहिए।

गाजा में इजराइल के हवाई हमलों में कम से कम 404 लोगों की मौत, हमास के साथ संघर्षविराम टूटा

दीर अल-बलाह (गाजा पट्टी) : इजराइल ने मंगलवार सुबह गाजा पट्टी क्षेत्र में हवाई हमले किए, जिसमें महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 404 फलस्तीनी मारे गए। यह जानकारी अस्पताल के अधिकारियों ने दी। अचानक किये गए इस हमले की वजह से जनवरी से लागू संघर्षविराम टूट गया तथा 17 महीने से जारी युद्ध के फिर से शुरू होने का खतरा उत्पन्न हो गया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संघर्षविराम समझौते में बदलाव की इजराइली मांग को हमास द्वारा अस्वीकार किये जाने के बाद हमले का आदेश दिया। अधिकारियों ने कहा कि हमले का दायरा बढ़ने की संभावना है। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक कार्यालय एवं आवास 'व्हाइट हाउस' ने कहा कि हमला करने से पहले उससे सलाह ली गई है और उसने इजराइल के फैसले का समर्थन किया।

मतदाता पहचान पत्र को आधार से जोड़ने के लिए निर्वाचन आयोग और यूआईडीएआई विशेषज्ञ जल्द करेंगे परामर्श

नयी दिल्ली : निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को कहा कि मतदाता पहचान पत्रों को आधार से जोड़ने का काम मौजूदा कानून और उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार किया जाएगा। उसने कहा कि इस प्रक्रिया के लिए यूआईडीएआई और उसके विशेषज्ञों के बीच तकनीकी परामर्श जल्द शुरू होगा। निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को मतदाता पहचान पत्र को आधार से जोड़ने के मुद्दे पर केंद्रीय गृह सचिव, विधायी सचिव (कानून मंत्रालय में), इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव और भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के साथ बैठक की। सरकार ने अप्रैल 2023 में एक लिखित उत्तर में राज्यसभा को

बताया कि आधार के विवरणों को मतदाता पहचान पत्रों से जोड़ने का काम शुरू नहीं हुआ है। सरकार ने बताया कि यह कार्य 'प्रक्रिया संचालित' है और प्रस्तावित कार्य के लिए कोई लक्ष्य या समयसीमा निर्धारित नहीं की गई है। सरकार ने आश्वस्त किया है कि जो लोग अपने आधार विवरण को मतदाता सूची से नहीं जोड़ेंगे, उनके नाम मतदाता सूची से नहीं हटाए जाएंगे। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी बयान में कहा कि संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार, मताधिकार केवल भारत के नागरिक को ही दिया जा सकता है, जबकि आधार केवल व्यक्ति की पहचान स्थापित करता है। इसमें कहा गया है, ''इसलिए, यह निर्णय लिया गया कि मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) को आधार से जोड़ने का काम केवल संविधान के अनुच्छेद 326, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 23(4), 23(5) और 23(6) के प्रावधानों के अनुसार और उच्चतम न्यायालय के निर्णय (2023) के अनुरूप किया जाएगा।'' बयान में कहा गया कि तदनुसार, यूआईडीएआई और निर्वाचन आयोग के तकनीकी विशेषज्ञों के बीच तकनीकी परामर्श ''शीघ्र ही शुरू होने वाला है''। कानून मतदाता सूचियों को स्वैच्छिक रूप से आधार से जोड़ने की अनुमति देता है।

टैरिफ घटे तो लाखों उत्पादकों पर मार

दुनिया को नये टैरिफ युद्ध में धकेलने वाले ट्रंप प्रशासन के दबाव की आंच हिमाचल के सेब उत्पादकों तक भी पहुंच रही है। भारत पर सेब आदि उत्पादों पर अमेरिकी टैरिफ घटाने के दबाव ने हिमाचल के सेब उत्पादकों के माथे पर चिंता की लकीरें उकेर दी हैं। वे केंद्र सरकार से गुहार लगा रहे हैं कि किसी भी कीमत पर अमेरिकी सेब पर टैरिफ कम न किया जाए, अन्यथा लाखों उत्पादकों की रोजी-रोटी खतरे में पड़ जाएगी। वे तब से फिक्रमंद हैं जब वर्ष 2023 में आयात शुल्क सत्तर फीसदी से घटाकर पचास फीसदी कर दिया गया था। उनको फिक्र है कि यदि फिर टैरिफ में कमी की गई तो भारतीय बाजार अमेरिका के उच्च गुणवत्ता वाले सस्ते सेब से पट जाएगा। जिससे घरेलू सेब उत्पादकों को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। आंकड़े इस गंभीर स्थिति को बयां करते हैं कि वर्ष 2018 में जब टैरिफ बढ़ाए गए तो वर्ष 2022-23 तक अमेरिकी सेब का आयात 1.28 लाख मीट्रिक टन से घटकर सिर्फ 4,486 मीट्रिक टन रह गया था। मौद्रिक संदर्भ में देखें तो यह 145 मिलियन डॉलर से घटकर मात्र 5.27 मिलियन डॉलर रह गया था। सेब उत्पादक इस बात को लेकर चिंतित है कि जब वर्ष 2023 में टैरिफ को फिर से वापस पचास फीसदी पर लाया गया तो आयात में करीब 20 गुना वृद्धि हो गई थी। ऐसे में यदि किसी भी तरह की कमी फिर आयात शुल्क में की जाएगी तो भारतीय बाजार वाशिंगटन सेब से पट जाएंगे। फिर भारतीय प्रीमियम सेब से बहुत कम कीमत पर मिलने के कारण गुणवत्ता का विदेशी सेब उपभोक्ताओं की प्राथमिकता बन जाएगा। खासकर संपन्न तबके की पहली पसंद बन जाएगा। इस चिंता ने घरेलू सेब उत्पादकों की नींद उड़ा दी है। उन्हें डर कि पौष्टिकता व रस की गुणवत्ता में भारतीय सामान्य सेब अमेरिकी सेब का मुकाबला नहीं कर पायेगा। लोगो में आम धारणा रहती है कि विदेशी सेब ज्यादा अच्छा होगा।

बहरहाल, अमेरिकी सेब पर टैरिफ घटाने की आशंका से सात लाख सेब उत्पादकों की आजीविका पर खतरा मंडराने लगा है। इसकी वजह यह भी कि अमेरिकी व्यापार वार्ता में कृषि टैरिफ घटाना मुख्य मुद्दा है। हालांकि, भारत जो उच्च आयात शुल्क लगाता है वह सोयाबीन पर 45 फीसदी, मक्का पर 50 फीसदी और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों पर 150 फीसदी है। अमेरिकी मांग है कि उसके कृषि निर्यात के लिये अवरोध कम किए जाएं। लेकिन निर्विवाद रूप से व्यापार एकतरफा नहीं हो सकता। अगर भारत को रियायतें देनी ही हैं तो उसे अपने उत्पादों और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के लिये पारस्परिक बाजारों में पहुंच सुनिश्चित करनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि भारतीय सेब उत्पादक पहले ही सस्ते ईरानी आयातों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना कर रहे हैं। ईरानी सेब भारतीय बाजार में पचास-साठ रुपये कम कीमत पर उपलब्ध है, जिसकी वजह से गैर-प्रीमियम गुणवत्ता वाले सेबों का लाभकारी मूल्य मिलना बेहद मुश्किल है। स्थानीय सेब उस दर पर आयातित सेबों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते, क्योंकि राज्य में उत्पादन व परिवहन लागत ज्यादा है। यह बात जगजाहिर है कि हिमालय के पहाड़ी इलाकों के कारण उच्च उत्पादन लागत से किसान जूझ रहे हैं। जिसमें मशीनीकरण असंभव हो जाता है। इसके विपरीत, अमेरिकी सेब उत्पादक अत्यधिक मशीनीकृत खेती और बड़े पैमाने पर सब्सिडी से लाभान्वित होते हैं। यही असंतुलन भारत में सेब उद्योग को अनियमित आयातों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील बनाता है। भारतीय उत्पादकों के लिये सुरक्षात्मक उपाय किए बिना किसी भी तरह की टैरिफ कटौती पहले से ही संकट में पड़े फल उद्योग को पंगु बना देगी। वहीं दूसरी ओर 'वोकल फॉर लोकल' को एक नारे से अधिक व्यवहार में लाना है तो भारत को आंख मूंदकर आयात शुल्क कम करने का प्रयास नहीं करना चाहिए। अपने उत्पादकों के हितों की रक्षा के लिये उसे अमेरिकी दबाव का प्रतिरोध करना चाहिए। भारतीय हितों को सामने रखकर ही बातचीत को आगे बढ़ाना चाहिए। साथ ही निर्यात के अवसरों का विस्तार करते हुए कमजोर क्षेत्रों के संरक्षण की भी पहल करनी चाहिए। जिसकी मांग हिमाचल के सेब उत्पादक भी कर रहे हैं। यह चुनौती गुणवत्तापूर्ण फल उत्पादन के लिये भी रहेगी।

आज का पंचांग

कोलकाता : 19 मार्च, बुधवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2081, फाल्गुन चैत्र कृष्णपक्ष पंचमी, 24:36 तक, नक्षत्र : विशाखा, 20:42 तक, योग : हरषाना, 17:31 तक, सूर्योदय: 5:43, सूर्यास्त: 17:48, चन्द्रोदय : 22:09, चन्द्रास्त: 08:20, शक सम्वतः 1945 सुभाकृतु, सूर्य राशि : मीन, चन्द्र राशि : तुला, राहू काल : 11:44 से 13:14

राशिफल

मेष : आज का दिन आपके लिए इनकम में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपके कामों को लेकर मेहनत अधिक रहेगी। आपके पुराने किए गए निवेश से अच्छा लाभ मिलेगा।

वृष : आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर रहेगी। विद्यार्थी यदि किसी कोर्स में दाखिला लेने की सोच रहे हैं, तो वह ले सकते हैं।

मिथुन : आज का दिन आपके लिए वाद-विवाद से दूर रहने के लिए रहेगा। आपके खर्चों को लेकर आपका मन परेशान रहेगा। धर्म-कर्म के कार्यों के प्रति आपकी काफी रुचि रहेगी।

कर्क : आज का दिन आपके लिए धन-धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपके मन में किसी नए काम को करने की इच्छा जागृति हो सकती हैं। आप भोग-विलास की चीजों की खरीदारी करेंगे।

सिंह : आज का दिन आपके लिए किसी नई संपत्ति की खरीदारी के लिए रहेगा। आपकी रूपए-पैसे के मामले में ससुराल पक्ष के कोई व्यक्ति भी मदद कर सकता है।

कन्या : आज का दिन आपके लिए मन मुताबिक परिणाम देने वाला रहेगा। आपको अपने मन की इच्छा के विरुद्ध कोई काम नहीं करना है। कार्यक्षेत्र में लड़ाई-झगड़े की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

तुला : आज का दिन आपके लिए परोपकार के कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने के लिए रहेगा। यदि आप किसी प्रतियोगिता में भाग लेंगे, तो उसमें आपको जीत अवश्य मिलेगी।

वृश्चिक : आज का दिन आपके लिए चिंताओं से दूर रहने के लिए रहेगा। आप भावनाओं में बहकर कोई निर्णय ले सकते हैं। जीवनसाथी की भावनाओं से आप खिलवाड़ बिल्कुल ना करें।

धनु : आज का दिन आपके लिए सोच समझकर कामों को करने के लिए रहेगा, लेकिन आप अपने स्वास्थ्य पर पूरा ध्यान दें। अत्यधिक तला-भुना भोजन आपको समस्या दे सकता है।

मकर : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपको व्यापार में अच्छा लाभ मिलने से खुशी होगी। पार्टनरशिप में आप कोई काम ना करें, नहीं तो उसमें धोखा मिलने की संभावना है।

कुम्भ : आज आप अपने कामों को लेकर काफी व्यस्त रहेंगे, क्योंकि आप अपने कुछ पिछले कामों को भी निपटने की पूरी कोशिश में लगे रहेंगे, जिसके लिए आप मेहनत भी अधिक करेंगे।

मीन : आज का दिन आपके व्यक्तित्व में निखार लेकर आने वाला है। आपकी कुछ खास लोगों से मुलाकात होगी। राजनीति में आपका सिक्का खूब चमकेगा और आपका मनोबल भी ऊंचा रहेगा।

चिंताजनक है सरकारी अधिकारियों का दुरुपयोग

प्रियंका सौरभ

कानून प्रवर्तन, उद्योग विनियमन और चुनाव निरीक्षण के लिए ज़िम्मेदार सरकारी अधिकारियों को लगातार धमकियों, उत्पीड़न और विभिन्न प्रकार के दुरुपयोग का सामना करना पड़ रहा है। यह प्रवृत्ति चिंताजनक है क्योंकि यह लोक सेवकों को अपनी भूमिका प्रभावी ढंग से निभाने से रोक सकती है और लोकतांत्रिक संस्थाओं में विश्वास को कमजोर कर सकती है। अधिकारियों, विशेष रूप से चुनाव, न्यायपालिका और नियामक निकायों में शामिल लोगों को अक्सर अपने निर्णयों को प्रभावित करने के उद्देश्य से धमकी का सामना करना पड़ता है। इसके अतिरिक्त, झूठे आरोप और बदनामी अभियान उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल कर सकते हैं और उनके अधिकार को कम कर सकते हैं। हालाँकि कुछ देशों में लोक सेवकों की सुरक्षा के लिए कानून हैं, लेकिन इन कानूनों का प्रवर्तन असंगत या कमजोर हो सकता है। इस तरह के दुरुपयोग से उत्पन्न तनाव और भय के परिणामस्वरूप बर्नआउट, इस्तीफे और योग्य उम्मीदवारों को आकर्षित करने में चुनौतियाँ हो सकती हैं।

सरकारी अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार एक बढ़ती चिंता है, क्योंकि वे निष्पक्ष रूप से अपनी ज़िम्मेदारियों को पूरा करने का प्रयास करते हैं। इन अधिकारियों के प्रति दुर्व्यवहार और शत्रुता की बढ़ती घटनाएँ प्रशासनिक नैतिकता और कानून के शासन के लिए एक महत्त्वपूर्ण चुनौती बन गई हैं। ऐसी घटनाएँ न केवल लोक सेवकों का मनोबल गिराती हैं, बल्कि शासन में जनता का विश्वास भी कम करती हैं, जिससे अधिकारियों को इन कठिनाइयों से निपटने में मदद करने के लिए एक मज़बूत नैतिक ढांचे की आवश्यकता है। सरकारी अधिकारी-जिसमें चुनाव कार्यकर्ता, न्यायाधीश, नियामक और कानून प्रवर्तन कर्मियों को बढ़ती हुई धमकी, उत्पीड़न और यहाँ तक कि शारीरिक धमकियों का सामना करना पड़ रहा है। यह सब राजनीतिक विभाजन, ग़लत सूचना और सोशल मीडिया के प्रभाव जैसे विभिन्न कारकों से प्रेरित है, जो आक्रामक बयानबाजी को बढ़ाता है। कुछ मामलों में, अधिकारियों को डोक्स किया गया है, उनकी व्यक्तिगत जानकारी ऑनलाइन जारी की गई है और उन्हें संगठित उत्पीड़न अभियानों या शारीरिक हमलों का लक्ष्य बनाया गया है।

शिकायतों के लिए स्पष्ट और खुले चैनल बनाने से शत्रुता को कम करने में मदद मिल सकती है। केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली पोर्टल ऑनलाइन नागरिक शिकायतों के प्रबंधन के लिए एक प्रभावी उपकरण है। संघर्ष समाधान और सार्वजनिक संपर्क में अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान करने से शत्रुता से निपटने की उनकी क्षमता में सुधार होता है। लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी प्रशिक्षण ढाँचे में संकट प्रबंधन पर केंद्रित घटक शामिल हैं। भ्रष्टाचार को उजागर करने वाले अधिकारियों की सुरक्षा अनैतिक प्रथाओं को हतोत्साहित करने में महत्त्वपूर्ण है। 2014 का व्हिसल ब्लोअर प्रोटेक्शन एक्ट उन लोक सेवकों के लिए सुरक्षा प्रदान करता है जो ग़लत कामों की रिपोर्ट करते हैं। नागरिकों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने से विश्वास बढ़ता है और शत्रुता कम होती है। राजस्थान में जन सुनवाई (सार्वजनिक सुनवाई) पहल ने जवाबदेही को बढ़ावा दिया है और समुदाय के भीतर विश्वास का निर्माण किया है। वरिष्ठ अधिकारियों को अपने कनिष्ठ सहयोगियों को प्रेरित करने के लिए नैतिक व्यवहार का मॉडल अपनाना चाहिए। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टी. एन. शेषन ने सख्त चुनावी मानकों को लागू करके एक मज़बूत उदाहरण पेश किया। ईमानदारी, लचीलापन और पारदर्शिता को अपनाकर, सिविल सेवक प्रभावी रूप से शत्रुता से निपट सकते हैं और साथ ही जनता का विश्वास भी बढ़ा सकते हैं।

कठिन परिस्थितियों में नैतिक शासन बनाए रखने के लिए संवैधानिक सिद्धांतों को बनाए रखना और सक्रिय उपायों को लागू करना आवश्यक है। जब सरकारी अधिकारियों को अपने कर्तव्यों को निष्पक्ष रूप से निभाने के लिए दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ता है, तो इससे संस्थाओं और न्याय प्रणाली में जनता का विश्वास ख़त्म हो सकता है। यह प्रवृत्ति प्रभावी शासन में बाधा डाल सकती है, क्योंकि अधिकारी प्रतिशोध के डर से न्यायपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से कार्य करने में संकोच कर सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप भ्रष्टाचार और अन्याय हो सकता है। ऐसे शत्रुतापूर्ण व्यवहार का सामना करते समय सिविल सेवकों का मार्गदर्शन करने वाले नैतिक मानकों का विश्लेषण करना और जवाबदेही और सार्वजनिक विश्वास बनाए रखने के तरीकों की जांच करना महत्त्वपूर्ण है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सरकारी अधिकारी अपने कार्यों के लिए जवाबदेह हैं और जो लोग अपने अधिकार का दुरुपयोग करते हैं, उन्हें उचित परिणाम भुगतने होंगे, मज़बूत जवाबदेही प्रणाली महत्त्वपूर्ण है। सरकारी गतिविधियों की पारदर्शिता और निगरानी को बढ़ावा देने से कदाचार को रोकने और सार्वजनिक विश्वास बढ़ाने में मदद मिल सकती है। सरकारी संस्थानों की अखंडता में जनता का विश्वास बनाना महत्त्वपूर्ण है, जिसे नैतिक मानकों का पालन करके और अधिकारियों को उनके कार्यों के लिए जवाबदेह सुनिश्चित करके हासिल किया जा सकता है। अपने कर्तव्यों को निष्पक्ष रूप से निभाने का प्रयास करने वाले सरकारी अधिकारियों का उत्पीड़न लोकतंत्र और प्रभावी शासन के लिए एक महत्त्वपूर्ण ख़तरा है। मज़बूत सुरक्षा, कानूनी जवाबदेही और उत्पीड़न के प्रति सामाजिक प्रतिरोध के बिना, सार्वजनिक संस्थानों की अखंडता खतरे में पड़ जाती है। सरकारों, कानून प्रवर्तन, सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म और नागरिकों के लिए यह सुनिश्चित करने के लिए एक साथ काम करना आवश्यक है कि अधिकारी प्रतिशोध के डर के बिना अपनी ज़िम्मेदारियों को पूरा कर सकें।

-रिसर्च स्कॉलर इन पोलिटिकल साइंस, कवयित्री, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार,

मोदी और संघ : एक ही सिक्के के दो पहलू

बाल मुकुन्द ओझा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक बयान के बाद दिल्ली और नागपुर की चर्चाएं एकबार फिर परवान पर है। सियासी क्षेत्रों में कहा जा रहा है भाजपा और संघ के मध्य दूरी की जो अफवाहें फैलाई जा रही थी, उसपर अब पूरी तरह विराम लग गया है। मोदी के बयान के बाद भाजपा को नया अध्यक्ष शीघ्र मिलने की संभावना है। इसके साथ ही मोदी के नागपुर जाकर संघ प्रमुख से मिलने की संभावनाएं बलवती हो गई है।

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही कहा कि आरएसएस एक 'विशाल संगठन' है और अब यह अपनी 100वीं वर्षगांठ के करीब है और लाखों लोग इससे जुड़े हुए हैं। ऐसा विशाल स्वयंसेवी संगठन शायद दुनिया में कहीं और मौजूद नहीं है। लाखों लोग इससे जुड़े हुए हैं, लेकिन आरएसएस को समझना इतना आसान नहीं है। मोदी ने जोर देकर कहा कि पिछले एक सौ वर्षों में, आरएसएस ने मुख्यधारा की चकाचौंध से दूर रहकर एक साधक के अनुशासन और भक्ति के साथ खुद को समर्पित किया है। एक पॉडकास्ट इंटरव्यू के दौरान मोदी ने संघ से अपने संबंधों का न केवल खुलाशा किया अपितु यह भी कहा इस संगठन ने राष्ट्र सर्वोपरि की भावना को विकसित किया और उन्हें जीवन में एक उद्देश्य दिया।

गौरतलब है पिछले कुछ अर्से से यह भ्रान्ति फैलाई जा रही थी कि भाजपा और संघ के मध्य मतभेदों की खाई उत्पन्न हो गई है और संघ मोदी के पैर कतरने की तैयारी कर रहा है। मगर मोदी के वक्तव्य से स्पष्ट है मोदी और संघ एक ही सिक्के के दो पहलू है। मीडिया में आ रही ख़बरों के मुताबिक मोदी 30 मार्च को वर्ष प्रतिपदा के अवसर पर नागपुर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय जाएंगे। यहाँ उनकी मुलाकात संघ प्रमुख मोहन भागवत सहित अन्य प्रमुख पदाधिकारियों से होंगी। यह भी कहा जा रहा है यहाँ भाजपा के नये अध्यक्ष के नाम पर फैसला लिया जा सकता है। उल्लेखनीय है लोकसभा चुनावों में संघ के स्वयंसेवक चुनावी गतिविधियों से दूर रहे जिसका खामियाज़ा अन्तोगत्वा भाजपा को भुगतना पड़ा। हरियाणा चुनाव में संघ ने अपनी रणनीति बदली और संघ के कार्यकर्ताओं ने घर घर जाकर भाजपा के पक्ष में माहौल बनाया जिससे कांग्रेस जीती हुई बाज़ी हार गई। इसी भांति महाराष्ट्र में संघ के कार्यकर्ताओं ने अपना सक्रीय समर्थन भाजपा को दिया और भाजपा भगवा झंडा फहराने में सफल हुई। देश की राजधानी दिल्ली को आम आदमी पार्टी के शिकंजे से मुक्त कराने में भी संघ ने अपनी पूरी ताकत झोंकी जिससे भाजपा को अपने विजय अभियान में जोरदार सफलता मिली। तीनों ही चुनावों में संघ ने बिना शोर शराबे अपना काम बहुत चतुराई से किया। कहा जाता है सियासत में 'जो दिखता है, वो होता नहीं, और जो होता है, वो दिखता नहीं' यह बात पूरी तरह संघ पर लागू होती है। विरोधी समझते इससे पहले ही संघ ने अपना काम कर दिया। संघ ने कई बार यह स्पष्ट किया है कि उनका संगठन राजनीतिक गतिविधियों में भाग नहीं लेता मगर कार्यकर्त्ता अपना समर्थन भाजपा को देते है तो उसे कोई एतराज़ नहीं है। यही हुआ लोकसभा चुनावों में जो कार्यकर्त्ता सक्रीय नहीं थे उन्होंने विधानसभा सभा चुनावों में चुपचाप अपना करिश्मा दिखा दिया। संघ के एक विचारक का कहना था महाराष्ट्र और दिल्ली में कुछ राजनैतिक दल लगातार संघ के विरोध में अनाप शनाप बोल रहे थे जिसके विरोधस्वरूप संघ के कार्यकर्ताओं ने अपने विरोधियों को उनकी औकात दिखा दी। संघ समर्थकों का कहना है, संघ का भाजपा के साथ निश्चित रूप से वैचारिक और संगठनात्मक संबंध है। उसका ऐतिहासिक कारण है। संघ की विचारधारा और संगठन का जिस प्रकार से झूठ और प्रपंच का सहारा लेकर विरोध किया जाता रहा उसके कारण ही जनसंघ और बाद में भारतीय जनता पार्टी की स्थापना हुई। महाराष्ट्र के नागपुर में पांच स्वयंसेवकों से प्रारम्भ होने वाला संगठन आज समूचे देश में लाखों-करोड़ों स्वयं सेवकों के साथ विस्तारित रूप में विद्यमान है। वर्तमान में संघ की देशभर में 73 हजार से अधिक शाखाएँ नियमित रूप से संचालित हैं। संघ के अनुसार समाज में देशभक्त, अनुशासित, चरित्रवान और निः स्वार्थ भाव से काम करने वाले लोगों की आवश्यकता रहती है। संघ ऐसे लोगों को तैयार कर संगठित करने का कार्य करता है। उनमें देशभक्ति की भावना जगाता है। संघ का कहना है कि संघ समाज में एक संगठन ना बनाकर सम्पूर्ण समाज को ही संगठित करने का प्रयास करता है।

-वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

विदेश की खबरें

पाकिस्तान: इमरान खान की पार्टी ने राष्ट्रीय सुरक्षा पर महत्वपूर्ण सुरक्षा बैठक का बहिष्कार किया

इस्लामाबाद : पाकिस्तान के प्रमुख विपक्षी दल पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने देश में मौजूदा सुरक्षा स्थिति पर चर्चा के लिए मंगलवार को आहूत की गई महत्वपूर्ण सुरक्षा बैठक का बहिष्कार किया। नेशनल असेंबली के अध्यक्ष अयाज सादिक ने प्रतिबंधित बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के विद्रोहियों द्वारा 11 मार्च को एक ट्रेन के अपहरण की घटना के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा पर संसदीय समिति की बंद कमरे में हुई बैठक की अध्यक्षता की। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने इस बैठक का बहिष्कार किया। खान वर्तमान में जेल में बंद हैं। बीएलए ने बलूचिस्तान के बोलन क्षेत्र में ट्रेन का अपहरण कर लिया था, जिसमें लगभग 425 यात्री सवार थे। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सलाह पर बुलाई गई बैठक में प्रमुख मंत्रियों, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं,

प्रांतीय मुख्यमंत्रियों, गर्वनर और सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने भाग लिया। सैन्य नेतृत्व ने संसदीय समिति को वर्तमान सुरक्षा स्थिति के बारे में जानकारी दी। बैठक में हुई चर्चा का विवरण तत्काल उपलब्ध नहीं है। हालांकि, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने सरकार के निमंत्रण के बावजूद बैठक में शामिल होने से इनकार कर दिया क्योंकि पार्टी ने बैठक से पहले 72 वर्षीय खान के साथ बैठक की मांग की थी। सरकार ने मांग स्वीकार नहीं की। पीटीआई के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन तहरीक तहफ्फुज-ए-आयीन पाकिस्तान (टीटीएपी) ने भी बैठक से दूरी बनायी। टीटीएपी प्रमुख महमूद खान अचकजई ने एक संवाददाता सम्मेलन में मांग की कि खान को बैठक में आमंत्रित किया जाए। उन्होंने कहा, 'पीटीआई संस्थापक को भी आमंत्रित किया जाना चाहिए क्योंकि उनके बिना किसी भी बैठक का कोई महत्व नहीं होगा।' अचकजई, जातीय पश्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी (पीकेएमएपी) के भी प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा पर किसी भी बैठक में हर राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान की विकट परिस्थितियों के लिए संसद के संयुक्त सत्र की आवश्यकता है। सभी को संयुक्त सत्र में बोलने का मौका मिलना चाहिए।'

बांग्लादेश की अदालत ने हसीना और उनके परिवार से जुड़े 31 खातों को 'फ्रीज' करने का आदेश दिया

ढाका : ढाका की एक अदालत ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना, उनके परिवार के सदस्यों और सहयोगियों के 31 खातों को मंगलवार को 'फ्रीज' करने का आदेश दिया। अदालत ने यह कार्रवाई भ्रष्टाचार के मामले में की है। मीडिया में आई खबरों में यह जानकारी दी गई। प्रथोम अलो अखबार ने भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) के हवाले से खबर दी कि हसीना, उनके बेटे सजीब वाजेद जॉय, बेटी साइमा वाजेद पुतुल, बहन शेख रेहाना, भतीजे रादवान मुजीब सिद्दीक बॉबी और उनसे संबंधित संगठनों के बैंक खातों में कुल 394.6 करोड़ टका (लगभग 281.2 करोड़ भारतीय रुपये) जमा हैं। डेली स्टार अखबार के मुताबिक जिन संगठनों के बैंक खातों से लेनदेन पर रोक लगाने का आदेश दिया गया है, उनमें बांग्लादेश अवामी लीग और जातिर जनक बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान ट्रस्ट शामिल हैं। न्यायाधीश मोहम्मद जाकिर हुसैन ने यह आदेश जांच दल का नेतृत्व कर रहे उप निदेशक मोनिरुल इस्लाम द्वारा इस संबंध में एक आवेदन प्रस्तुत करने के बाद पारित किया। इसी अदालत ने 11 मार्च को भ्रष्टाचार के आरोपों में शेख हसीना, शेख रेहाना, उनके परिवार के पांच सदस्यों और उनसे जुड़े संगठनों के 124 बैंक खातों से लेनदेन पर रोक लगाने का आदेश जारी किया था। बांग्लादेश में पिछले साल बड़े पैमाने पर हुए विरोध प्रदर्शन के बाद पांच अगस्त को हसीना भारत चली गई थीं। इसी के साथ उनकी करीब 16 साल पुरानी सरकार का पतन हो गया था।

ब्रिटेन की लड़ाई के अंतिम जीवित पायलट जॉन 'पैडी' हेमिंग्वे का 105 साल की उम्र में निधन

लंदन : ब्रिटेन की लड़ाई के दौरान उड़ान भरने वाले अंतिम जीवित पायलट जॉन पैडी हेमिंग्वे का 105 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। ब्रिटेन की रॉयल एयर फोर्स (वायु सेना) ने बताया कि हेमिंग्वे ने सोमवार को डबलिन स्थित अपने घर पर अंतिम सांस ली। ब्रिटेन की लड़ाई द्वितीय विश्व युद्ध का एक सैन्य अभियान था। यह सन 1940 में मुख्य रूप से दक्षिणी इंग्लैंड में लड़ी गई लड़ाई थी। इसमें रॉयल एयर फोर्स (आरएएफ) और रॉयल नेवी के फ्लीट एयर आर्म (एफएए) ने नाजी जर्मनी की वायु सेना लूफ़्टवाफे द्वारा किए गए हमलों से ब्रिटेन की रक्षा की थी। यह पहला प्रमुख सैन्य अभियान था जो पूरी तरह से वायु सेनाओं द्वारा लड़ा गया था। हेमिंग्वे की आयु मात्र 20 वर्ष थी, जब उन्होंने और रॉयल एयर फोर्स के उनके साथियों ने नाजी विमानों की लहरों से लड़ने के लिए आकाश में उड़ान भरी थी।

वर्ग पहेली नं. 3036

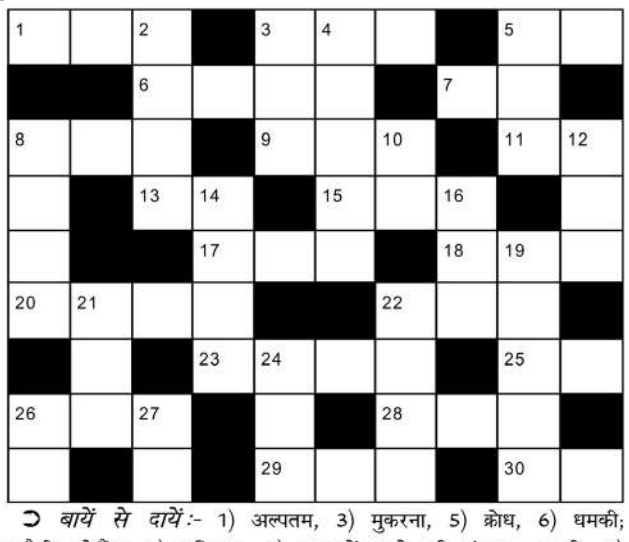

⊃ *बायें से दायें :-* 1) अल्पतम, 3) मुकरना, 5) क्रोध, 6) धमकी; चुनौती; *चेलेंज*, 7) मस्तिष्क, 8) पान में खाने की तंबाकू; सुरती, 9) मुँहज़बानी; बार-बार दोहराना, 11) शीर्षक; लिए; प्रसिद्धि, 13) धूल, 15) नियंत्रित मूल्य पर खाने-पीने की सामग्री मिलने की व्यवस्था, 17) मुकरना, 18) मुसलमान, 20) अपकीर्त, 22) मुख, 23) प्रबंध, 25) पहरा; सुरक्षा, 26) पूर्वज; आगामी; भविष्यकालीन, 28) तिरछी नजर, 29) अनुपालन; कार्यान्विति, 30) धुँधली *(दृष्टि)*; अपर्याप्त, एक दो.

⊃ *ऊपर से नीचे :-* 2) धन; रुपया; सिक्का, 3) नामंजुरी; अस्वीकृति; मनाही; असहमति; 4) बकबक करना, 5) प्रतिदिन, 8) कभी कभी, 10) विध्वंस, 12) उच्च; आदर्शवादी; आला; प्रमुख; बड़ा, 14) असुविधा, 16) नेत्र, 19) वह सरकारी अधिकारी जो वनों को नष्ट होने से बचाने की व्यवस्था करता है, 21) हेकड़ीबाज़, 22) इन दिनों, 24) पिता, 26) सही; भला; ठीक, 27) विनियोज्य; प्रचलित. *(उत्तर: अगले अंक में)*

पिछली पहेली का उत्तर

ग	ट	क	ना	■	आ	व	भा	त
प	■	री	ता	■	मा	न्य	■	श
श	रा	ब	■	चं	दा	■	स	■
प	■	क	ष्ठ	प	■	बे	फ़ा	य
■	लो	री	■	त	प	■	च	■
आ	■	ब	दी	■	ट	क	ट	क
शी	घ्र	■	या	न	■	■	भी	म
वा	■	ता	■	ग	नी	म	त	■
द	र	कि	ना	र	■	त	क	रा

⊃ शब्दवेधी

सुडोकू-पहेली-2996

3								1
	4			2				
1		8					6	
			7	6		4		
5			1		8			
	7					2	5	
			3					

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 2995 का उत्तर

2	3	8	7	5	1	4	6	9
9	1	5	6	8	4	7	3	2
4	7	6	2	9	3	5	1	8
6	4	9	5	7	2	1	8	3
7	5	3	8	1	6	2	9	4
8	2	1	3	4	9	6	7	5
1	9	2	4	3	7	8	5	6
3	8	4	1	6	5	9	2	7
5	6	7	9	2	8	3	4	1

होली में हिंसा पर विधानसभा में चर्चा की अनुमति नहीं दिए जाने पर भाजपा विधायकों ने सदन से किया वाकआउट

विपक्षी विधायकों ने हिंसा को लेकर ममता सरकार के खिलाफ विधानसभा के भीतर व बाहर की नारेबाजी

✒ शुभेंदु अधिकारी ने कहा... 'बंगाल में हमें इस हिंदू विरोधी सरकार की जरूरत नहीं'

कोलकाता, समाज्ञा : होली के दौरान राज्य के विभिन्न हिस्सों में हुई हिंसा की घटनाओं पर चर्चा की मांग को लेकर लाए गए कार्य स्थगन प्रस्ताव की अनुमति विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) बिमान बनर्जी द्वारा नहीं दिए जाने के बाद विपक्षी भाजपा विधायकों ने मंगलवार को सदन से वाकआउट किया। पहले हाफ में प्रश्नकाल के बाद विधानसभा में भाजपा के मुख्य सचेतक व सिलीगुड़ी से विधायक शंकर घोष ने बीरभूम के सैंथिया और राज्य के अन्य स्थानों पर होली के दिन हुई हिंसक घटनाओं की निंदा करते हुए यह मुद्दा उठाया। विधानसभा अध्यक्ष ने उन्हें स्थगन प्रस्ताव के पहले कुछ पैराग्राफ को पढ़ने की अनुमति दी, लेकिन कहा कि इस पर चर्चा की अनुमति नहीं दी जा सकती। बिमान बनर्जी ने कहा कि इसके विषय-वस्तु सदन में चर्चा के लिए उचित नहीं है। अध्यक्ष के इस निर्णय के विरोध में शंकर घोष के नेतृत्व में सदन में मौजूद करीब 30 भाजपा विधायक अपनी सीटों से खड़े हो गए और राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। नारेबाजी करते हुए बाद में सभी भाजपा विधायक सदन से बाहर निकल गए।

वहीं, विधानसभा गेट के बाहर भाजपा विधायकों के साथ विरोध प्रदर्शन में निलंबित विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी भी शामिल हो गए, जिन्होंने होली के दौरान हुई हिंसा की कथित घटनाओं पर मुख्यमंत्री ममता

बनर्जी द्वारा तत्काल बयान दिए जाने की मांग दोहराई। शुभेंदु ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि बंगाल में हमें इस हिंदू विरोधी शासन (ममता सरकार) की जरूरत नहीं है। हम जानना चाहते हैं कि प्रशासन ने होली जैसे त्योहार के दौरान वास्तविक घटना को क्यों दबाया और चुप क्यों रहा। हमारे मुख्य सचेतक इस पर स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा चाहते थे, लेकिन यह हिंदू विरोधी सरकार नहीं चाहती कि सच्चाई सामने आए। शुभेंदु ने कहा कि भाजपा विधायक सदन में विधानसभा अध्यक्ष के तानाशाही रवैये के खिलाफ विरोध जताने के लिए बिमान बनर्जी के निर्वाचन क्षेत्र (बारुईपुर पश्चिम) में एक रैली का आयोजन करेंगे। विधानसभा के बाहर मौजूद सुरक्षा कर्मियों के साथ उनकी बहस भी हुई, क्योंकि पुलिस ने उस स्थान को घेर लिया था, जहां वे मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

इस बीच, सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के मुख्य सचेतक निर्मल घोष ने भाजपा सदस्यों के वाकआउट के बाद कहा कि विपक्ष सदन के कामकाज के समय को जानबूझकर बर्बाद कर रहा है और चर्चा से परहेज कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम अध्यक्ष से इस मुद्दे पर कार्रवाई करने का आग्रह करते हैं। स्पीकर बनर्जी ने कहा कि हालांकि, उन्हें भाजपा के विरोध प्रदर्शन के तरीके पर आपत्ति है, लेकिन वह किसी भी विधायक के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं करना चाहते।

मुख्यमंत्री ममता ब्रिटेन के तीन प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में देंगी व्याख्यान

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सिर्फ ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय ही नहीं, बल्कि ब्रिटेन के कुल तीन प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों से व्याख्यान देने के लिए आमंत्रण मिला है। इनमें लंदन का कीन मैरी विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के पूर्व छात्रों का समूह भी शामिल है। मंगलवार को राज्य सरकार ने इसकी जानकारी दी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी 27 मार्च को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के केलॉग कॉलेज में भाषण देंगी। उनका व्याख्यान 'सामाजिक विकास : बाल और महिला सशक्तिकरण' विषय पर होगा। उन्हें केवल मुख्यमंत्री या राजनीतिज्ञ के रूप में ही नहीं, बल्कि लेखिका के तौर पर भी आमंत्रित किया गया है। राज्य सरकार के बयान के अनुसार, इस वर्ष फरवरी में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के प्रो-वाइस चांसलर ने बंगाल के विकास और प्रगति के नए मॉडल की सराहना करते हुए ममता बनर्जी को अपने अनुभव साझा करने के लिए केलॉग कॉलेज में आमंत्रित किया था। इसके बाद, इसी महीने की शुरुआत में लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के पूर्व छात्र दीपेंदु रॉय ने मुख्यमंत्री को सामाजिक विकास और महिला सशक्तिकरण पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया। ताजा निमंत्रण सोमवार को लंदन के कीन मैरी विश्वविद्यालय के माइल एंड इंस्टीट्यूट की निदेशक सोफिया कोलिग्नन की ओर से आया। चाथम हाउस में होने वाले इस विचार-विमर्श में मुख्यमंत्री को शिक्षकों, शोधकर्ताओं और छात्रों के सामने अपनी सरकार की महिला सशक्तिकरण नीति, राजनीतिक रणनीति और शासन मॉडल पर प्रकाश डालने के लिए आमंत्रित किया गया है।

निलंबन हटने के बाद भी बजट सत्र की शेष अवधि में शामिल नहीं होंगे शुभेंदु अधिकारी

शुभेंदु समेत चार भाजपा विधायकों के 30 दिनों का निलंबन अवधि हुआ पूरा

✒ विधानसभा में इफ्तार पार्टी में भी नहीं शामिल होंगे नेता प्रतिपक्ष

कोलकाता, समाज्ञा : नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी समेत चार भाजपा विधायकों के 30 दिनों का निलंबन अवधि मंगलवार को पूरा हो गया। हालांकि, निलंबन समाप्त होने के बावजूद शुभेंदु विधानसभा के मौजूदा बजट सत्र की शेष अवधि में भाग नहीं लेंगे। बजट सत्र 20 मार्च तक चलेगा। यानी बजट सत्र में अब दो दिन ही सदन की कार्यवाही शेष बची है। मंगलवार को विधानसभा स्थित अपने कक्ष में पत्रकारों के सवाल पर शुभेंदु ने कहा कि चूंकि, भाजपा के एक और विधायक दीपक बर्मन का निलंबन अभी नहीं हटा है, क्योंकि उन्हें बाद में निलंबित किया गया था, इसलिए उनके प्रति समर्थन जताने के लिए मैंने मौजूदा बजट सत्र के शेष अवधि में भाग नहीं लेने का फैसला किया है। इतना ही नहीं, शुभेंदु विधानसभा के कर्मचारियों द्वारा 20 मार्च को आयोजित किए जाने वाले इफ्तार पार्टी में भी शामिल नहीं होंगे। इस बीच, 20 मार्च को बजट सत्र के अंतिम दिन विधानसभा में इफ्तार पार्टी का आयोजन किया जा रहा है। इसका आयोजन विधानसभा के कर्मचारियों द्वारा किया जा रहा है। मंगलवार को विधानसभा कर्मचारियों के एक समूह ने शुभेंदु अधिकारी से मिलकर उन्हें निमंत्रण पत्र सौंपा और इफ्तार पार्टी में शामिल होने का अनुरोध किया। शुभेंदु ने इसके लिए उन्हें धन्यवाद

किया लेकिन इफ्तार पार्टी में शामिल नहीं होने की बात कही। शुभेंदु ने कहा कि मैं 2006 से विधायक हूं। इससे पहले, मुझे कभी भी इफ्तार पार्टी में नहीं बुलाया गया था। इस बार, उन्होंने जो पहला कार्ड छापा, उस पर मेरा नाम नहीं था। उन्होंने कहा कि बाद में अध्यक्ष के कहने पर शायद मुझे बुलाया जा रहा है। आप सभी को हम शुभकामनाएं देते हैं लेकिन इफ्तार में हम शामिल नहीं होंगे। इस संबंध में उन्होंने कहा कि मैं उपवास नहीं करता, इसलिए मैं इफ्तार में नहीं जाता।

रामनवमी की शोभायात्रा को रोकने के किसी भी प्रयास का कड़ा विरोध किया जाएगा : शुभेंदु अधिकारी

भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि राज्य में रामनवमी के मौके पर निकाली जाने वाली शोभायात्रा को रोकने के किसी भी प्रयास का कड़ा विरोध किया जाएगा। नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर एक समुदाय को खुश करने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि इस पद पर उनके दिन अब गिने-चुने रह गए हैं। शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया कि हिन्दुस्तान में हिन्दू राज करेंगे और जो हिन्दुओं के लिए काम करेंगे, वे पश्चिम बंगाल में राज करेंगे। ममता बनर्जी अगर सत्ता में रहीं, तो राज्य की स्थिति बांग्लादेश जैसी हो जाएगी। उनके शासन के दिन अब गिने-चुने रह गए हैं। हिंदू अब एक समुदाय के प्रति उनके खुलेआम तुष्टीकरण और रामनवमी उत्सव को कुचलने के प्रयासों को स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने पिछले सप्ताह कहा था कि छह अप्रैल को रामनवमी के अवसर पर राज्य भर में 20,000 से अधिक शोभायात्राएं निकाली जाएंगी। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हुए हमलों की तरह, पिछली दुर्गा पूजा के दौरान राज्य में हिंदू समुदाय के कई पूजा स्थलों में तोड़फोड़ की गई थी। उन्होंने दावा किया कि ऐसी घटनाओं के पीछे जिहादी तत्व हैं और तृणमूल कांग्रेस के नेता उन्हें सहायता और बढ़ावा दे रहे हैं। भाजपा विधायक ने कहा कि अगर सभी हिंदू एकजुट हो जाएं, तो तृणमूल कांग्रेस को मिट्टी में मिला देंगे।

पार्टी पश्चिम बंगाल में नए अध्यक्ष के लिए नामों पर विचार करे : दिलीप घोष

✒ पूर्व भाजपा अध्यक्ष ने विधानसभा में शुभेंदु अधिकारी समेत अन्य पार्टी विधायकों से की मुलाकात

कोलकाता, समाज्ञा : प्रदेश भाजपा के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने अपनी पारी पूरी कर ली है और पार्टी को प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए नये नामों पर विचार करना चाहिए। घोष से संवाददाताओं से सवाल किया कि क्या वह एक और पारी के लिए तैयार हैं? इसके जवाब में भाजपा नेता एक बार फिर बंगाल में पार्टी की कमान संभालने की संभावना से इनकार नहीं किया। इस दिन, दिलीप घोष ने नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी और पार्टी के अन्य विधायकों से मुलाकात करने के बाद विधानसभा के बाहर कहा कि मैंने अपनी पारी पूरी कर ली है। मैं दो बार अध्यक्ष रह चुका हूं। उन्होंने कहा कि भाजपा की बंगाल इकाई के अध्यक्ष के लिए नये नामों पर विचार किया जाना चाहिए। घोष ने कहा कि बंगाल भाजपा के प्रमुख का चुनाव लोकतांत्रिक तरीके से किया जाएगा। यह पूछे जाने पर कि क्या वह तीसरी पारी (तीसरी बार बंगाल भाजपा के अध्यक्ष) के लिए तैयार हैं तो उन्होंने कहा कि एक खिलाड़ी को हर पिच और मैदान पर खेलने के लिए तैयार रहना चाहिए। पूर्व सांसद ने कहा कि भाजपा की बंगाल इकाई के प्रमुख के पद के लिए हर तीन साल में चुनाव होता है और यह जल्द ही शुरू होने वाला है।

पार्थ चटर्जी के दामाद ने राजसाक्षी के तौर पर दिया गुप्त बयान, पूर्व मंत्री की बढ़ सकती है मुश्किले

कोलकाता, समाज्ञा : शिक्षक भर्ती घोटाले से जुड़ी जांच में बड़ा मोड़ आ गया है। राज्य के पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी के दामाद कल्याणमय भट्टाचार्य ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष गवाह बनने का फैसला किया था और अब उन्होंने गुप्त रूप से अपनी गवाही दर्ज करा दी है। इस कदम से पार्थ चटर्जी की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। बता दें कि कुछ समय पहले कल्याणमय भट्टाचार्य ने कोर्ट में अर्जी देकर गवाह बनने की इच्छा जताई थी, जिसे बैंकशाल स्थित ईडी की विशेष अदालत ने स्वीकार कर लिया था। इसके बाद, कोर्ट ने उन्हें मेट्रोपोलिटन एंड डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के 20वें न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष गुप्त गवाही देने का आदेश दिया था। मंगलवार को उन्होंने कोर्ट में अपनी गवाही दर्ज कराई। ईडी के मुताबिक, इस मामले में पार्थ चटर्जी के खिलाफ 26 और 31 मार्च को कोर्ट में दो और गवाह पेश हो सकते हैं। ईडी का आरोप है कि पार्थ चटर्जी ने इस भ्रष्टाचार में अपनी पत्नी, बेटी और दामाद को भी शामिल किया था। जांच के दौरान पता चला कि पश्चिम मेदिनीपुर के पिंगला इलाके में एक निजी स्कूल से जुड़े दस्तावेजों में पार्थ चटर्जी की बेटी और दामाद का नाम सामने आया है। कल्याणमय भट्टाचार्य ने अमेरिका में रहकर कई कंपनियों और ट्रस्टों का संचालन किया, जिसके जरिए बड़े पैमाने पर जमीन खरीद के सबूत मिले हैं। ईडी सूत्रों के मुताबिक, जब कल्याणमय से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि पार्थ चटर्जी के दबाव में उसे भ्रष्टाचार में शामिल होना पड़ा। जानकारों का मानना है कि कल्याणमय भट्टाचार्य की गवाही पार्थ चटर्जी के खिलाफ मामले को और मजबूत बना सकती है। अगर अन्य गवाह भी अदालत में उसके खिलाफ बयान देते हैं तो जांच एजेंसियों को उसके खिलाफ ठोस सबूत जुटाने का मौका मिलेगा।

'पार्टी जो भी कहेगी मैं उसका पालन करूंगा', हुमायूं कबीर ने अनुशासन समिति के समक्ष पेश होने के बाद कहा

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस विधायक दल ने मंगलवार को अपने सदस्य हुमायूं कबीर को सार्वजनिक रूप से भड़काऊ एवं सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील टिप्पणी नहीं करने की हिदायत दी और उन्हें पार्टी अनुशासन का पालन करने का निर्देश दिया। इसके बाद, विधायक ने कहा कि वह पार्टी के निर्देशों का अनुपालन करेंगे। बता दें कि हुमायूं कबीर को मंगलवार को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भाजपा सदस्य शुभेंदु अधिकारी के खिलाफ विवादास्पद टिप्पणी करने के लिए संसदीय कार्य मंत्री शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने अपने कक्ष में बुलाया था और कहा था कि वह ऐसा कुछ न कहें जो पार्टी के खिलाफ हो। पार्टी की अनुशासन समिति के

अध्यक्ष चट्टोपाध्याय ने संवाददाताओं से कहा कि हमने कबीर से स्पष्ट शब्दों में कहा है कि चाहे जो भी उकसावे हों, आपको पार्टी रुख का पालन करना होगा। आपको ऐसा कुछ भी नहीं कहना चाहिए जो संविधान के विरुद्ध हो। उन्होंने कहा कि हम सभी अपनी धार्मिक पहचान का पालन और अनुसरण करते हैं। हमने संविधान के पंथनिरपेक्ष लोकतांत्रिक सिद्धांतों की रक्षा करने की शपथ ली है। चट्टोपाध्याय ने कहा कि विधायक ने भविष्य में सार्वजनिक रूप से कोई अनुचित टिप्पणी नहीं करने का वादा किया है। बाद में, कबीर ने संवाददाताओं से कहा कि मैं विधायक दल की अनुशासन समिति के निर्देशों का पालन करूंगा। उन्होंने कहा कि मुझे जो कुछ भी कहना था, मैंने समिति के सम्मानित सदस्यों के समक्ष स्पष्ट कर दिया है। मुझे लगता है कि अनुशासन समिति ने पार्टी पदाधिकारी के तौर पर मुझे उचित सम्मान दिया है। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने माफी मांगी है, कबीर ने कहा कि ऐसा कोई सुझाव नहीं दिया गया था।

राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए एड हॉक बोनस की घोषणा

- ❑ **ईद, दुर्गा पूजा से पहले मिलेगा पैसा, पेंशनभोगियों को भी मिलेगा लाभ**
- ❑ **44,000 रुपये से कम मासिक वेतन वालों को मिलेगा यह बोनस**

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य सचिवालय नवान्न ने मंगलवार को राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए एड हॉक (तदर्थ) बोनस की घोषणा की। एक अधिसूचना जारी कर कहा गया कि चालू वित्त वर्ष में केवल उन्हीं सरकारी कर्मचारियों को यह बोनस मिलेगा जिनका मासिक वेतन 44,000 रुपये से कम है। इससे अधिक मासिक वेतन पाने वाले लोग बोनस के लिए पात्र नहीं होंगे। मुस्लिम कर्मचारियों को ईद से पहले और हिंदू कर्मचारियों को दुर्गा पूजा से पहले पैसा मिल जाएगा। पेंशनभोगियों को बोनस भी मिलेगा। अधिसूचना में कहा गया है कि राज्य सरकार के जिन कर्मचारियों का मासिक वेतन 44,000 रुपये के भीतर है, उन्हें 6,800 रुपये मिलेंगे। यह बोनस पश्चिम बंगाल नौकरियां (वेतन और भत्ते की समीक्षा) नीति, 2019 के अनुसार दिया जाएगा। इसमें मकान किराया, चिकित्सा व्यय या सब्सिडी के लिए कोई भत्ता शामिल नहीं है। जिनका वेतन 31 मार्च 2025 के बाद 44,000 रुपये की सीमा से अधिक होगा, उन्हें भी यह बोनस मिलेगा। वित्तीय वर्ष 2024-25 में लगातार छह महीने काम करने वाले कर्मचारी इस एड हाक बोनस के लिए पात्र हैं। हालांकि, उनका मासिक वेतन 44,000 रुपये के भीतर होना चाहिए। अधिसूचना में कहा गया है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में 120 दिन काम करने वाले अस्थायी कर्मचारी भी इस बोनस के लिए पात्र हैं।

'पिछड़ेपन के मुद्दे पर नए सिरे से विचार कर रही समिति', बंगाल सरकार ने उच्चतम न्यायालय को बताया

नयी दिल्ली/कोलकाता : पश्चिम बंगाल सरकार ने उच्चतम न्यायालय को मंगलवार को सूचित किया कि राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग पिछड़ेपन के मुद्दे की नए सिरे से समीक्षा कर रहा है। राज्य सरकार ने न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ को सूचित किया कि पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग आयोग का कार्य तीन महीने के भीतर पूरा होने की उम्मीद है। राज्य का पक्ष रखने के लिए पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने पीठ से मामले की सुनवाई तीन महीने तक स्थगित करने अनुरोध किया और सरकार के निर्णय से अवगत कराया। पीठ ने सिब्बल के अनुरोध को स्वीकार करते हुए मामले की सुनवाई जुलाई माह के लिए स्थगित कर दी। अदालत ने कहा कि यह प्रक्रिया इसमें शामिल किसी पक्षकार के अधिकारों के प्रति किसी पूर्वाग्रह के बिना होगी। राज्य सरकार की ओर से दाखिल याचिका सहित सभी याचिकाओं में कलकत्ता उच्च न्यायालय के 22 मई 2024 के फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें 2010 से पश्चिम बंगाल में कई जातियों को दिया गया ओबीसी का दर्जा रद्द कर दिया गया था। उच्च न्यायालय ने सरकारी नौकरियों और राज्य सरकार संचालित शैक्षणिक संस्थानों में उनके आरक्षण को अवैध करार दिया था। इसने अपने फैसले में कहा कि वास्तव में इन समुदायों को ओबीसी घोषित करने के लिए धर्म ही एकमात्र मानदंड रहा है। उच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि मुसलमानों के 77 वर्गों को पिछड़े के रूप में चुनना समग्र रूप से मुस्लिम समुदाय का अपमान है। उल्लेखनीय है कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अलावा) (सेवाओं और पदों में रिक्तियों का आरक्षण) अधिनियम, 2012 के तहत ओबीसी के रूप में 37 वर्गों को दी गई मान्यता के अलावा अप्रैल, 2010 और सितंबर, 2010 के बीच दी गई 77 वर्गों की ओबीसी मान्यता रद्द कर दी थी। उच्चतम न्यायालय ने पिछले वर्ष पांच अगस्त को राज्य सरकार से ओबीसी सूची में शामिल की गई नयी जातियों के सामाजिक और आर्थिक पिछड़ेपन तथा सरकारी नौकरियों में उनके अपर्याप्त प्रतिनिधित्व पर मात्रात्मक आंकड़े उपलब्ध कराने को कहा था।

Name Change

I, Kumari Durgawati Jha Mona (Old Name) wife of Ravi Kant Jha, residing at 3016, Rajdanga Main Road, P.S.- Kasba, Kolkata- 700107, West Bengal, INDIA, have changed my name and shall henceforth be known as Mona Jha (New Name) as declared before the Notary Public at Kolkata, dated 18/03/2025. Mona Jha (New Name) and Kumari Durgawati Jha Mona (Old Name) both are same and identical person.

पूर्व रेलवे

निविदा सं. : एलआरडब्ल्यू4-डीईएस-एसवाईएन-एपीपी-25, दिनांक 17.03.2025, उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/बोगी मैन्युफैक्चरिंग फैक्टरी/बीजीबी/पूर्व रेलवे, 88/1, अधर दास रोड, बजबज, कोलकाता-700137 द्वारा निविदा सं. एलआरडब्ल्यू 4-डीईएस-एसवाईएन-एपीपी-25 के प्रतिपक्ष निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य का नाम: कार्य के दायरे के अनुसार आरएसपी और एलएचबी आदि कोचों की अन्य गतिविधियों (सॉफ्टवेयर आधारित) की निगरानी के लिए डिजिटलीकरण। निविदा की अंतिम तिथि और समय: दिनांक 05.04.2025 को 11.00 बजे। विज्ञापित मूल्य: रु. 49,00,000/-, बयाना राशि: रु. 98,000/-, निविदा कागजात का मूल्य: रु. 0.00, बोली प्रारंभ होने की तिथि: दिनांक 22.03.2025, बोली प्रणाली : एक पैकेट प्रणाली। समापन अवधि: 6 माह। प्रस्ताव की वैधता : 120 दिन। निविदा का विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। बोलीदाता केवल अंतिम तिथि और समय तक अपनी मूल/संशोधित बोली जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। MISC-385/2024-25
निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना क्रमांक ईएलडी-125-डब्ल्यूसी-ओटी-22-24, दिनांक 13.03.2025, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (क.वि.), पूर्व रेलवे, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नवर्णित कार्य के लिए निविदा सं. ईएलडी-125-डब्ल्यूसी-ओटी-22-24 के प्रतिपक्ष ई-निविदा सूचना आमंत्रित की जाती है। कार्य का नाम एवं स्थान : पूर्व रेलवे के हावड़ा डीजल शेड में एक डीप पिट लाइन के निर्माण कार्य के सिलसिले में 25 केवी एसी ओएचई का रूपांतरण कार्य। कार्य की अनुमानित लागत : रु.22,06,520.10, निविदा प्रपत्र की लागत : शून्य। बयाना राशि/बोली सुरक्षा जमा की जानी है: रु.44,100/-, कार्य समाप्ति की अवधि : एलओए जारी करने की तिथि से 12 (बारह) माह। निविदा समापन तिथि और समय: 04.04.2025 को 15.00 बजे। निविदा का खुलना: निविदा के बंद होने के बाद किसी भी समय निविदा खोली जाएगी। निविदाकार निविदा के संपूर्ण विवरण/वर्णन/विनिर्देश के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in देख सकते हैं एवं अपनी बोली ऑनलाइन जमा करें। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर स्वीकार नहीं किया जाएगा एवं तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। HWH-683/2024-25
निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. ईएल/एचडब्ल्यूएच/25/21 (सूचना)/652, दिनांक: 13.03.2025, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित विद्युत कार्य के निष्पादन के लिए खुली ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं: क्रम सं. 1, निविदा सं. ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3354-आर1, कार्य का नाम : पूर्व रेलवे मुख्यालय भवन फेयरली प्लेस में अग्नि सुरक्षा के लिए विद्युत परिसंपत्तियों का समुन्नयन। निविदा मूल्य : रु. 2,45,48,293/-, बोली प्रतिभूति (बयाना राशि जमा): रु. 2,72,800/-, क्रम सं. 2, निविदा सं. ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3307, कार्य का नाम : (1) "एईएन/कटवा के कार्यक्षेत्र के अधीन अग्रद्वीप में नए एफओबी (6 मी. चौड़े) का प्रावधान" के संबंध में विद्युत (साधारण) कार्य। (2) "एईएन/कटवा के कार्यक्षेत्र के अधीन दाँईहाट में नए एफओबी (6 मी. चौड़े) का प्रावधान" के संबंध में विद्युत (साधारण) कार्य। (3) "एईएन/कटवा के कार्यक्षेत्र के अधीन बिष्णुप्रिया हॉल्ट (6 मी. चौड़े) में नए एफओबी का प्रावधान" के संबंध में विद्युत (साधारण) कार्य। (4) "एईएन/कटवा के कार्यक्षेत्र के अधीन साहेबतला हॉल्ट (6 मी. चौड़े) में नए एफओबी का प्रावधान" के संबंध में विद्युत (साधारण) कार्य। निविदा मूल्य : रु. 32,76,270/-, बोली प्रतिभूति (बयाना राशि जमा): रु. 65,500/-, समापन अवधि: 180 दिन (क्रम सं. 1 एवं 2 प्रत्येक हेतु)। निविदा की अंतिम तिथि और समय: दिनांक 07.04.2025 को 15.00 बजे। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी सुविधाजनक दिवस को निविदाएँ ऑनलाइन खोली जाएंगी। निविदा का विवरण वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। HWH-682/2024-25
निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

वॉक-इन-इंटरव्यू
बी. आर. सिंह अस्पताल, सियालदह में अनुबंध पर चिकित्सकों की नियुक्ति हेतु

शुद्धिपत्र

बी. आर. सिंह अस्पताल, पूर्व रेलवे, सियालदह में अनुबंध पर चिकित्सकों की नियुक्ति के संबंध में इस समाचारपत्र में दिनांक 14.03.2025 को प्रकाशित ऊपर शीर्षांकित विज्ञापन के संदर्भ में यह सूचित जाता है कि वॉक-इन-इंटरव्यू **दिनांक 26.03.2025 (बुधवार) को दोपहर 12.00 बजे से** बी. आर. सिंह अस्पताल, सियालदह में आयोजित किया जाएगा। अन्य सभी विवरण अपरिवर्तित रहेंगे। **चिकित्सा निदेशक, बी. आर. सिंह अस्पताल**

पूर्व रेलवे

Office of the Municipal Councillors
Serampore Municipality
1, N. S. Avenue, Serampore, Dist.: Hooghly, Pin: 712201

e-Auction of the following work is invited by Chairman, Serampore Municipality from experienced and resourceful , GST registered bidders for execution the works vide **e-Auction No:- WBMAD/ULB/SRMP/e-Auction-02/2024-25, Date: 18/03/2025.** Name of work- Laxmi (Jagannath) Ghat Ferry Service within Serampore Municipality. Document Submission Start date: **18.03.2025 at 17:00 Hours.** Bid Submission end: **26.03.2025 at 15:00 Hours.** Auction start date : **28.03.2025 at 15:00 Hours.** Auction end date : **28.03.2025 at 17:00 Hours.** For details of the project go through http://eauction.gov.in

Sd/-
Chairman
Serampore Municipality

**OFFICE OF THE
PURULIA-II PANCHAYET SAMITY**
**Vill. Bongabari, P.O. : V-Nagar, Dist. : Purulia (W.B.) ;
Mobile No. 8373068635,
E-mail ID : bdoeopurulia2@gmail.com**

e-Tender is being invited by the Executive Officer, Purulia-II of Village : Bongabari, Post : V. Nagar, Dist : Purulia, for the various developmental work under Purulia-II PS vide **Tender Notice (eNIT) No. : WBPUR/EO/P-II/NIT(e)-11/2024-25.** For more details requisting to the follow the Office Notice Board, **www.wbtenders.gov.in** & **www.purulia.gov.in** or may contact General Section of the undersigned on office day & time.

Sd/-
**Executive Officer
Purulia-II Panchayet Samity**

वॉक-इन-इंटरव्यू
बी. आर. सिंह अस्पताल, सियालदह में सीनियर रेसिडेंट्स की नियुक्ति

चिकित्सा निदेशक के कार्यालय, बी. आर. सिंह अस्पताल, पूर्व रेलवे, सियालदह, कोलकाता-700014 में निम्नलिखित सीनियर रेसिडेंट्स (अकाडेमिक) के चयन के लिए निम्नवर्णित नियम और शर्तों के तहत दिनांक **03.04.2025 को सुबह 11 बजे वॉक-इन-इंटरव्यू** का आयोजन किया जाएगा : **अस्पताल का नाम एवं पता :** बी. आर. सिंह अस्पताल, पूर्व रेलवे, सियालदह, कोलकाता-700014। **क्षेत्र एवं रिक्तियों की स्थिति :** जनरल मेडिसिन - 01 + पैनल, जनरल सर्जरी - 02 + पैनल, एनेस्थिसियोलॉजी - 02 + पैनल, पैथोलॉजी - 01 + पैनल, गाइनकलॉजी. एवं ऑब्स्टेट्रिक्स - 01 + पैनल। **(समुदाय विभाजन: अनारक्षित-02, अनुसूचित जाति-02, अन्य पिछड़ा वर्ग-02, आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग-01)।** पात्र आवेदकों से सीवी और **हाल के तीन पासपोर्ट आकार के फोटोग्राफ** (स्वयं हस्ताक्षरित) - जिनमें से एक को प्रारूप (इस कार्यालय से प्राप्त किया जाएगा) पर चिपकाया जाना चाहिए के साथ आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। **मूल प्रतियों के साथ निम्नलिखित सभी कागजातों का एक सेट (फोटोकॉपी एवं स्व-प्रमाणित) साक्षात्कार के दौरान सत्यापन हेतु प्रस्तुत किया जाना चाहिए :** 10वें स्तर का एडमिट कार्ड (आयु प्रमाण के रूप में), उच्च माध्यमिक या समकक्ष मार्क शीट, एमबीबीएस मार्क शीट, (प्रथम, द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ पेशेवर), डिग्री प्रमाण पत्र, अटेम्प्ट प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, कॉन्फ्रेंस में उपस्थिति, पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख (यदि कोई हो), एमसीआई/राज्य पंजीकरण प्रमाण पत्र, अनुभव प्रमाण पत्र, वर्तमान नियोक्ता से एनओसी, जिसमें यह उल्लेख हो कि आवेदक को (यदि चयन किया जाए) तुरंत छोड़ दिया जाएगा।

● **नियम एवं शर्तें: (1) न्यूनतम पेशेवर योग्यता:** राज्य/केंद्र सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर डिग्री/डीएम/एमडी/एमसीएच/डीएनबी या संबंधित स्पेशलिटी में डिप्लोमा। किसी विशेष स्पेशलिटी में ऐसे आवेदक उपलब्ध नहीं होने पर, बगैर पीजी योग्यता वाले आवेदक जिनके पास एमबीबीएस के बाद कम से कम तीन वर्षों का अनुभव है, जिसमें से संबंधित स्पेशलिटी में किसी भी सरकारी अस्पताल या एमसीआई मान्यता प्राप्त निजी अस्पताल से जूनियर रेसिडेंसी में एक वर्ष का अनुभव है, को केवल एक वर्ष की अवधि के लिए विचार किया जा सकता है, जो कि इस शर्त के अधीन है कि एक वर्ष की समाप्ति के बाद नई चयन प्रक्रिया की जाएगी। तीन वर्ष के अनुभव अनुभव वाले इन एमबीबीएस चिकित्सकों को एक और वर्ष का विस्तार दिया जाएगा, यदि फिर से कोई डिप्लोमा/पीजी/डीएनबी/डीएम वाला आवेदक आवेदन नहीं करता है। इस तरह बढ़ाए जाने की कुल अवधि सीनियर रेसिडेंसी योजना के अनुसार कुल सीनियर रेसिडेंसी के तीन वर्ष तक सीमित होगी (रेलवे बोर्ड के आदेश सं. ई800/जीएजेड/मेड/सीनि. रेसिडेंट्स दिनांक 28.06.2018 के अनुसार)। **(2) आयु सीमा - नेशनल मेडिकल काउंसिल के नियमों के अनुसार** : सामान्य आवेदकों के लिए **दिनांक 03.04.2025** के अनुसार 37 वर्ष। वर्तमान नियमों के अनुसार आरक्षित समुदायों के आवेदकों के लिए आयु में छूट लागू होगी। **(3)** पारिश्रमिक **रु. 15,600 - 39,100/-** के मान में भुगतान किया जाएगा और केंद्र सरकार के अधीन स्वीकार्य अन्य भत्ते होंगे। प्रति माह कुल **रु. 1,21,000/-** (लगभग) की राशि का भुगतान किया जाएगा। **(4) सीनियर रेसिडेंसी का कार्यकाल :** नियुक्ति आरम्भ में **एक वर्ष** की अवधि के लिए होगी। प्रशासनिक अनुमोदन के अधीन प्रत्येक एक वर्ष की दो अवधियों के लिए सीनियर रेसिडेंटशिप को आगे नवीनीकृत किया जा सकता है। सीनियर रेसिटेंडशिप की कुल अवधि अधिकतम **03 (तीन)** वर्ष के लिए होगी। किसी भी पक्ष द्वारा एक महीने की नोटिस पर अथवा एक महीने की कम नोटिस पर आवेदक द्वारा पदत्याग करने की स्थिति में एक माह का वेतन त्याग करने पर अनुबंध को समाप्त किया जा सकता है। **(5) आवेदकों के लिए रिपोर्टिंग समय:** पंजीकरण एवं कागजातों के सत्यापन के लिए **सुबह 10.00 बजे। (6)** साक्षात्कार और सेवा से जुड़ने के प्रयोजन के लिए कोई टीए/डीए स्वीकार्य नहीं होगा। **(7)** किसी भी चरण किसी भी तथ्य को छिपाने की स्थिति में उम्मीदवारी तुरंत समाप्त कर दी जाएगी। **वि.द्र.: इस वर्ष डीएनबी फायनल प्रैक्टिकल परीक्षा में उपस्थित हो चुके उम्मीदवार वॉक-इन-इंटरव्यू में उपस्थित होने के योग्य हैं, बशर्ते कि चयन के उपरांत सेवा में शामिल होने के समय उन्हें फायनल परीक्षा उत्तीर्ण करने का साक्ष्य प्रस्तुत करना होगा।**

नियम और शर्तों के साथ विस्तृत विज्ञापन पूर्व रेलवे की वेबसाइट **http://www.er.indianrailways.gov.in** पर शीर्षक नोटिफिकेशन के तहत उपलब्ध है। **चिकित्सा निदेशक, बी. आर. सिंह अस्पताल, सियालदह**

पूर्व रेलवे

जेयू मामले में 14 नये छात्रों को पुलिस ने किया तलब, एसएफआई ने किया विरोध प्रदर्शन

कोलकाता, समाज्ञा : जादवपुर विश्वविद्यालय से सटे इलाके में मंगलवार को फिर तनाव फैल गया। दरअसल, इस दिन, जादवपुर घटना में 14 छात्रों को पुलिस स्टेशन से तलब किया गया था। उस घटना के जवाब में, एसएफआई और अन्य वामपंथी एवं अति-वामपंथी छात्र संगठनों के कार्यकर्ता और समर्थक फिर से सड़कों पर उतर आए। नये सिरे से छात्रों को क्यों बुलाया गया? प्रदर्शनकारी इस मुद्दे पर मुखर हैं। गिरफ्तार सौम्यदीप मोहंती की रिहाई की भी मांग की गई है। इस दिन, उन्होंने दोपहर के बाद भी जादवपुर पुलिस स्टेशन के सामने विरोध प्रदर्शन जारी रखा। विरोध प्रदर्शन के कारण सड़क का एक हिस्सा अवरुद्ध हो गया। सड़कों पर पोस्टर लगाये गये। इस घटना से जादवपुर पुलिस स्टेशन के सामने भारी तनाव फैल गया। मंगलवार को 14 लोगों को जादवपुर पुलिस स्टेशन बुलाया गया। उन्हें पुलिस स्टेशन में पुलिस पूछताछ का सामना करना पड़ रहा है। उन छात्रों को क्यों बुलाया गया? प्रदर्शनकारी यह सवाल उठाते हुए सड़कों पर उतर आए। विरोध प्रदर्शन की शुरुआत जादवपुर पुलिस स्टेशन के सामने जुलूस के साथ हुई। कथित तौर पर, जिन लोगों को बुलाया गया था उनमें से कई परिसर में नहीं थे। कुछ लोग बाहर थे। तो फिर उन्हें क्यों बुलाया जाएगा? सौम्यदीप मोहंती उर्फ उजन पर परिसर में शिक्षाबंधु के कार्यालय में आग लगाने का आरोप लगाया गया था। विश्वविद्यालय में अशांति के संबंध में उनके खिलाफ कई शिकायतें हैं। छात्र अब गिरफ़्तार है। प्रदर्शनकारियों ने आज उनकी बिना शर्त रिहाई की भी मांग की है।

विश्व भारती विश्वविद्यालय को मिला स्थायी कुलपति, राष्ट्रपति ने डॉ प्रवीर कुमार घोष को कुलपति के पद पर किया नियुक्त

कोलकाता/बीरभूम : रवींद्र नाथ टैगोर द्वारा स्थापित ऐतिहासिक यूनिवर्सिटी, विश्व भारती विश्वविद्यालय को आख़िरकार स्थायी कुलपति मिल गया। देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने डॉ. प्रबीर कुमार घोष को विश्व भारती विश्वविद्यालय का स्थायी कुलपति नियुक्त किया है। यह जानकारी केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री डॉ सुकांत मजूमदार ने सोशल मीडिया एक्स के माध्यम से दी। डॉ. मजूमदार ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से जारी विज्ञप्ति को भी साझा किया। उन्होंने आगे कहा कि विश्व भारती विश्वविद्यालय ऐसा संस्थान है, जो गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के दृष्टिकोण में गहराई से निहित है। विश्व भारती विवि ज्ञान, संस्कृति और वैश्विक शिक्षा के एक प्रकाश स्तंभ के रूप में खड़ा है। मुझे विश्वास है कि डॉ. घोष के नेतृत्व में, विश्वविद्यालय अकादमिक उत्कृष्टता के लिए नए अवसरों को अपनाते हुए अपनी समृद्ध विरासत को बनाए रखेगा। उन्होंने आगे कहा कि इस ऐतिहासिक संस्थान को नई ऊंचाइयों की ओर ले जाने में उनके सफल कार्यकाल की कामना करता हूं।

शिक्षक नियुक्ति में फर्जी जाति प्रमाण पत्र का मामला, राज्य पुलिस ने एसएससी से मांगा जवाब

कोलकाता, समाज्ञा : शिक्षक की नौकरी में भी फर्जी जाति प्रमाण पत्र का मामला सामने आया है। राज्य पुलिस ने इस मामले को लेकर स्कूल सर्विस कमीशन (एसएससी) को पत्र भेजा है, जिसमें विशेष आरोपों के आधार पर एसएससी से जवाब मांगा गया है। तीन व्यक्तियों के खिलाफ शिकायत दर्ज किए जाने के बाद राज्य पुलिस ने पहले ही एसएससी को पत्र भेज दिया था। राज्य पुलिस की ओर से एसएससी से आरोपों के आधार पर जांच करने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया है। पुलिस ने एसएससी को पत्र भेजकर इन तीन व्यक्तियों के बारे में अधिक जानकारी देने को कहा है। हालांकि, एसएससी का कहना है कि जो जानकारी प्राप्त हुई है, वह जांच के लिए पर्याप्त नहीं है और अधिक जानकारी की आवश्यकता है। आरोप है कि 2011-12 के शिक्षक भर्ती में फर्जी जाति प्रमाण पत्र का इस्तेमाल किया गया था।

उच्च माध्यमिक के अंग्रेजी प्रश्नपत्र में हुई गलती, परीक्षार्थियों को मिलेंगे पूरे अंक

कोलकाता, समाज्ञा : उच्च माध्यमिक के अंग्रेजी प्रश्नपत्र में एक बड़ी गलती सामने आई है, जिसके कारण छात्रों में भ्रम की स्थिति उत्पन्न हुई है। प्रश्नपत्र में 'ताजमहल' के स्थान पर 'ताजमजाल' लिखा गया था। इस छापाई की गलती को लेकर शिक्षा परिषद ने बड़ा कदम उठाया है और छात्रों को उस प्रश्न के लिए पूर्ण अंक देने का निर्णय लिया है। उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद के सूत्रों के अनुसार, अंग्रेजी प्रश्नपत्र के 5ए(3) नंबर के प्रश्न में हुई इस गलती के कारण सभी छात्रों को उस प्रश्न के लिए पूर्ण अंक दिए जाएंगे। यह निर्णय उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद के प्रमुख परीक्षकों द्वारा लिया गया है। शिक्षा परिषद ने यह भी स्पष्ट किया कि इस गलती के कारण छात्रों को कोई भी नुकसान नहीं होगा और वे सभी संबंधित प्रश्न के लिए पूरा अंक प्राप्त करेंगे।

एसबीआई की इकाई को कोलकाता से हटाने की योजना पर राष्ट्रपति से दखल देने का अनुरोध

कोलकाता, समाज्ञा : सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजीकरण के खिलाफ सक्रिय एक नागरिक समाज मंच ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की वैश्विक बाजार इकाई (जीएमयू) को कोलकाता से हटाकर मुंबई ले जाने के प्रस्ताव पर चिंता जताने के साथ ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से इस मामले में हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है। 'बैंक बचाओ देश बचाओ मंच' ने राष्ट्रपति को लिखे पत्र में कहा है कि एसबीआई के इस नियोजित कदम से पश्चिम बंगाल की वित्तीय पारिस्थितिकी कमजोर होगी और कई नौकरियों का भी नुकसान उठाना पड़ेगा। इस मंच ने पत्र में एसबीआई के अपने केंद्रीकृत ग्लोबल बैक ऑफिस, विदेशी मुद्रा ट्रेजरी, डेरिवेटिव और संरचित उत्पाद प्रभागों सहित प्रमुख विदेशी मुद्रा संचालन को स्थानांतरित करने के निर्णय पर चिंता व्यक्त की है। फोरम ने राष्ट्रपति को लिखे पत्र में कहा कि एसबीआई का जीएमयू अपनी स्थापना के बाद से ही कोलकाता से काम कर रहा है और सिडनी, बहरीन, हांगकांग, लंदन और न्यूयॉर्क जैसे वैश्विक केंद्रों में वित्तीय लेनदेन का प्रबंधन करता है। इसने राष्ट्रपति से मुंबई में 'वित्तीय संचालन के केंद्रीकरण को रोकने' की अपील करते हुए कहा है कि जीएमयू को भी मुंबई ले जाना वित्तीय विकेंद्रीकरण और क्षेत्रीय आर्थिक स्थिरता के सिद्धांतों के खिलाफ है।

पूर्व रेलवे की आरपीएफ ने 19 लाख रुपये से अधिक की अवैध नकदी बरामद की

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल की रेलवे सुरक्षा बल ने ऑपरेशन सतर्क के तहत बड़ी मात्रा में अवैध नकदी की बरामदगी की है। आरपीएफ द्वारा रेलवे परिसरों में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने और सुरक्षा को बढ़ाने के उद्देश्य से लगातार कदम उठाए जाते हैं। इसके तहत, 17 मार्च को, आरपीएफ अधिकारियों ने बोलपुर रेलवे स्टेशन पर एक व्यक्ति, प्रसुन बनर्जी (43) को गिरफ्तार किया, जिसके पास से 19,11,680 रुपये की अवैध नकदी बरामद हुई। आरोपी व्यक्ति नकदी के बारे में कोई वैध दस्तावेज या स्पष्टीकरण नहीं दे सका। जिसके बाद, बरामद की गई नकदी को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए आरपीएफ पोस्ट में सुरक्षित रूप से रखा गया है।

संपत्ति विवाद से परेशान वृद्ध ने थाने के सामने खुद को लगाई आग, एसएसकेएम में हुई मौत

पूर्व बर्दवान : जिले के भातार में एक वृद्ध ने संपत्ति विवाद से परेशान होकर आत्मदाह कर लिया। वह अपने घर से बाजार जाने के बहाने निकले थे, लेकिन भातार थाने के सामने खुद को आग लगा ली। गंभीर रूप से झुलसे वृद्ध को पहले स्थानीय अस्पताल और फिर कोलकाता के एसएसकेएम अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां मंगलवार को उनकी मौत हो गई। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान सुषांत दत्ता के रूप में हुई है। वह भातार बाजार के पास 'संतोष सायर' नामक एक बड़े तालाब के मालिक थे। यह तालाब वर्षों पुराना है और इसके चारों ओर कई घर और दुकानें हैं। सुषांत दत्ता ने करीब आठ साल पहले 1.73 एकड़ के इस तालाब को खरीदा था और 2019 में इसमें मछली पालन शुरू किया था। लेकिन स्थानीय कुछ लोगों ने इस तालाब को सरकारी संपत्ति बताते हुए कोर्ट में मामला दायर कर दिया। इसके बाद से ही वह तालाब पर कब्जा नहीं कर पा रहे थे। इस विवाद के चलते मामला कोलकाता हाई कोर्ट तक पहुंचा। हाल ही में, हाई कोर्ट ने बर्दवान के जिलाधिकारी को इस विवाद का समाधान निकालने के निर्देश दिए थे। इसके बाद, जिलाधिकारी ने 27 फरवरी और तीन मार्च को दो बार सुनवाई की। भातार ब्लॉक के भूमि सुधार अधिकारी प्रदीप मंडल के अनुसार, यह तालाब सरकारी संपत्ति है और सुनवाई के बाद जिलाधिकारी ने सुषांत दत्ता का दावा खारिज कर दिया और उन पर जुर्माना भी लगाया। तालाब पर मालिकाना हक न मिलने से मानसिक रूप से परेशान सुषांत दत्ता ने सोमवार को घर से बाजार जाने की बात कहकर निकले और भातार थाने के पास जाकर खुद को आग लगा ली। पुलिस और सिविक वॉलंटियर्स ने उन्हें जलते हुए देखा और तुरंत कम्बल डालकर आग बुझाने की कोशिश की। उन्हें पहले स्थानीय अस्पताल और फिर कोलकाता के एसएसकेएम अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां मंगलवार को उनकी मौत हो गई। इस घटना ने इलाके में हलचल मचा दी है। प्रशासन इस मामले की जांच कर रहा है।

पत्थर से लदी लॉरी पलटने से आदिवासी नाबालिग की मौत, इलाके में तनाव

बीरभूम : जिले के मुरारई पुलिस थाने के संतोषपुर गांव में मंगलवार को पत्थरों से भरा एक ट्रक पलटने से सात वर्षीय नाजेश हांसदा नामक नाबालिग की मौत हो गई। इस घटना से इलाके में तनाव का माहौल है। सूत्रों के अनुसार, नाइकि हांसदा नामक नाबालिग मोटरसाइकिल पर दो आदिवासी लड़कों के साथ स्कूल जा रहा था। उसी समय मुरारई थाना अंतर्गत संतोषपुर गांव के पास सड़क के किनारे यांत्रिक गड़बड़ी के कारण पत्थरों से लदी एक लॉरी खड़ी थी। जब वह मोटरसाइकिल लेकर एक ट्रक के पास जा रहा था, तभी अचानक ट्रक पलट गया। बाइक सवार नाइकी और दो लड़के भी पत्थरों के एक ढेर के नीचे दब गए। मौके पर ही नाजेश हांसदा नामक नाबालिग की मौत हो गई। स्थानीय लोगों का दावा है कि एक अन्य आदिवासी नाबालिग चट्टान के नीचे दबा हुआ है। इस हादसे में बाइक सवार नाइक हांसदा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया। आक्रोशित स्थानीय निवासियों ने लॉरी में तोड़फोड़ कर दी। घटनास्थल के पास स्थित सरकारी राजस्व संग्रह कार्यालय में तोड़फोड़ कर आग के हवाले कर दिया गया। निवासियों की शिकायत है कि नियमित राजस्व वसूली की जा रही है, लेकिन सड़कों की मरम्मत नहीं की जा रही है। ओवरलोड पत्थरों से लदे ट्रक टूटी सड़कों पर चलते हैं। जिसके कारण सड़क दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। घटना की सूचना मिलने पर मुरारई थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।

श्री काशी विश्वनाथ सेवा समिति के जल प्याऊ का उद्घाटन संपन्न

कोलकाता, समाज्ञा : श्री काशी विश्वनाथ सेवा समिति द्वारा कोलकाता के पोस्ता थाना के निकट शीतल जल प्याऊ का उद्घाटन पोस्ता थाना के ऑफिसर इंचार्ज जयंक विकास मिद्दा एवं दाता दीपक कुमार केडिया के करकमलो से तथा समिति के अध्यक्ष विवेक गुप्ता की देखरेख में एवं समिति के प्रधान सचिव बिमल दीवान, उप-सचिव पवन बंसल एवं सुभाष सवालदवाला के उपस्थिति में किया गया। समिति के मार्ग दर्शक राजकुमार बोथराजी के सलाह पर यह प्याऊ स्थापित की गयी। मशीन द्वारा संचालित शीतल जल प्याऊ का निर्माण केडिया एजेंसी प्रा0 ली0 एवं सतीश कुमार केडीया, दीपक कुमार केडिया अपने पूर्वज स्व. दुर्गा प्रसाद केडीया के स्मृति में अपने आर्थिक सहयोग से किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के कार्यकर्त्ता महेंद्र प्रसाद अग्रवाल, जय प्रकाश गुप्ता, महेश पचलांगिया, अन्नू शर्मा, महेश काबरा, संजय अग्रवाल, ललित कुमार बजाज, बजरंग लाल सांवलदावाला, दिनेश खेमका आदि की उपस्थिति एवं सहयोग रहा।

डीवाईएफआई नेता कलतान दासगुप्ता की आवाज सैंपल के लिए राज्य ने हाईकोर्ट में दी अर्जी

कोलकाता, समाज्ञा : आरजी कर कांड में आंदोलनकारी जूनियर डॉक्टरों पर हमले की साजिश में डीवाईएफआई नेता कलतान दासगुप्ता का नाम सामने आया था। उन्हें गिरफ्तार किया गया था, लेकिन बाद में कोलकाता हाईकोर्ट के आदेश पर रिहा कर दिया गया। अब राज्य फिर से इस मामले में कदम उठाने की योजना बना रहा है। पुलिस कलतान की आवाज का सैंपल एकत्र करना चाहती है, जिसके लिए राज्य ने हाईकोर्ट का रुख किया है। अगले सप्ताह इस मामले की सुनवाई हो सकती है, ऐसा संकेत मिला है। आरजी कर कांड के दौरान विरोध कर रहे जूनियर डॉक्टरों ने सॉल्टलेक के स्वास्थ्य भवन के बाहर आंदोलन किया था। इस दौरान एक वायरल ऑडियो वार्तालाप सामने आई थी, जिसमें आंदोलनकारी डॉक्टरों पर हमले की योजना बनते हुए सुनाई दे रही थी। इस घटना ने सनसनी फैलाई थी। तृणमूल कांग्रेस ने दावा किया था कि ऑडियो में आवाज डीवाईएफआई नेता कलतान दासगुप्ता की थी। पुलिस ने जांच शुरू की और संजीव दास नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने कलतान दासगुप्ता का नाम लिया। कॉल रिकॉर्ड की जांच करने पर यह पाया गया कि संजीव के फोन से कलतान के फोन पर कॉल की गई थी। इसके आधार पर कलतान को गिरफ्तार किया गया और उसके दोनों मोबाइल फोन जब्त कर लिए गए। इसके बाद जांच जारी रही और मामला कोलकाता हाई कोर्ट में पहुंचा। हाईकोर्ट में राज्य ने जानकारी दी कि कलतान जांच में सहयोग नहीं कर रहे थे और उन्होंने मोबाइल फोन अनलॉक नहीं किया था। कलतान के वकील ने कोर्ट में दलील दी कि उनके खिलाफ साजिश की गई है। उन्होंने सवाल किया कि बिना आवाज की जांच किए कलतान को गिरफ्तार कैसे किया गया। इसके अलावा, यह भी आशंका जताई गई कि पुलिस उनके मुवक्किल को अन्य मामलों में फंसाने की कोशिश कर सकती है। इसके बाद, हाईकोर्ट ने कलतान दासगुप्ता को जमानत दी। पांच दिन की पुलिस कस्टडी में रहने के बाद उन्हें रिहा कर दिया गया।

राज्यपाल बोस ने एआईयू पूर्व क्षेत्रीय कुलपति सम्मेलन 2024-2025 का किया उद्घाटन

➨ जेआईएस यूनिवर्सिटी कर रही हैं मेजबानी

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य के राज्यपाल डॉ. सी.वी. आनंद बोस ने 2024-2025 के लिए एआईयू (एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी) के पूर्व क्षेत्रीय उपकुलपति सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस सम्मेलन का आयोजन जेआईएस विश्वविद्यालय में किया गया। इस कार्यक्रम में पूर्वी भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों के शिक्षाविदों और उपकुलपतियों ने हिस्सा लिया। उद्घाटन समारोह में प्रमुख अतिथियों में एआईयू के अध्यक्ष प्रो. विनय कुमार पाठक, एआईयू के उपाध्यक्ष प्रो. वी. एन. राजशेखरन पिल्लई, एआईयू के महासचिव डॉ. पंकज मित्तल, आईआईटी खड़गपुर के पूर्व निदेशक प्रो. पार्थ प्रतीम चक्रवर्ती, जेआईएस ग्रुप के प्रबंध निदेशक सरदार तरनजीत सिंह, जेआईएस ग्रुप के निदेशक सरदार सिमरप्रीत सिंह और जेआईएस विश्वविद्यालय के उपकुलपति डॉ. भाबेश भट्टाचार्य शामिल थे। यह दो दिवसीय सम्मेलन समावेशिता, विविधता और सततता के विषय पर आधारित था, जिसमें 100 से अधिक विश्वविद्यालयों के उपकुलपति भागीदार बने। इस अवसर पर राज्यपाल डॉ. सी.वी. आनंद बोस ने कहा, नेल्सन मंडेला ने शिक्षा को दुनिया बदलने के लिए 'सबसे शक्तिशाली हथियार' कहा था। भारत में जहां कक्षाएं देश के भविष्य का निर्माण करती हैं, वहां चुनौती केवल उत्कृष्टता की नहीं, बल्कि प्रासंगिकता की भी है। उपकुलपति का संविधानिक कर्तव्य उच्चतम उपलब्धि को प्रोत्साहित करना है। शिक्षा बिना प्रभाव के निरर्थक होती है। एआईयू के अध्यक्ष प्रो. विनय कुमार पाठक ने कहा, यह सम्मेलन समावेशिता, विविधता और सततता पर आधारित है, जो भारत के वेदों, पुराणों और उपनिषदों में पहले से ही निहित हैं। उपाध्यक्ष प्रो. वी.एन. राजशेखरन पिल्लई ने कहा, पश्चिम बंगाल लंबे समय से उच्च शिक्षा का केंद्र रहा है। भारतीय विश्वविद्यालयों को स्टेम को स्टीम में बदलने की आवश्यकता है, जिससे कला, मानविकी और समाजिक विज्ञानों को तकनीकी शिक्षा में शामिल किया जाए। जेआईएस ग्रुप के एमडी सरदार तरनजीत सिंह ने कहा, यह सम्मेलन सिर्फ एक सम्मेलन नहीं है, बल्कि यह शैक्षिक नेताओं को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में समावेशिता, विविधता और सततता पर पुनर्विचार करने का एक आह्वान है।

दि कलकत्ता इलेक्ट्रिक ट्रेडर्स एसोसिएशन ने धूमधाम से किया 'होली प्रीति सम्मेलन' का आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : दि कलकत्ता इलेक्ट्रिक ट्रेडर्स एसोसिएशन (सीटा) द्वारा होली प्रीति सम्मेलन का आयोजन गणपति बैंक्वेट में बड़े धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अध्यक्ष आशीष अग्रवाल ने सभी का स्वागत करते हुए होली की शुभकामनाएं प्रेषित करके की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि धर्मेंद्र डागा ने भी सभी को होली की बधाई दी। कार्यक्रम में प्रदीप ज्योति अग्रवाल (अम्बुजा समूह के चेयरमैन के सलाहकार), जीगो के सुशील हिरावत, प्रीतम के बबली भाई, एस.के. इंडस्ट्रीज के सुनील जैन और मनाफुली के अजय चौधरी समेत कई अन्य प्रमुख लोग उपस्थित थे। इस रंगारंग होली धमाल कार्यक्रम में सबसे पहले संस्था के सभी पूर्व अध्यक्षों को पगड़ी और दुपट्टे से सम्मानित किया गया और उन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। इसके बाद, अध्यक्ष आशीष अग्रवाल, उपाध्यक्ष पुलकित चांदगोठिया, सचिव जितेंद्र सुराणा, कोषाध्यक्ष अमित झुनझुनवाला, संयोजक कुशल तोदी, सह सचिव मनीष गुप्ता और प्रकाश सिंह ने भी सभी का सम्मान किया। कार्यक्रम में राजस्थान से आए मास्टर भवर और अन्य कलाकारों ने रंग-बिरंगे होली गीतों की प्रस्तुति दी। इस दौरान बच्चे, युवा और वृद्ध सभी होली के गीतों में थिरकते हुए नजर आए। सीटा के इस होली मिलन समारोह में स्वादिष्ट व्यंजनों की शानदार व्यवस्था की गई थी। साउथ इंडियन, पंजाबी, गुजराती, कश्मीरी और चाइनीज के स्टॉल्स पर व्यंजन प्रस्तुत किए गए, जिनका सभी उपस्थित लोगों ने भरपूर आनंद लिया। इस परिवारिक आयोजन में महिलाओं और बच्चों ने भी भाग लिया, जिससे यह कार्यक्रम और भी गरिमामय बन गया। मंच संचालन का कार्य संस्था के पूर्व अध्यक्ष संजय कुमार सिंघी ने बड़ी ही कुशलता से किया। सभी को होली उपाधियों से नवाजा गया और आयोजन की मुक्त कंठ से सराहना की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में उमाकांत अग्रवाल, गौतम बेगानी, मिनेश ठकरार, सौरभ सोमानी और अन्य का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सीटा सभी पूर्व अध्यक्षों और प्रायोजकों का आभारी है, जिनके समर्थन और सहयोग से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उनके बिना यह कार्यक्रम संभव नहीं हो पाता।

फायर फाइटिंग का प्रशिक्षण हावड़ा और एस्प्लानेड मेट्रो स्टेशनों पर आयोजित

कोलकाता, समाज्ञा : यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मेट्रो रेलवे समय-समय पर विभिन्न सुरक्षा उपायों को अपनाता और उनका नियमित रूप से आकलन करता है। इसी क्रम में आज हावड़ा और एस्प्लानेड मेट्रो स्टेशनों पर मेट्रो कर्मचारियों के लिए फायर फाइटिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन वरिष्ठ अधिकारियों की देखरेख में किया गया। इस प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न प्रकार की आग और धुएं की स्थितियों का सजीव प्रदर्शन किया गया, जिसमें मेट्रो कर्मचारियों को आग पर काबू पाने और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के तरीके सिखाए गए। इसमें ट्रैफिक, इलेक्ट्रिकल, आरपीएफ और अन्य विभागों के कर्मचारियों ने भाग लिया। यह प्रशिक्षण कर्मचारियों की तैयारियों को और अधिक मजबूत करने तथा उनके कौशल और ज्ञान को और निखारने के लिए आयोजित किया गया। उम्मीद है कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम भविष्य में किसी भी आपात स्थिति में बचाव कार्य को तेज करने और सामान्य स्थिति को शीघ्र बहाल करने में सहायक सिद्ध होंगे।

खरकिया परिवार का होली प्रीति मिलन सम्पन्न

कोलकाता, समाज्ञा : खरकिया परिवार के होली प्रीति मिलन में संस्था के अध्यक्ष रमेश खरकिया, सचिव सांवरलाल खरकिया, सुशील, मांगीराम, राजेन्द्र खरकिया, दीपक गुप्ता, डॉ. ए के सिंह ने अतिथियों एवं सपरिवार उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया तथा शुभकामना दी। समारोह में सभी सदस्यों ने दादी जाबदे की पूजा अर्चना की। ढप्प, धमाल, गीत - संगीत के कार्यक्रम की प्रस्तुति के लिये कलाकारों की सराहना की। विश्वनाथ, ऋषि, राहुल एवं खरकिया बन्धु सक्रिय रहे।

पॉलीमेटेक इलेक्ट्रॉनिक्स ने आईएसपीईसी 2025 में सैफायर इंगोट्स और 6जी डाई किए लॉन्च

कोलकाता, समाज्ञा : चेन्नई स्थित प्रमुख ऑप्टिकल-सेमीकंडक्टर कंपनी, पॉलीमेटेक इलेक्ट्रॉनिक्स ने आईएसपीईसी 2025 में अपने नवीनतम उत्पादों का अनावरण किया। गुजरात के महात्मा मंदिर में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान, राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र राजनिकांत पटेल ने कंपनी के सीईओ ईश्वर राव नंदम और ईसीएम ग्रीनटेक के जनरल मैनेजर अनिस जौइनी के साथ मिलकर इन उत्पादों का शुभारंभ किया। पॉलीमेटेक ने सैफायर इंगोट्स, वेफर्स और 6जी टेलीकॉम डाई को लॉन्च किया, जो सेमीकंडक्टर उद्योग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये उत्पाद जैन-आधारित एलईडी, पावर डिवाइस, लेजर डायोड, मोबाइल आरएफ डिवाइस और माइक्रोवेव प्रौद्योगिकियों में उपयोग होते हैं। इसके अलावा, 6जी टेलीकॉम डाई उच्च-आवृत्ति संचार के लिए डिजाइन किया गया है, जो तेज डेटा ट्रांसफर और ऊर्जा-कुशल प्रदर्शन को सक्षम बनाता है। पॉलीमेटेक के सीईओ ईश्वर राव नंदम ने कहा कि ये उत्पाद भारत की सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला को वैश्विक स्तर पर मजबूत करेंगे।

भागलपुर-दानापुर-भागलपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस के आईसीएफ कोचों को एलएचबी में बदला

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे ने भागलपुर और दानापुर के बीच चलने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस में इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) कोचों को लिंक हॉफमैन बुश (एलएचबी) कोचों में परिवर्तित करने की महत्वपूर्ण पहल की है। यह परिवर्तन यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए कई लाभ प्रदान करेगा। एलएचबी कोच अधिक स्पेशियस होते हैं और इनमें बेहतर यात्री सुविधाएं और अधिक आराम प्रदान किया जाता है। इन कोचों में बड़ी खिड़कियां हैं, जो यात्रियों को शानदार दृश्य देखने का अवसर देती हैं, और इनमें एंटी-टेलिस्कोपिक तंत्र है, जो दुर्घटनाओं के दौरान कोचों के बीच घुसने से रोकता है। पूर्व रेलवे ने 23 मार्च 2025 से भागलपुर-दानापुर-भागलपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस के 13401/13402 आईसीएफ रेक को एलएचबी रेक में बदलने का निर्णय लिया है। इसके बाद, एलएचबी कोचों में यात्रा करने वाले यात्री अब बेहतर सुरक्षा उपायों और आराम का अनुभव कर सकेंगे।

जल जमाव की समस्या को खत्म करने के लिए 9 करोड़ रुपये की योजना : डॉ. सुजय चक्रवर्ती

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा नगर निगम ने जल जमाव की समस्या से राहत देने के उद्देश्य से 9 करोड़ रुपये की लागत से एक बड़े सुधार कार्य की योजना बनाई है। यह घोषणा मंगलवार को निगम के प्रशासनिक बोर्ड के चेयरमैन डॉ. सुजय चक्रवर्ती ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में की। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के तहत मई तक कई पंप हाउस, नये नाले और सीवेज सिस्टम का निर्माण किया जाएगा, जिससे उत्तर हावड़ा, शिवपुर और मध्य हावड़ा के निवासियों को विशेष लाभ मिलेगा।

डॉ. चक्रवर्ती ने बताया कि बेलगछिया में दो नए पंप हाउस और एक नया नाला बनाया जाएगा। इसके अलावा, वार्ड 44 में बेलेपोल के पास दो पंप हाउस स्थापित होंगे– एक पंप हाउस कोना एक्सप्रेसवे पर और दूसरा बेलेपोल मोड़ पर होगा। इसके साथ ही, वार्ड 43 में तीन नए पंप हाउस बनाने की योजना बनाई गई है। इच्छापुर पानी टंकी से बेलेपोल तक एक नया नाला भी बनाया जाएगा। इसके अलावा, उत्तर हावड़ा के वार्ड नंबर 6 के बामनगाछी इलाके में एक नया नाला और टिकियापाड़ा में ईस्ट वेस्ट बाईपास रोड पर एक नया पंपिंग स्टेशन तैयार किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि सभी काम शीघ्र शुरू कर दिए जाएंगे और इस वर्ष शहरवासियों को जल जमाव की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा।

वेतन न मिलने पर महिला अस्थायी स्वास्थ्य कर्मियों का जोरदार प्रदर्शन

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा नगर निगम के गेट के सामने मंगलवार को कई अस्थायी स्वास्थ्यकर्मियों और डेंगू प्रतिरोध स्प्रे मैन ने विरोध प्रदर्शन किया। इन महिला स्वास्थ्यकर्मियों और स्प्रे मैनों का आरोप है कि वे पिछले पांच महीनों से मासिक वेतन नहीं प्राप्त कर रहे हैं। वेतन की नियमितता की मांग करते हुए उन्होंने सड़क जाम कर दिया और प्रदर्शन में भाग लिया। हावड़ा नगर निगम ने 50 वार्डों में डेंगू के प्रतिरोध के लिए लगभग तीन हजार महिला अस्थायी स्वास्थ्यकर्मियों और 226 स्प्रे मैनों को नियुक्त किया था। इन स्वास्थ्यकर्मियों को डेंगू और मलेरिया जैसे मच्छर जनित रोगों के बारे में लोगों को जागरूक करने और घर-घर जाकर सर्वेक्षण करने का काम सौंपा गया था। लेकिन इन

स्वास्थ्य कर्मियों का आरोप है कि उन्हें नियमित रूप से वेतन नहीं मिल रहा है और उनका वेतन बहुत कम है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि पिछले पांच महीनों से उन्हें कोई वेतन नहीं मिला है, जिससे वे गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। इस प्रदर्शन के कारण हावड़ा मैदान के रास्ते पर यातायात बाधित हो गया। घटनास्थल पर हावड़ा थाना पुलिस पहुंची और स्थिति को संभाला। हावड़ा नगर निगम के प्रशासनिक मंडल के चेयरमैन सुजॉय चक्रवर्ती ने कहा कि स्वास्थ्यकर्मियों का वेतन देर से मिलने का कारण एक तकनीकी समस्या थी। उन्होंने बताया कि आज या कल तक एक महीने का वेतन प्रदान कर दिया जाएगा। इसके अलावा, उन्होंने यह भी कहा कि वह विभाग से बात कर रहे हैं ताकि बाकी बकाया वेतन भी जल्द ही कर्मचारियों को मिल सके।

रामकृष्णपुर घाट के पास एक युवक पर चाकू से हमला, आरोपी गिरफ्तार

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा के रामकृष्णपुर घाट के पास मंगलवार रात को एक युवक पर चाकू से हमला करने की घटना सामने आयी है। घायल युवक का नाम राजू जायसवाल है, जो फिलहाल हावड़ा अस्पताल में भर्ती है। वहीं, पुलिस ने हत्या की कोशिश करने के आरोप में आरोपी शिबू पाठक को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना ग्रैंड फोरशोर रोड की है। मिली जानकारी के अनुसार, राजू और शिबू दोनों गंगा के किनारे फुटपाथ पर रहते हैं। इस दिन, किसी पुरानी बात को लेकर दोनों के बीच झगड़ा शुरू हो गया। झगड़ा हाथापाई में बदल गई और शिबू ने चाकू निकालकर राजू के पेट में घोंप दिया। खबर मिलते ही हावड़ा थाना की पुलिस और हावड़ा सिटी पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। घायल अवस्था में राजू को अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस मामले की जांच जारी है।

हाई कोर्ट ने पीएससी को दी क्लीन चिट, निचली अदालतों में न्यायाधीशों की नियुक्ति का रास्ता साफ

कोलकाता, समाज्ञा : न्यायपालिका से जुड़े एक महत्वपूर्ण फैसले में कलकत्ता हाई कोर्ट ने पश्चिम बंगाल न्यायिक सेवा परीक्षा 2022 में सफल हुए उम्मीदवारों की सिविल जज भर्ती पर लगी रोक हटा दी है। न्यायमूर्ति अरिंदम मुखर्जी द्वारा दिए गए इस निर्णय में उन कई याचिकाओं को खारिज कर दिया गया, जिनमें परीक्षा प्रक्रिया को चुनौती दी गई थी। बता दें कि भर्ती प्रक्रिया लंबित कानूनी मामलों के कारण रुकी हुई थी, जिसके चलते 2022 से पश्चिम बंगाल में किसी भी सिविल जज की नियुक्ति नहीं हो पाई थी। जिन उम्मीदवारों ने प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार सहित सभी चयन प्रक्रियाओं को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया था, वे भी न्यायिक अड़चनों के कारण नियुक्ति के इंतजार में थे। इस भर्ती के लिए प्रारंभिक परीक्षा मार्च 2023 में आयोजित की गई थी, इसके बाद मुख्य परीक्षा मई 2023 में हुई, और सफल उम्मीदवारों के साक्षात्कार अप्रैल 2024 में संपन्न हुए। पश्चिम बंगाल लोक सेवा आयोग (पीएससी) ने मई 2024 में अंतिम चयन सूची जारी कर दी थी, लेकिन हाई कोर्ट में परीक्षा प्रक्रिया को लेकर दायर विभिन्न याचिकाओं के कारण नियुक्तियां नहीं हो सकी थीं। हाई कोर्ट द्वारा 16 दिसंबर 2024 को पारित अंतिम स्थगन आदेश को अब हटा दिया गया है, जिससे नियुक्ति प्रक्रिया तुरंत शुरू होने का रास्ता साफ हो गया है। इस निर्णय से पश्चिम बंगाल के न्यायिक तंत्र पर पड़ रहे भार को कम करने में मदद मिलेगी और लंबे समय से रिक्त पड़े पदों को भरकर न्यायिक प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित किया जा सकेगा।

'हिंदू अगर भाई-भाई हैं तो गैस पर क्यों नहीं मिल रही है छूट', तृणमूल का बीजेपी पर पलटवार

कोलकाता, समाज्ञा : बंगाल के बीजेपी द्वारा 'हिंदू हिंदू भाई-भाई' का नारा दिए जाने के बाद, तृणमूल कांग्रेस ने इस पर पलटवार करते हुए कोलकाता और विधाननगर के कई इलाकों में इस नारे से संबंधित पोस्टर लगाए हैं। इन पोस्टरों में बीजेपी के नारे का विरोध करते हुए सवाल उठाया गया है, हिंदू अगर भाई-भाई हैं तो गैस पर क्यों छूट नहीं मिल रही? और हिंदू हिंदू भाई-भाई, आधार लिंक कराने पर जुर्माना क्यों हो रहा है? मंगलवार को विधाननगर के विभिन्न स्थानों पर तृणमूल कांग्रेस की आईटी और सोशल मीडिया शाखा द्वारा लगाए गए इन पोस्टरों ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। ये पोस्टर विकास भवन और करुणामयी मोड़ जैसे प्रमुख स्थानों पर दिखाई दिए। पोस्टरों के नीचे लिखा था, पश्चिम बंगाल तृणमूल

कांग्रेस आईटी और सोशल मीडिया शाखा। राज्य में हिंदुत्व के मुद्दे को लेकर बीजेपी की बढ़ती मुखरता के बीच विपक्षी नेता शुभेंदु अधिकारी भी इस मुद्दे पर विधान सभा के बाहर अपनी आवाज उठा चुके हैं। इस राजनीतिक माहौल में तृणमूल कांग्रेस द्वारा लगाए गए ये पोस्टर एक नई राजनीतिक बहस को जन्म दे रहे हैं। केवल विधाननगर ही नहीं, उत्तर और मध्य कोलकाता के श्यामबाजार पांचमाथा, बिनोदिनी थिएटर (स्टार थिएटर) के आसपास भी यह पोस्टर, बैनर और होर्डिंग्स देखे गए हैं। इन पोस्टरों के माध्यम से यह सवाल उठाया गया है कि यदि हिंदुत्व को लेकर इतनी चर्चा हो रही है, तो फिर गैस सिलेंडर की कीमतें हिंदू समुदाय के लिए क्यों नहीं घटाई जा रही हैं? इसके अलावा, आधार लिंक के लिए हजारों रुपये का जुर्माना क्यों लिया जा रहा है?

अब कोलकाता में भाजपा में 'पोस्टर वार' से हलचल, पैसे के बदले पद देने के आरोप

राज्य में 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा में आंतरिक कलह सामने आ गई है। बांकुड़ा, हुगली और बशीरहाट के बाद अब कोलकाता में पोस्टर विवाद ने राजनीतिक माहौल गर्म कर दिया है। मंगलवार की सुबह दक्षिण कोलकाता जिला चुनाव कार्यालय और ढाकुरिया समेत कई इलाकों में भाजपा नेताओं के खिलाफ पोस्टर लगाए गए। इन पोस्टरों में जिला अध्यक्ष अनुपम भट्टाचार्य और महासचिव जितेंद्र सिंह की तस्वीरों के साथ लिखा गया – 'मुझे पैसा, कार, मोबाइल फोन दो, दक्षिण कोलकाता में नौकरी कर लो! जिला अध्यक्ष और महासचिव से संपर्क करें!' पोस्टर के नीचे 'दक्षिण कोलकाता भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से साभार!' भी लिखा गया, जिससे इस पूरे घटनाक्रम ने अंदरूनी गुटबाजी को हवा दे दी है। भाजपा के भीतर गुटीय संघर्ष पहले भी सामने आ चुका है, लेकिन इस बार सीधे तौर पर पैसे लेकर पद बांटने के आरोप लगाए जा रहे हैं। इससे पहले भी कई जिलों में ऐसे ही पोस्टर देखने को मिले थे, लेकिन इस बार कोलकाता में यह मामला उभरकर सामने आया है।

बउबाजार से कुख्यात गिरफ़्तार

कोलकाता, समाज्ञा : सोमवार की देर रात लगभग 11.55 बजे बउबाजा थाना क्षेत्र के निर्मल चंद्र स्ट्रीट से एक कुख्यात अपराधी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान शेख शाहनवाज उर्फ समीर (24) के रूप में हुई है, जो चामू खानसामा लेन, कोलकाता का रहने वाला है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, वह कराया और पार्क सर्कस इलाके का जाना-पहचाना अपराधी है। पुलिस ने उसे 17, निर्मल चंद्र स्ट्रीट के सामने संदेहास्पद स्थिति में पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके पास से एक सिंगल शॉट फायर आर्म, एक कारतूस और एक फोल्डिंग चाकू बरामद हुआ। पूछताछ में वह इस हथियार और कारतूस के संबंध में कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। इस मामले में बउबाजार थाने में आर्म्स एक्ट की धारा 25(1)(ए)/29 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और उसके आपराधिक नेटवर्क की जांच में जुटी है।

प्रेसिडेंसी जेल में फिर बीमार पड़े पार्थ चटर्जी

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी प्रेसिडेंसी जेल में फिर बीमार पड़ गए हैं। मंगलवार को जेल अधिकारियों ने पार्थ की शारीरिक स्थिति के संबंध में न्यायाधीश को एक रिपोर्ट भेजी। रिपोर्ट में कहा गया है कि पार्थ लंबे समय से पैरों के सूजन से पीड़ित हैं। वहीं, भर्ती घोटाले के एक और आरोपित सुजयकृष्ण भद्र भी बीमार है। इस दिन, उसके वकील ने अदालत में बीमारी की सूचना दी। उन्होंने न्यायाधीश को बताया कि उनके मुवक्किल के पेसमेकर में कुछ समस्या है। वह 16 मार्च से अस्पताल में भर्ती हैं।

महाकुंभ पर प्रधानमंत्री का वक्तव्य 'डैमेज कंट्रोल' का प्रयास था : डेरेक ओब्रायन

नयी दिल्ली/कोलकाता : तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओब्रायन ने मंगलवार को कहा कि महाकुंभ पर लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वक्तव्य 'डैमेज कंट्रोल' वाला भाषण था जिसका उद्देश्य अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्क (टैरिफ) जैसे मुद्दों से ध्यान भटकाना था। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों सदनों में मंत्रियों के बयानों पर सदस्यों द्वारा स्पष्टीकरण मांगे जाने की कई मिसाले हैं। राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस के संसदीय दल के नेता ओब्रायन ने संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का भाषण एक क्षति-नियंत्रण भाषण है। वह अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में 'डैमेज कंट्रोल मोड' में हैं। वह चाहते हैं कि उनके सांसद तारीफ़ करें, लेकिन ट्रंप ने टैरिफ लगा दिया है। उन्होंने कहा कि यह वही प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने संसद के पटल पर एक भी प्रश्न का उत्तर नहीं दिया है। यह वही प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने एक भी संवाददाता सम्मेलन को संबोधित नहीं किया। मुख्यमंत्री (ममता बनर्जी) सप्ताह में कम से कम एक बार संवाददाता सम्मेलन को अवश्य संबोधित करती हैं।

अवैध रूप से होटल और रेस्टोरेंट चलाने पर अब कोई छूट नहीं, लालबाजार उठाएगा कड़ा कदम

- चाय की दुकान, पान-बीड़ी-सिगरेट की दुकानों को भी नहीं मिलेगी राहत

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता पुलिस ने अवैध रूप से होटल, रेस्टोरेंट और अन्य व्यापारिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ कड़ा कदम उठाते हुए व्यापारियों को चेतावनी दी है कि अप्रैल के पहले दिन से उनके पुलिस लाइसेंस की वैधता समाप्त हो जाएगी। इसके बाद, सभी व्यापारियों के लिए पुलिस लाइसेंस प्राप्त करना अनिवार्य होगा। कोलकाता पुलिस आयुक्त ने इस संबंध में शहर के व्यापारियों को सतर्क किया और कहा कि वे अब पुलिस लाइसेंस के लिए आवेदन करें, जो 'बंधु ऐप' के माध्यम से ऑनलाइन किया जा सकता है। अगर किसी चाय की दुकान, पान-बीड़ी-सिगरेट की दुकान से लेकर रेस्टोरेंट या होटल तक के पास वैध पुलिस लाइसेंस नहीं होगा तो पुलिस कानूनी कार्रवाई करेगी। लालबाजार के सूत्रों के अनुसार, कोलकाता के उन व्यापारियों के लिए जिनका संबंध खाद्य सामग्री से है, पुलिस लाइसेंस होना अनिवार्य है। इसके अलावा होटल और बार संचालकों के लिए भी यह लाइसेंस रखना जरूरी है। हालांकि, कई व्यापारी इस बात से अनजान हैं कि उन्हें पुलिस लाइसेंस की आवश्यकता होती है। इसी कारण कोलकाता पुलिस ने पिछले कुछ महीनों में विशेष अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान कई व्यापारियों ने बताया कि वे केवल ट्रेड लाइसेंस और रेस्टोरेंट के लिए फूड लाइसेंस के बारे में जानते थे, लेकिन उन्हें यह जानकारी नहीं थी कि पुलिस लाइसेंस भी जरूरी है। ऐसे व्यापारियों को समझाया गया कि जिन दुकानों पर ठंडे पेय पदार्थ या आइसक्रीम बेची जाती है, उन्हें भी पुलिस लाइसेंस रखना होगा। पुलिस अधिकारियों ने व्यापारिक समितियों या बाजार समितियों के साथ बैठकें भी कीं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस अभियान के कारण व्यापारियों में जागरूकता आई है और नए पुलिस लाइसेंस की संख्या में वृद्धि हुई है। उदाहरण के तौर पर, उत्तर कोलकाता में पिछले एक साल में लगभग 800 नए पुलिस लाइसेंस बनाए गए हैं।

वृद्ध मां की देखभाल न करने पर प्रशासन ने बेटे को संपत्ति से किया बेदखल

पिता की मौत के बाद 14 साल से मां की देखभाल नहीं कर रहा था बेटा

बीरभूम : वृद्ध मां की देखभाल न करने पर प्रशासन ने बेटे को संपत्ति से बेदखल करने का निर्देश दिया है। इसके तहत बेटे को उसकी मां या पिता की संपत्ति का एक छोटा हिस्सा भी नहीं मिलेगा। यह घटना बीरभूम जिले की है। जिले की सिउड़ी नगर पालिका के अरविंदपल्ली क्षेत्र की वृद्ध महिला बिनोदिनी मंडल का आरोप है कि उनके पति की मृत्यु 14 साल पहले हो गई थी। इसके बाद से उनके सबसे बड़े बेटे दिलीप मंडल ने उन्हें लगभग छोड़ दिया। उनकी देखभाल तो दूर, उनके नाम पर जो मकान है, उस पर उनके बेटे और बहू का कब्जा है। बिनोदिनी ने पिछले साल 12 जून को उप जिलाधिकारी से इस संबंध में शिकायत की थी। इसके आधार पर प्रशासन ने जांच शुरू की और आरोप सही पाए गए। पड़ोसियों से बात करने और सारी जानकारी की पुष्टि करने के बाद उप जिलाधिकारी सुप्रतीक सिंह ने दोनों पक्षों को बुलाया और सुनवाई की व्यवस्था की। कई दौर की सुनवाई के बाद उप जिलाधिकारी ने हाल में आदेश दिया कि बेटे को अपनी मां के नाम की जमीन पर बने मकान को खाली करना होगा। उप जिलाधिकारी के निर्देश के बाद पुलिस सोमवार को घर गई और लडके को बेदखल करने की पहल की। उस समय न तो दिलीप और न ही उनकी पत्नी घर पर थे। पुलिस ने बताया कि वे सुनिश्चित करेंगे कि अगली बेदखली प्रक्रिया में आदेश का पालन हो। हालाकि, दिलीप ने उस फैसले को चुनौती देते हुए जिलाधिकारी के समक्ष अपील की है। बिनोदिनी की वकील कोमलिका चटर्जी मुखर्जी ने कहा कि यह निर्देश एक उदाहरण है। प्रत्येक माता-पिता को यह पता होना चाहिए कि यदि आवश्यक हो तो उन्हें अपने बच्चे के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का अधिकार है।

कोलकाता हवाई अड्डे पर विदेशी मुद्रा के साथ एक गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : विदेशी मुद्रा के साथ कोलकाता अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। भारतीय नागरिक अहमद अली को सीमा शुल्क विभाग ने हिरासत में ले लिया है। वह बांग्लादेश जा रहा था। उसे हवाई सुरक्षा जांच के दौरान पकड़ा गया। सीमा शुल्क विभाग यह पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि वह इस विदेशी मुद्रा को लेकर कहां जा रहा था। कोलकाता से ढाका चाली इंडिगो की उड़ान बांग्लादेश के लिए रवाना हुई थी। हवाई अड्डे पर सुरक्षा जांच शुरू हो रही थी। सुरक्षा गार्डों ने जब उस व्यक्ति के हाथ में बैग देखा तो वे चौंक गए। इसके तुरंत बाद हवाई अड्डे पर सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रहे सीआईएसएफ ने यात्री को कब्जे में ले लिया। उसके बैग से भारतीय मुद्रा में यह राशि 2.64 लाख से कुछ अधिक की मुद्रा बरामद की गई। इसके अलावा, वेनेजुएला की सरकारी मुद्रा बोलिवर भी बरामद किया गया। भारतीय मुद्रा में यह 3 लाख 85 हजार 185 रुपए है। सीमा शुल्क भुगतान विभाग का दावा है कि जब यात्री से इस बारे में पूछा गया तो उसने कोई जवाब नहीं दिया। इसके बाद, एयर हेल्थकेयर यूनिट ने उसे सीमा शुल्क विभाग को सौंप दिया।

पश्चिम बंगाल में बर्ड फ्लू का खतरा, सरकार ने लगाए कड़े प्रतिबंध

कोलकाता, समाज्ञा : झारखंड में एवियन फ्लू (एच5एन1) वायरस मिलने के बाद ममता सरकार ने पश्चिम बंगाल में कड़े प्रोटोकॉल लागू किए हैं। सरकार ने झारखंड से मुर्गे के आयात पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। इस प्रतिबंध को सख्ती से लागू करने के लिए पश्चिम बंगाल-झारखंड सीमा पर विशेष जांच की जा रही है ताकि झारखंड से मुर्गा किसी भी जिले में न पहुंच सके। राज्य पशुपालन विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि स्थिति गंभीर है, लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है। इसके साथ ही, पश्चिम बंगाल-बांग्लादेश सीमा से सटे इलाकों में विशेष निगरानी की जा रही है। इन क्षेत्रों में जिला स्तरीय निगरानी टीमें बनाई गई हैं, जो स्थिति पर लगातार नजर रख रही हैं और अपनी रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेज रही हैं। पशुपालन विभाग ने राज्य के सभी पोल्ट्री फर्मों को अपने यूनिट में जैव-सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया है। यह सुनिश्चित करने के लिए नियमित और औचक जांच की जा रही है कि पोल्ट्री फर्म इन प्रोटोकॉल का पालन कर रही हैं या नहीं। संक्रमण फैलने की आशंका वाले केंद्रों की पहचान कर सख्त निगरानी शुरू कर दी गई है। साथ ही, जिलों में जागरूकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं ताकि लोगों को बर्ड फ्लू के खतरे से सचेत किया जा सके। हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, बच्चे इस वायरस के संक्रमण के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकते हैं।

तमलुक में प्रदर्शन रैली की अनुमति के लिए हाईकोर्ट में बीजेपी की याचिका, आज सुनवाई

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व मेदिनीपुर जिले के तमलुक में रैली करने की अनुमति के लिए बीजेपी ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। जस्टिस तीर्थंकर घोष ने इस मामले में मुकदमा दर्ज करने की अनुमति दी है। अदालत सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस मामले की सुनवाई आज यानी बुधवार को होगी। बीजेपी के जिला नेतृत्व ने 20 मार्च को तमलुक में प्रदर्शन करने के लिए पुलिस से अनुमति मांगी थी, लेकिन पुलिस ने अनुमति देने से मना कर दिया और कोई संपर्क भी नहीं किया, जिसके बाद बीजेपी ने उच्च अदालत का रुख किया। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, होली के दिन तमलुक में रंग खेलने को लेकर दो समूहों के युवकों के बीच झड़प हो गई थी। एक समूह के युवकों पर आरोप है कि उन्होंने दूसरे समूह के युवकों को रंग लगाने को लेकर विवाद खड़ा किया, जिसके बाद तीन युवकों को बुरी तरह से पीटा गया। इस घटना के विरोध में, आरोपियों की गिरफ्तारी और उदाहरणात्मक सजा की मांग करते हुए बीजेपी ने 20 मार्च को तमलुक में राजबाड़ी से माणिकतला अस्पताल मोड़ तक मार्च करने की योजना बनाई है। इस मार्च में विपक्षी दल के नेता शुभेंदु अधिकारी भी शामिल होंगे। बीजेपी ने स्थानीय प्रशासन से दोपहर तीन बजे से रात आठ बजे तक मार्च करने की अनुमति मांगी थी, लेकिन पुलिस और प्रशासन की तरफ से अनुमति नहीं मिल रही है, जिस पर बीजेपी ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है।

जमानत पर रिहा कुंतल घोष को शर्तों के साथ मिली पुरी जाने की अनुमति

कोलकाता, समाज्ञा : जमानत पर रिहा होने के बाद कुंतल घोष ने पुरी जाने के लिए अदालत में अर्जी दाखिल की, जिसे अदालत ने शर्तों के साथ मंजूरी दे दी है। अदालत सूत्रों के अनुसार, कुंतल को पुरी जाने की अनुमति मिल गई है, लेकिन इसके साथ कुछ महत्वपूर्ण शर्तें भी जुड़ी हैं। कुंतल को हर 24 घंटे में अपनी स्थिति की जानकारी जांच अधिकारी को देनी होगी। 2023 के जनवरी महीने में नियुक्ति भ्रष्टाचार मामले में कोंतल घोष को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद 20 फरवरी को सीबीआई ने भी उन्हें गिरफ्तार कर लिया। जांच के दौरान दोनों केंद्रीय जांच एजेंसियों ने कुंतल के खिलाफ कई महत्वपूर्ण तथ्यों का खुलासा किया। इस दौरान, कुंतल ने बार-बार अदालत से जमानत की अर्जी दी और सुप्रीम कोर्ट का रुख भी किया। 20 नवंबर को कुंतल को कोलकाता हाईकोर्ट से ईडी के मामले में जमानत मिली और 29 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति सूर्यकांत और उज्जवल भूइया ने सीबीआई के मामले में भी शर्तों के साथ कोंतल को जमानत दे दी, जिसके बाद उनकी रिहाई हुई। हालांकि, रिहाई के बाद कुंतल को अदालत के आदेश के बिना क्षेत्र छोड़ने की अनुमति नहीं थी। इस कारण, तीन महीने बाद उन्होंने पुरी जाने की अनुमति के लिए अदालत में अर्जी दी। अदालत ने उन्हें अनुमति तो दी, लेकिन यह भी सुनिश्चित किया कि वे पुरी में रहते हुए हर 24 घंटे में जांच अधिकारी से संपर्क करें और अपनी स्थिति की जानकारी दें।

सीआईडी ने फर्जी हेडमास्टर को किया गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : एसएससी परीक्षा 2009 में पोस्ट की गई थी, जिसमें सी बोर्ड के भर्ती मामले में एक फर्जी शिक्षक को 10 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार व्यक्ति तमलुक खंडहर के खमरचक हाई स्कूल में पढ़ा था। अयान का आरोप है कि उनके खिलाफ 2009 में बिना किसी परीक्षा के स्कूल में भर्ती कर ली गई थी। और 2019 से उन्हें शिक्षक विशेष रूप से नियमित वेतन मिल रहा था। हाल ही में, स्नातक के रूप में अयान कुमार दास की पहचान 'फर्जी' शिक्षक के रूप में हुई। जिला विद्यालय पर्यवेक्षक (माध्यमिक) पलाश रॉय ने 6 मार्च को तमलुक पुलिस स्टेशन में छात्र प्रवेश कराया।

ट्रैक्टर की टक्कर से टोटो चालक की मौत, दो घायल

मालदह : खड़े टोटो को ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। घटना में टोटो चालक की मौत हो गई, जबकि दो यात्री घायल हो गये है। मृत टोटो चालक का नाम ईशा अली (50) है। वह रतुआ-2 ब्लॉक के लक्षीपुर गांव का रहने वाला था। घटना के बाद से ट्रैक्टर चालक फरार है। घटना जिले के समसी में मंगलवार दोपहर को हुई है। इस हादसे के बाद चालक समेत तीन लोगों को समसी ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तीनों की शारीरिक स्थिति गंभीर होने के कारण उन्हें इलाज के लिए मालदह मेडिकल रेफर कर दिया गया। वहां डॉक्टर ने टोटो चालक को मृत घोषित कर दिया जबकि दो घायल यात्रियों का इलाज चल रहा है। घटना के बाद पुलिस ने ट्रैक्टर व टोटो को बरामद कर समसी पुलिस चौकी ले गयी। फरार ट्रैक्टर चालक की तलाश में पुलिस जुट गई है।

भारतीय नौसेना को जल्द मिलेंगे दो नए युद्धपोत, जीआरएसई ने पूरा किया समुद्री परीक्षण

कोलकाता, समाज्ञा : भारतीय नौसेना को जल्द ही दो और आधुनिक युद्धपोत मिलने वाले हैं। गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) ने उन्नत स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस हिमगिरि और एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट आईएनएस अंद्रोथ का समुद्री परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा होने की घोषणा की है। दोनों युद्धपोतों ने तीन मार्च को कॉन्ट्रैक्टर सी ट्रायल (सीएसटी) पूरा किया, जो किसी भी जहाज के निर्माण की अंतिम प्रक्रिया मानी जाती है। आईएनएस हिमगिरि, प्रोजेक्ट 17-ए के तहत बनाए जा रहे युद्धपोतों में से एक है। इसका निर्माण जीआरएसई कर रहा है और यह छह हजार 670 टन के विस्थापन के साथ भारत में बना अब तक का सबसे बड़ा फ्रिगेट है। इस युद्धपोत को ब्रह्मोस एंटी-शिप और एंटी-सर्फेस मिसाइलों के साथ-साथ बराक-8 सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों से लैस किया गया है। इससे पहले, प्रोजेक्ट 17-ए का पहला फ्रिगेट आईएनएस नीलगिरि मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स ने बनाया गया था, जिसे इस साल 15 जनवरी को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नौसेना में शामिल किया था। आईएनएस अंद्रोथ, आठ एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट्स में से एक है, जिसे जीआरएसई तैयार कर रहा है। यह युद्धपोत छोटे आकार का है, लेकिन इसमें आधुनिक हथियारों से लैस शक्तिशाली क्षमताएं हैं। इसे तटीय इलाकों में पानी के अंदर छिपे खतरों का पता लगाने और नष्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है। जीआरएसई के मुताबिक आईएनएस अर्नाला का भी परीक्षण पूरा हो चुका है और इसे जल्द ही नौसेना को सौंप दिया जाएगा। इस युद्धपोत को रक्षा मंत्री पुरस्कार 2022 से सम्मानित किया गया था, क्योंकि इसे 'सबसे शांत युद्धपोत' के रूप में डिजाइन किया गया था। आईएनएस हिमगिरि और आईएनएस अंद्रोथ के समुद्री परीक्षणों के दौरान जीआरएसई, भारतीय नौसेना और विभिन्न मान्यता प्राप्त एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। परीक्षण के दौरान जहाजों की गति, संचालन क्षमता और ऑन बोर्ड सिस्टम का परीक्षण किया गया। इन सफल परीक्षणों के बाद दोनों युद्धपोतों को जल्द ही नौसेना को सौंप दिया जाएगा, जिससे भारत की समुद्री सुरक्षा और मजबूत होगी।

फूड डिलीवरी वाहन लूटने के मामले में दो लुटेरे गिरफ्तार, तीन दिन की पुलिस हिरासत

कोलकाता, समाज्ञा : फूड डिलीवरी वाहन को लूटने के आरोप में गिरफ्तार दो लुटेरों को आज अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। घटना 8 मार्च की रात की है, जब कल्याणी जेएनएम अस्पताल के पास पानी की टंकी के नजदीक एक फूड डिलीवरी वैन से 60,000 रुपये लूट लिए गए। शिकायत मिलते ही कल्याणी थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कल्याणी ईएसआई क्वार्टर से दो आरोपियों-अजय चौधरी और भोला बसफोर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने छानबीन के दौरान सुराग जुटाकर दोनों आरोपियों को दबोच लिया। गिरफ्तारी के समय इनके पास से 25,000 रुपये बरामद हुए हैं। आज कल्याणी महकमा न्यायालय में पेशी के दौरान अदालत ने तीन दिन की पुलिस हिरासत का आदेश दिया, ताकि पुलिस बाकी लूटी गई रकम बरामद कर सके और इस अपराध में शामिल अन्य लोगों की तलाश कर सके। पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है और आरोपियों से पूछताछ जारी है।

न्यूज इन ब्रीफ

बिहारः मंदिर परिसर से धार्मिक पुस्तक लेकर भागने का प्रयास करने वाले दो लोग गिरफ्तार

गया: बिहार के गया जिले में महाबोधि मंदिर परिसर से पांच पांडव मंदिर के भीतर रखी धार्मिक पुस्तक लेकर भागने का प्रयास करने के आरोप में पुलिस ने मंगलवार को दो लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूनेस्को द्वारा घोषित विश्व धरोहर स्थल महाबोधि मंदिर बोधगया में स्थित है और यह मंदिर बौद्धों के लिए सबसे महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार किये गये दोनों लोग उत्तर प्रदेश के भदोही जिले के रहने वाले हैं और उन्हें जेल भेज दिया गया है। यह घटना शहर में बौद्ध भिक्षुओं द्वारा बोधगया मंदिर अधिनियम 1949 के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शन के बीच हुई। प्रदर्शनकारी बोधगया मंदिर अधिनियम 1949 को समाप्त करने की मांग कर रहे हैं और इस बात पर जोर दे रहे हैं कि बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति के सभी सदस्य बौद्ध हों। महाबोधि मंदिर प्रबंध कारिणी समिति (बीटीएमसी) इस मंदिर के प्रबंधन का जिम्मा संभालती है। वर्तमान में समिति में चार हिंदू और चार बौद्ध सदस्य हैं तथा गया के जिलाधिकारी इसके अध्यक्ष हैं। यह व्यवस्था अधिनियम के अनुसार 1949 से लागू है।

मैनपुरी में एक हत्याकांड के सिलसिले में दो लोगों को सुनायी गयी मौत की सजा

मैनपुरी (उप्र): मैनपुरी की एक अदालत ने करहल थाना क्षेत्र के नानमई गांव में 10 महीने पहले हुई हत्या के एक मामले में एक महिला समेत दो लोगों को दोषी करार देते हुए फांसी की सजा सुनाई। सरकारी वकील राकेश गुप्ता ने बताया कि अदालत ने अभियुक्तों पर एक-एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है जबकि पर्याप्त सुबूतों के अभाव में एक आरोपी को बरी कर दिया। उन्होंने बताया कि चमरपुरा गांव के पवन यादव ने छह मई 2024 को एक प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जिसमें कहा गया था कि उसके पिता नरेंद्र सिंह (60) पांच मई की शाम को पास के एक गांव में जन्मदिन की पार्टी में शामिल होने गए थे। वापस नहीं लौटने पर परिजन ने उनकी तलाश शुरू की। गुप्ता के अनुसार तलाश के दौरान रानीपुर गांव में एक पुलिया के पास नरेंद्र सिंह की मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन मिला। बाद में उनका शव नानमई गांव के एक तालाब में पाया गया था। सरकारी वकील का कहना है कि जांच के दौरान पुलिस ने नानमई गांव की मनु (42), करहल के ऋषि और गदिया गाव के अभय उर्फ भूरा (28) को हत्या में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

महाकुंभ ने दुनिया को 'वसुधैव कुटुम्बकम' का आत्मीय संदेश दिया: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आयोजित प्रयागराज महाकुंभ की भव्य सफलता पर उनका आभार जताया और कहा कि महाकुंभ ने दुनिया को 'वसुधैव कुटुम्बकम' का आत्मीय संदेश दिया है। योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया,'आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के यशस्वी मार्गदर्शन में एकता के महायज्ञ 'महाकुंभ-2025, प्रयागराज' के स्वच्छ, सुरक्षित, व्यवस्थित और ऐतिहासिक आयोजन ने 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत-सर्वसमावेशी भारत' के साथ ही 'वसुधैव कुटुम्बकम' का आत्मीय संदेश पूरी दुनिया को दिया है।' योगी ने कहा,' 'आस्था' आजीविका का माध्यम हो सकती है। 'संस्कृति' राष्ट्र की समृद्धि का कारक बन सकती है। महाकुंभ-2025, प्रयागराज ने यह उदाहरण भी प्रस्तुत किया है। महाकुंभ-2025, प्रयागराज के आयोजन से जुड़े सभी लोगों को मेरा अभिनंदन और आदरणीय प्रधानमंत्री जी का हार्दिक आभार है।' प्रधानमंत्री मोदी ने संसद के चालू बजट सत्र के दूसरे चरण की कार्यवाही के दौरान मंगलवार को लोकसभा में कहा कि पूरे विश्व ने महाकुंभ के रूप में भारत के विराट स्वरूप के दर्शन किए तथा यह जनता -जनार्दन का और जनता के संकल्पों के लिए और जनता की श्रद्धा से प्रेरित महाकुंभ था। मोदी ने कहा,' महाकुंभ में हमने राष्ट्रीय चेतना के जागरण के विराट दर्शन किए हैं। यह राष्ट्रीय चेतना नए संकल्पों के सिद्धि के लिए प्रेरित करती है।' मुख्यमंत्री ने इसके लिए प्रधानमंत्री का आभार जताते हुए महाकुंभ आयोजन की सफलता का श्रेय उन्हें दिया।

अपनी बेटी की बलात्कार के बाद की हत्या, गिरफ्तारी से बचने के लिए पड़ोसन को फंसाया

गाजियाबाद (उप्र): गाजियाबाद जिले के लोनी इलाके में एक व्यक्ति पर अपनी सात वर्षीय बेटी के साथ बलात्कार करने के बाद उसकी गला घोंटकर हत्या करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस का दावा है कि आरोपी ने कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए पड़ोस की एक महिला पर जहर देने का आरोप लगाते हुए झूठी कहानी गढ़ी। अंकुर विहार के सहायक पुलिस आयुक्त अजय कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी ज्ञान सिंह (52) ने शुरू में दावा किया था कि 12 मार्च को उसकी बेटी की मौत उसके पड़ोस में रहने वाली शांति देवी द्वारा दी गई कढ़ी खाने से हुई थी। सहायक पुलिस आयुक्त के अनुसार ज्ञान सिंह ने यह भी आरोप लगाया था कि वही खाना खाने से उसकी पत्नी और पांच अन्य बच्चे बीमार हो गए। अजय कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर शांति देवी को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस के अनुसार ज्ञान सिंह अपनी बेटी को दिल्ली के जीटीबी अस्पताल ले गया था जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बाकी पांच बच्चों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई थी। हालांकि, तब लड़की के परिजनों ने दिल्ली में पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया था और शव को घर वापस ले आए थे। सहायक पुलिस आयुक्त ने बताया कि संदेह होने पर पुलिस ने बच्ची के शव का पोस्टमार्टम कराया था जिसमें यौन उत्पीड़न और गला घोंटने की पुष्टि हुई।

उत्तर प्रदेश: झूठी गवाही देने के लिए भाजपा के पूर्व सांसद पर 500 रुपये का जुर्माना लगाया

गोंडा: उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले की एक स्थानीय अदालत ने कैसरगंज से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर झूठी गवाही देने से संबंधित एक मामले में मंगलवार को सुनवाई बंद करते हुए 500 रुपये का जुर्माना लगाया। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (आपराधिक) अवनीश द्विवेदी के अनुसार, सिंह ने नवाबगंज थाने में एक प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि आठ सितंबर 1990 को शाम करीब चार बजे वह अपने साथियों के साथ मोहल्ला पड़ाव स्थित अपने आवास पर थे तभी उग्रसेन सिंह, वीरेंद्र कुमार मिश्रा और रमेश चंद्र मिश्रा उनसे बातचीत करने पहुंचे। द्विवेदी ने बताया कि चर्चा के दौरान उग्रसेन सिंह ने भाजपा के पूर्व सांसद पर पिस्तौल से गोली चलाई लेकिन वह बच गए। उन्होंने बताया कि प्राथमिकी में आरोप लगाया कि इस बीच वीरेंद्र कुमार मिश्रा और रमेश चंद्र मिश्रा ने उनपर (बृजभूषण शरण सिंह) कथित तौर पर चाकू से हमला किया, जिससे उनके हाथ में चोट लग गई। प्राथमिकी के मुताबिक, हालांकि आसपास के लोगों के हस्तक्षेप के कारण आरोपी को काबू कर लिया गया। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता के मुताबिक, जांच के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया हालांकि, मुकदमे के दौरान दो आरोपियों उग्रसेन सिंह और रमेश चंद्र मिश्रा की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि सिंह ने अदालत में गवाही के दौरान वीरेंद्र कुमार मिश्रा की पहचान नहीं की और इस बात से इनकार किया कि आरोपी ने उनपर हमला किया था। अधिकारी ने बताया कि इस आधार पर बचाव पक्ष ने मिश्रा को बरी करने का अनुरोध किया और 11 सितंबर 2024 को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (तृतीय) ने उन्हें बरी कर दिया।

अदालत ने कांग्रेस सांसद राकेश राठौर को जमानत दी, सीतापुर जेल से रिहा होने की संभावना

सीतापुर: एक महिला को शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म करने के कथित आरोपों में घिरे सीतापुर संसदीय क्षेत्र के कांग्रेस सांसद राकेश राठौर को मंगलवार को यहां की अदालत ने जमानत दे दी, जिससे उनके जेल से रिहा होने का रास्ता साफ हो गया। एक अधिवक्ता ने यह जानकारी दी। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने 11 मार्च को बलात्कार के मामले में कांग्रेस सांसद राकेश राठौर को जमानत दे दी थी। लेकिन सीतापुर पुलिस ने उसी दिन अदालत में भारतीय न्याय संहिता की धारा 69 (धोखे से यौन संबंध बनाना) जोड़ते हुए आरोप पत्र दाखिल कर दिया, जिसमें दस साल जेल की सजा का प्रावधान है। नतीजतन, आदेश के बावजूद कांग्रेस सांसद जेल में ही रहे और उन्हें जमानत के लिए सीतापुर की निचली अदालत में फिर से जमानत के लिए आवेदन करना पड़ा। राठौर के अधिवक्ता विजय कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) गौरव प्रकाश ने दलीलें सुनने के बाद धारा 69 के मामले में राठौर को जमानत दे दी। सिंह ने बताया कि उनकी ओर से एक-एक लाख रुपये के दो जमानत बांड अदालत में पेश किए गए। राठौर को 30 जनवरी को गिरफ्तार किया गया था और तब से वह सीतापुर जिला जेल में बंद हैं। पुलिस और अभियोजन अधिकारियों के अनुसार, उन पर 45 वर्षीय महिला से शादी का झांसा देकर और उसके राजनीतिक करियर में मदद का वादा करके बलात्कार करने का आरोप है। सांसद को उनके आवास से हिरासत में लिया गया, जब वह आरोपों पर अपना रुख स्पष्ट करने के लिए एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

संभल में सपा सांसद के आवास निर्माण की अवधि जांचने के लिए समिति गठित, अगली सुनवाई 22 मार्च को

संभल, (उप्र): संभल संसदीय क्षेत्र से समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद जिया-उर-रहमान बर्क के आवास निर्माण की अवधि जांचने के लिए प्रशासन ने मंगलवार को एक समिति गठित की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। बर्क पर आरोप है कि संभल विनियमित क्षेत्र में उनका मकान बिना अनुमति बनाया गया था। अभी तक सांसद ने मामले के संबंध में कोई सबूत या दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए हैं, जिसके कारण अधिकारियों ने अगली सुनवाई 22 मार्च के लिए निर्धारित की है। संभल की उप-जिलाधिकारी (एसडीएम) वंदना मिश्रा ने बताया कि सांसद मंगलवार की निर्धारित सुनवाई के दौरान अपने इस दावे के समर्थन में कोई सबूत पेश करने में विफल रहे कि उनके नाम से मकान नहीं हैं या नव निर्माण नहीं है, इसलिए आज जांच के लिए एक समिति बनाई गयी।

न्यूज अपडेट

उत्तर प्रदेशः सांप्रदायिक तनाव भड़काने के लिए गौशाला में मांस रखने के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

गाजियाबादः उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में एक गौशाला के अंदर मांस रखकर सांप्रदायिक तनाव भड़काने की कोशिश करने के आरोप में मंगलवार को दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सिहानी गेट इलाके में हुई इस घटना के लिए गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान योगेश चौधरी और शिवम के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपियों ने अपने साथी ऋषभ के साथ मिलकर गौशाला संचालक राम कुमार की बेटी छाया शर्मा के कहने पर हिंडन विहार की एक दुकान से आठ किलोग्राम मांस खरीदा था। पुलिस उपायुक्त (सिटी जोन) राजेश कुमार ने बताया कि छाया ने पकड़े गए आरोपियों को 12 मार्च की रात शिव चंदी गौशाला के अंदर कथित तौर पर मांस रखने का निर्देश दिया था। उन्होंने बताया कि इसके बाद उन्होंने स्थानीय 'गौ सेवक' पवन तोमर को गौशाला परिसर के अंदर बड़ी मात्रा में गोमांस होने की सूचना दी। अधिकारी ने बताया कि इस हरकत का मकसद सांप्रदायिक अशांति फैलाना था। उन्होंने बताया कि इसके बाद 13 मार्च को सिहानी गेट थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई।

अररिया में एएसआई मौत मामलाः फुलकाहा थानाध्यक्ष निलंबित, पुलिस वाहन चालक लाइन हाजिर

अररिया: बिहार के अररिया जिले में गांजा तस्कर को पकड़ने गई पुलिस टीम पर हमला कर एक आरोपी को छुड़ा लिये जाने के दौरान धक्कामुक्की के बाद नीचे गिरने से हुई एक सहायक अवर निरीक्षक (एएसआई) की मौत के मामले में फुलकाहा थानाध्यक्ष रौनक कुमार को निलंबित कर दिया गया है और पुलिस वाहन चालक लाइन हाजिर कर दिया गया है। जांच के पूर्णिया प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक (डीआईजी) पी के मंडल द्वारा मंगलवार को अररिया पुलिस अधीक्षक (एसपी) को प्रेषित किये गये एक आदेश के अनुसार कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने के आरोप में फुलकाहा के थाना अध्यक्ष रौनक कुमार को निलंबित कर दिया गया है तथा उक्त थाने के वाहन चालक सह गृहरक्षक अजय कुमार पासवान को लाइन हाजिर किया गया है। आदेश के अनुसार गवाहों एवं साक्ष्य के मुताबिक घटना के दिन फुलकाहा के थानाध्यक्ष गैर जिम्मेदाराना तरीके से छापेमारी दल का नेतृत्व किया। सरकारी वाहन को उलटी दिशा में रखा गया था जिस कारण अभियुक्त को गिरफ्तार कर लौटने के क्रम में चालक द्वारा वाहन को पीछा नहीं किए जाने के कारण अपराधी हमलाकर अनमोल यादव को छुड़ा लिया गया तथा वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया गया।

नौकरी के बदले जमीन घोटालाः राबड़ी देवी, तेज प्रताप ईडी के समक्ष पेश हुए, लालू आज तलब

पटना/नयी दिल्ली: बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू यादव की पत्नी राबड़ी देवी और उनके बड़े बेटे तेज प्रताप यादव कथित 'नौकरी के बदले जमीन' घोटाले से संबंधित धनशोधन मामले में पूछताछ के लिए मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए जबकि लालू प्रसाद इस मामले में पूछताछ के लिए बुधवार को तलब किए गए हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। राबड़ी (66) पूर्वाह्न करीब साढ़े 10 बजे पटना के बैंक रोड स्थित ईडी के कार्यालय पहुंचीं। इस दौरान उनकी बड़ी बेटी एवं पाटलिपुत्र से सांसद मीसा भारती भी मौजूद थीं। मीसा भारती का नाम भी इस मामले में आरोपी के तौर पर दर्ज है। इस अवसर पर सैकड़ों राजद कार्यकर्ता भी ईडी कार्यालय पहुंचे और मां-बेटी के समर्थन में नारे लगाए। पूर्व मंत्री एवं मौजूदा विधायक तेज प्रताप यादव (36) अपराह्न से पहले के विधानसभा सत्र में शामिल होने के बाद ईडी कार्यालय पहुंचे। सूत्रों ने बताया कि 76 वर्षीय लालू प्रसाद को बुधवार को पटना में ईडी के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया है। एजेंसी सूत्रों का कहना है कि इस मामले में कुछ 'अतिरिक्त तथ्य' सामने आने के कारण फिर से पूछताछ किया जाना जरूरी हो गया था। उन्होंने बताया कि तीनों के बयान धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज किए जाने हैं। अपनी मां के साथ ईडी कार्यालय पहुंची मीसा भारती ने कहा, ''ईडी ने मेरे परिवार के सदस्यों को बुलाया था। इसलिए, हमने जांच में सहयोग करके अपना कर्तव्य निभाया। मीसा भारती ने पत्रकारों द्वारा पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए आरोप लगाया, 'ईडी के सक्रिय होने के पीछे राजनीतिक मकसद हो सकता है। आखिरकार यह (नौकरी के बदले जमीन घोटाला) इतना पुराना मामला है।' राजद नेता ने कहा, 'हमने देखा है कि जब भी कहीं चुनाव होने होते हैं, एजेंसियां इसी तरह काम करती हैं।' ईडी दफ्तर के अंदर और बाहर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। राजद प्रवक्ता एजाज अहमद ने संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया, 'यह अब स्पष्ट हो गया है कि जब भी भाजपा को किसी राज्य में चुनाव का सामना करना पड़ता है तो वह अपने विरोधियों पर केंद्रीय एजेंसियों को तैनात कर देती है। हमने झारखंड और दिल्ली में ऐसा ही देखा। अब यह बिहार में देखा जा रहा है।'

समाज्ञा मनोरंजन

सोने की गिलहरी

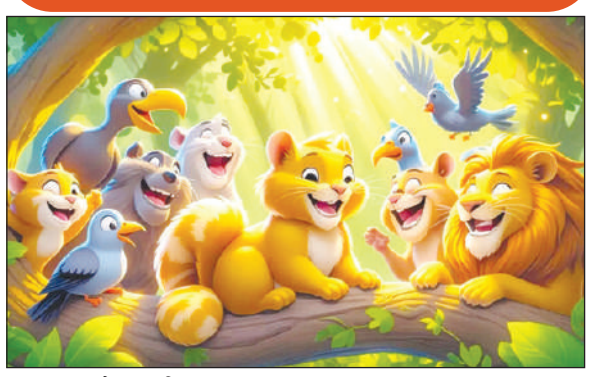

एक जंगल में एक पेड़ पर एक गिलहरी रहती थी। वह पेड़ की डाल पर इधर उधर फुदकती रहती थी। पेड़ से नीचे आकर अपना दाना चुगती थी। दाना खाकर पेड़ पर वापस चली जाती थी।

एक दिन गिलहरी ने सोचा यहां जगल का खाना खाते खाते बहुत दिन हो गये। क्यों न शहर जाया जाये। गिलहरी शहर जाने के लिये एक सड़क के किनारे पेड़ पर बैठ जाती है। थोड़ी देर में वहां से एक ट्रक गुजरता है।

गिलहरी उस पर कूद जाती है। ट्रक के अन्दर सब्जियां भरी हुई थीं, जो गांव से शहर जा रही थीं। गिलहरी ट्रक के अन्दर मजे से सब्जियां खाती हुई शहर में पहुंच जाती है।

जब ट्रक रुकता है, तो वह उतर कर पास ही में एक दुकान में घुस जाती है। दुकान में अनाज रखा था। गिलहरी वह अनाज खाने लगती है। कुछ देर में दुकान का मालिक गिलहरी को भगाने के लिये आता है। गिलहरी वहां से भाग जाती है।

एक आदमी अपना टिफिन लेकर एक पेड़ के नीचे बैठा था। उसने अपना टिफिन खोला तो उसके खाने की खुशबू पेड़ पर बैठी गिलहरी की नाक में पहुंची गिलहरी खाना खाने के लिये बेताब हो गई। तभी वह आदमी पानी लेने गया। गिलहरी चुपचाप नीचे उतरी और उसके टिफिन में से एक रोटी और अचार को खाने लगी।

कुछ ही देर में वह आदमी वापस आया। उसे देख कर गिलहरी वापस पेड़ पर चढ़ गई। वह अपने साथ रोटी का एक टुकड़ा भी उठा लाई थी। खाना खाकर उसे फिर से भूख लगने लगी। वह आगे चल दी। वहां एक जगह होली के लिये रंग तैयार किये जा रहे थे। दो बड़े बड़े ड्रम में होली के लिये एक चांदी का और एक सोने का रंग घोल कर रखा था। कुछ आदमी और औरतें इन रंगों को खाली बोतलों में भर रहे थे।

गिलहरी को लगा यह कोई खाने की चीज है। वह ड्रम के किनारे पर बैठ कर उसे खाने की कोशिश करने लगी। उसने अपनी जीभ उसे चाटने के लिये आगे बढ़ाई ही थी, कि वह ड्रम में गिर गई।

ड्रम से सोने के रंग की कुछ छींटे पास ही काम कर रही एक औरत पर गईं। वह उठ कर देखने लगी तो देखा ड्रम में एक गिलहरी पड़ी है और बाहर निकलने के लिये छटपटा रही है।

उस औरत ने और लोगों को बुला लिया। तभी उनमें से एक बोला - ''इसे जल्दी से निकलो नहीं तो यह मर जायेगी।''

एक आदमी नें एक बड़ी सी रंग छानने की छलनी से गिलहरी को बाहर निकाला और वहीं पास में एक ओर रख दिया।

गिलहरी वहीं बैठी रही। वह धीरे धीरे हाथ पैर चला रही थी, लेकिन वह उठ नहीं पा रही थी। उसे छोड़ कर सभी अपने अपने काम में लग गये।

गिलहरी बहुत डर गई थी। कुछ देर बाद उसका रंग सूखने लगा। जहां वह लेटी हुई थी। कुछ देर में वहां तक धूप आने लगी। धूप के कारण उसका रंग जल्दी से सूख गया।

गिलहरी उठी और धीरे धीरे चल कर आगे चल दी। वह आगे जा रही थी, तभी उसने अपने आप को देखा तो उसका पूरा बदन सोने के रंग में रंग चुका था।

गिलहरी बहुत खुश हुई वह फिर से सड़क किनारे एक पेड़ पर बैठ गई। कुछ देर में एक बस उधर से गुजरी और गिलहरी कूद कर उस बस की छत पर बैठ गई। शाम तक वह बैठी रही शाम को बस जंगल के रास्ते से गुजरी। लेकिन तेज सपीड बस से गिलहरी उतर न सकी। रात के समय बस एक ढाबे के पास रुकी तब गिलहरी उतर कर जंगल में पहुंच गई। वह एक पेड़ पर चढ़ कर आराम करने लगी।

सुबह की पहली किरण के साथ उसकी आंख खुली, अब वह जंगल में इधर उधर खाना ढूंढने लगी। जंगल के सभी जानवर उसे देख कर हैरान थे।

तभी एक कबूतर उसके पास आया और बोला - ''गिलहरी बहन तुम कहां से आई हो?''

गिलहरी ने कहा - ''मैं दूर परियों के देश से आई हूं। वहां सभी जानवर सोने के होते हैं।''

सभी जानवर उसे मेहमान समझ कर उसकी देखभाल करने लगते हैं। उसे तरह तरह के फल, अनाज लाकर देने लगे। गिलहरी के मजे आ गये। वह मजे से सब खाने लगी।

एक दिन एक कौआ उसके लिये अमरूद लेकर आया और बोला - ''गिलहरी बहन क्या तुम मुझे अपने साथ परियों के देश ले चलोंगी। मैं काला हूं। यहां सब मुझे चिढ़ाते हैं। मैं भी वहां जाकर परियों के जादू से सोने का बन कर आना चाहता हूं।''

यह सुनकर गिलहरी हसने लगी - ''ठीक है मैं अपने साथ ले जाउंगी, लेकिन तब तक तुम मेरी सेवा करते रहो।''

बेचारा कौआ उसकी बातों में आ गया और उसके तरह तरह के अनाज, दालें, फल लाने लगा।

एक दिन गिलहरी हरी हरी घास पर कूद कूद कर खेल रही थी। तभी आसमान में काले काले बादल छा गये और तेज बारिश होने लगी। गिलहरी ने इधर उधर देखा, लेकिन वहां कोई भी पेड़ नहीं था। इस बारिश में उसका सुनहरा रंग धुलने लगा और जगह जगह से उसका असली रंग दिखने लगा।

बारिश रुकने पर सभी जानवर उसके पास आये उनमें से एक सियार ने कहा -'भाईयों इसने हम सीधे सादे जानवरों को बेवकूफ बनाया है। इसे सजा मिलनी चाहिये।'

गिलहरी ने रोते हुए कहा- 'नहीं मैं सच कह रही हूं। ये तो यहां का खाना खाने से मेरा रंग फीका पड़ गया।'

सभी जानवर उसका विश्वास नहीं कर रहे थे। तभी कौआ बोला-'इसने सबसे ज्यादा मुझे बेवकूफ बनाया है। इसने अपने साथ ले जाकर मेरा रंग भी सोने जैसा करने का वादा किया और रोज मुझसे नया नया खाने का समान मंगाती थी।'

कुछ देर इसी तरह भीड़ लगी देख कर जंगल का राजा शेर वहां आया। उसे देख कर गिलहरी कांपने लगी, क्योंकि अगर शेर को उसकी चालाकी पता लग गई तो वह उसे खा जायेगा।

शेर ने पूछा तो गिलहरी ने सारी बात बता दी। यह सुनकर सभी जानवर हसने लगे। शेर भी हसने लगा। वह बोला-'चलो हम तुम्हें माफ कर देते हैं, लेकिन तुम्हें वादा करना होगा, कि आज के बाद तुम शहर नहीं जाओंगी। अच्छा खाने का शौक आज तुम्हें मरवा देता।'

गिलहरी रोते हुए बोली-'महाराज मैं आज के बाद कहीं भी नहीं जाउंगी और कौए भैया मैं कल से आपको दाना लाकर दिया करूंगी। जो कहोगे वह ला दूंगी।'

कुछ देर में बारिश फिर से शुरू हो गई सभी जानवर कहीं न कहीं जाकर छुप गये। लेकिन गिलहरी वहीं घास पर उछल कूद करती रही, जिससे शहर का रंग पूरी तरह से उतर जाये।

बुढ़ापे की लाठी

रामनाथ जी को शहर में आये अभी दो साल हुए थे। उनका बेटा सचिन शहर मैं नौकरी करता था। इसलिये वह अपने पिता को भी शहर ले आया था।

सचिन की पत्नी राधिका को रामनाथ जी का उनके साथ रहना पसंद नहीं था। वह चाहती थी, कि हम अकेले में मजे से रहें। इसी बात को लेकर अक्सर घर में कहा सुनी होती रहती थी।

एक दिन राधिका घर का काम निबटा रही थी, तभी रामनाथ जी के हाथ से एक शीशे का गिलास गिर कर टूट गया।

राधिका को बहुत गुस्सा आया वह बोली - 'बाबूजी आपको दिखाई नहीं देता कि मैं सारा दिन घर का काम करती रहती हूं और आप नुकसान करते रहते हैं। अब कौन यह समेटेगा।'

राधिका की बात सुनकर रामनाथ जी बोले -'बेटी मैं साफ कर देता हूं।'

यह कहकर रामनाथ जी कांच के टुकड़े समेटने लगे। तभी एक कांच उनके पैर में चुभ गया। खून की धार फूट पड़ी। रामनाथ जी ने किसी तरह कांच का टुकड़ा पैर से निकाला और बहु को आवज दी।

राधिका आई और खून देख कर चिल्लाने लगी -'ये क्या किया सारा फर्श गंदा कर दिया। दवा लगाईये इस पर जाईये अपने कमरे में। मेरा काम और बढ़ा दिया।'

रामनाथ जी लंगड़ाते हुए अपने कमरे में पहुंच गये। सामने टेबल पर उनकी पत्नी की फोटो रखी हुई थी। उसे देख कर उनकी आंखों में आंसू आ गये। जब वह जिन्दा थी, तो रामनाथ जी को कभी एक गिलास पानी नहीं लेने देती थी। उनका बहुत ख्याल रखती थी।

शाम को जब सचिन घर आया तो, राधिका ने उसे सारी बात बता दी। सचिन पापा के कमरे में गया और बोला -'पापा मुझे लगता है आपको यहां लाना ही नहीं चाहिये था। आप एक जगह चैन से बैठ नहीं सकते क्या?'

रामनाथ जी कुछ नहीं बोले बस चुपचाप बैठे रहे। कुछ देर बड़बड़ा कर सचिन बाहर चला गया।

रामनाथ जी कहीं अतीत में खो गये। जब सचिन पैदा हुआ था। उन्होंने पूरे गांव को दावत दी थी। उनकी पत्नी यशोदा ने बहुत लाड़ प्यार से सचिन को पाला। सचिन जब थोड़ा बड़ा हुआ तो रामनाथ जी उसे अपनी साईकिल पर बैठा कर स्कूल छोड़ने जाते थे।

गांव से दूर बड़े से स्कूल में उसका दाखिला करवाया था। दोपहर को खेत में काम करते करते हमेशा घड़ी देखते रहते थे। जैसे ही सचिन की छुट्टी का समय होता उससे पहले ही स्कूल के गेट पर पहुंच जाते थे।

सचिन को घर पर छोड़ कर फिर साईकिल उठा कर भरी दोपहरी में खेत पर जाते और रात तक मेहनत करते थे।

सचिन जब पांचवी आठवीं क्लास में आया तो एक दिन अपने पिता से बोला-'पिताजी आप मुझे स्कूल छोड़ने मत जाया करो। मेरे सारे दोस्त मजाक उड़ाते हैं। आप मुझे एक साईकिल दिलवा दो।'

यशोदा जी ने बोला-'अच्छा अपने बाप के साथ जाने में शर्म आती है। कोई साईकिल नहीं मिलेगी। जाना है तो पैदल जा।'

रामनाथ जी ने सचिन की बात को समझ कर उसे साईकिल दिलवा दी। धीरे धीरे वह पढ़ लिख गया और शहर जाकर नौकरी करने लगा। रामनाथ जी से अब काम नहीं होता था। सचिन हर महीने कुछ पैसे भेज देता था।

एक दिन सचिन गांव आया और उसने बताया कि उसने एक लड़की पसंद कर ली है। वो दोंनो शादी करना चाहते हैं, लेकिन वह आप लोगों को शादी में नहीं बुला सकता। शहर की शादी में आप लोग सही नहीं रहोगे।

यह सुनकर रामनाथ जी और यशोदा का दिल टूट गया। यशोदा ने तो कुछ ही दिन बाद बिस्तर पकड़ लिया। दो महीने बाद सचिन राधिका को लेकर गांव आया। लेकिन एक ही दिन रुक कर वापस जाने लगा।

रामनाथ जी ने उससे कहा - ''बेटा कुछ दिन रुक जा शायद तेरी मां की अंतिम घड़ियां आने वाली हैं। कुछ दिन तुम लोग साथ रहोगे तो उसे अच्छा लगेगा।'

सचिन ने कहा -'पिताजी, राधिका नहीं रुकेगी उसे गांव पसंद नहीं आ रहा है।'

दोंनो चले जाते हैं। कुछ दिन बाद यशोदा जी अपने बेटे को याद करते करते दम तोड़ देती हैं। उस समय सचिन और राधिका दोंनो तेहरवीं तक रुके थे। फिर रिश्तेदारों के कहने पर सचिन अपने पिता को शहर ले आया, लेकिन अब दोंनो उनसे परेशान हो चुके थे।

रामनाथ जी को अब कोई ठिकाना भी नहीं था। गांव का मकान और खेत सचिन ने बेच दिये थे। उसी पैसे से उसने एक फ्लेट खरीदा और किराये के मकान से उसमें आ गया था।

एक दिन शाम के समय रामनाथ जी उदास एक पार्क में बैंच पर बैठे थे। उनके जीवन का अब कोई मकसद नहीं था। तभी उन्होंने देखा तीन चार उनकी उम्र के लोग वहीं पार्क में बैठे हस रहे थे, सभी एक दूसरे से मजाक कर रहे थे।

रामनाथ जी को यह देख कर अपने गांव की याद आ गयी। गांव की चौपाल पर वे भी गांव वालों के साथ अपने सुख दुःख बांटते थे।

इसी बीच किसी की आवाज से उनका ध्यान भटका। उन्होंने नजर उठा कर देखा तो उनमें से एक सज्जन उनके सामने खड़े थे।

वे रामनाथ जी से बात करने लगे उन्होंने अपना नाम राजेन्द्र बताया। उन्होंने कहा-'आप भी बहु बेटे से परेशान हो?'

रामनाथ जी ने कहा-'नहीं नहीं ऐसी कोई बात नहीं है।'

यह सुनकर राजेन्द्र जी हसने लगे -'अरे भाई हमसे कुछ छिपा नहीं है। हम सब भी अपने घरवालों से परेशान थे। लेकिन आज देखो हम कितने मजे में हैं। यहीं पास में एक आश्रम है। वहीं रहते हैं। जो मन में आये वो करते हैं। जहां जाना हो जाते हैं। वहां बड़े प्यार से नौजवान हमारी सेवा करते हैं। समय पर खाना मिलता है। साथ ही हसी खुशी का माहौल रहता है।

छोड़े इस उम्र में अपनी बेजती करवाना आ जाओ हमारे संग। यह सुनकर रामनाथ जी की आंखों से आंसू बहने लगे।

राजेन्द्र जी ने बाकी सबको भी बुला लिया। फिर वे रामनाथ जी को आश्रम दिखाने ले गये। वहां सब खुशी खुशी रह रहे थे। वहां उन्हें कुछ लड़के लड़कियां मिले जो वहां सेवा करते थे। उन्होंने बहुत प्यार से रामनाथ जी की सारी बात सुनी और उनसे कहा - ''दादाजी आप हमारे आश्रम में आ जाईये यहां हम आपकी इतनी सेवा करेंगे, कि आप अपना दर्द भूल जायेंगे।'

रामनाथ जी के लिये यह सब बिल्कुल अलग था। गांव में तो ऐसा कुछ नहीं था। अगले दिन वे अपना सामान लेकर घर से चल दिये। उन्होंने सचिन और राधिका को कुछ नहीं बताया और आश्रम पहुंच गये।

वहां जाते ही उनका स्वागत हुआ। अब वे वहीं रहते हैं। वहां उन्हें बहुत आदर सम्मान के साथ नाश्ता, खाना और पैसे भी मिलते थे। अब वे भी उस ग्रुप का हिस्सा थे, जहां केवल खुशियां बांटी जाती थीं।

न्यूज इन ब्रीफ

तेलंगाना सुरंग हादसा: सात लापता लोगों की तलाश के लिए 25वें दिन भी तलाशी अभियान जारी

नागरकुरनूल (तेलंगाना) : तेलंगाना के नागरकुरनूल में 'श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कनाल (एसएलबीसी)' परियोजना की सुरंग का एक हिस्सा ढहने से उसके अंदर फंसे सात लोगों को खोजने के लिए मंगलवार को 25 वें दिन भी तलाश अभियान जारी है। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), सरकारी खनन कंपनी सिंगरेनी कोलियरीज, खनिकों और अन्य कर्मियों ने आवश्यक उपकरणों का उपयोग करते हुए खोज अभियान तेज कर दिया है। टीम ने मानव उपस्थिति के लिए चिन्हित 'डी1' और 'डी2' बिंदुओं पर खोज अभियान चलाया। सोमवार को खोजी कुत्तों को 'डी1' और 'डी2' स्थलों पर भेजा गया था। बचाव कर्मियों ने 'टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम)' के उन हिस्सों को हटाने का काम जारी रखा, जो खोज अभियान में बाधा डाल रहे थे।

उत्तराखंड में अवैध मदरसों पर कार्रवाई जारी, सितारगंज एवं काशीपुर में 15 मदरसे सील किये गए

रुद्रपुर : उत्तराखंड में अवैध मदरसों के खिलाफ कार्रवाई मंगलवार को भी जारी रही और अधिकारियों ने सितारगंज और काशीपुर में ऐसे 15 मदरसों को सील कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि एसडीएम (खटीमा) रवींद्र बिष्ट और क्षेत्राधिकारी भूपेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में भारी पुलिस बल की मौजूदगी में अवैध मदरसों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। बिष्ट ने बताया कि काशीपुर में 12 और सितारगंज में तीन मदरसे सील किए गए हैं। उन्होंने बताया कि कार्रवाई अब भी जारी है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड मदरसा बोर्ड से पंजीकृत न होने वाले मदरसों को सील किया जा रहा है। बिष्ट ने बताया कि मदरसों के पास अन्य आवश्यक दस्तावेज भी नहीं हैं। इस महीने की शुरुआत में देहरादून जिले में पंद्रह मदरसों को अनिवार्य मंजूरी न होने के कारण सील कर दिया गया था। फरवरी में राज्य में मदरसों के खिलाफ सत्यापन अभियान चलाया गया था, क्योंकि शिकायतें मिली थीं कि उनमें से कई उचित दस्तावेजों के बिना चल रहे थे।

नागपुर हिंसा साजिश प्रतीत होती है

'छावा' फिल्म ने लोगों की भावनाओं को फिर से जगा दिया: फडणवीस

- 50 से अधिक लोग हिरासत में लिए गए, पांच

प्राथमिकी दर्ज

मुंबई : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को कहा कि नागपुर में हुई हिंसा साजिश प्रतीत होती है। हिंसा के संबंध में 50 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है और नागपुर के कुछ हिस्सों में कर्फ्यू लगा दिया गया है। फडणवीस ने विधानसभा में कहा कि 'छावा' फिल्म ने मुगल शासक औरंगजेब के खिलाफ लोगों की भावनाओं को जगा दिया है। उन्होंने कहा कि छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित विक्की कौशल अभिनीत फिल्म 'छावा' ने लोगों के सामने मराठा शासक का सच्चा इतिहास पेश किया है। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने कहा कि वह औरंगजेब के महिमामंडन के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं करेगी और दावा किया कि नागपुर हिंसा की साजिश रची गई थी। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार शाम करीब साढ़े सात बजे मध्य नागपुर के चिटनिस पार्क इलाके में तब हिंसा भड़क उठी जब अफवाह फैली कि औरंगजेब की कब्र को हटाने के लिए एक दक्षिणपंथी संगठन द्वारा किए गए आंदोलन के दौरान एक समुदाय का धर्मग्रंथ जलाया गया है।

औरंगजेब का महिमामंडन करने वाले 'देशद्रोही' हैं : एकनाथ शिंदे

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि जो लोग अब भी औरंगजेब की प्रशंसा कर रहे हैं, वे ''देशद्रोही'' हैं। उन्होंने कहा कि मुगल बादशाह ने राज्य पर कब्जा करने की कोशिश की थी और लोगों पर अनेक अत्याचार किए थे। शिंदे ने कहा कि दूसरी ओर, मराठा राजा छत्रपति शिवाजी महाराज एक ''दैवीय शक्ति'' थे, जो वीरता, बलिदान और हिंदुत्व की भावना के लिए डटे रहे। शिंदे ने सोमवार रात 'शिव जयंती' के अवसर पर ठाणे जिले के डोंबिवली क्षेत्र के घरदा चौक पर शिवाजी महाराज की अश्वारोही प्रतिमा का अनावरण करने के अवसर पर यह बात कही।

नागपुर हिंसा पूर्व नियोजित थी, औरंगजेब का महिमामंडन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा: विहिप

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने मंगलवार को कहा कि वह औरंगजेब का महिमामंडन करने के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं करेगी और दावा किया कि एक दिन पहले नागपुर में हुई हिंसा पूर्व नियोजित थी। विहिप के विदर्भ प्रांत के मंत्री देवेश मिश्रा ने यहां संवाददाताओं से कहा कि प्रशासन को झड़पों के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) लगाना चाहिए। मिश्रा ने उन दावों को भी खारिज कर दिया कि नागपुर में विहिप और बजरंग दल के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान धार्मिक पंक्तियां लिखी हुई चादर जलाई गई, जिससे हिंसा भड़की। पुलिस ने बताया कि मुगल शासक औरंगजेब की कब्र के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़क गई, जिसमें कई मकानों और वाहनों में तोड़फोड़ की गई। मिश्रा ने कहा, ''हम औरंगजेब का महिमामंडन बर्दाश्त नहीं करेंगे।''

सुनिश्चित करें कि नीदरलैंड की कंपनियां पाकिस्तान को हथियार, तकनीक उपलब्ध न कराएं : राजनाथ सिंह

नयी दिल्ली : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सीमा पार आतंकवाद पर चिंता व्यक्त करते हुए मंगलवार को नीदरलैंड के अपने समकक्ष रूबेन बर्केलमैन्स से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि उनके देश की कंपनियां पाकिस्तान को हथियार, मंच या तकनीक उपलब्ध न कराएं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। दोनों नेताओं ने यहां हिंद-प्रशांत तथा कृत्रिम मेधा (एआई) जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों सहित व्यापक विषयों पर चर्चा की। सिंह ने बैठक के बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वे द्विपक्षीय रक्षा साझेदारी को 'और अधिक गहरा और उन्नत' बनाने के लिए तत्पर हैं। सूत्रों ने बताया कि बैठक के दौरान सिंह ने पिछले कई दशकों से पाकिस्तान से उत्पन्न सीमापार आतंकवाद पर चिंता व्यक्त की, जिसके कारण भारत को नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने बर्केलमैन्स से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि नीदरलैंड की कंपनियां पाकिस्तान को हथियार, मंच या प्रौद्योगिकी उपलब्ध न कराएं। सिंह ने यह भी कहा कि पाकिस्तान को मंच या प्रौद्योगिकी उपलब्ध कराना क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए हानिकारक है। रक्षा मंत्रालय ने यहां एक बयान में बताया कि दोनों मंत्रियों ने पोत निर्माण, उपकरण और अंतरिक्ष क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की, जिससे दोनों देशों के कौशल, प्रौद्योगिकी में तालमेल को अधिकतम किया जा सके।

न्यायालय ने सीबीआई से घर खरीदारों को ठगने वाले बिल्डर-बैंकों के गिरोह का पता लाने को कहा

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को सीबीआई से कहा कि वह घर खरीदारों को ठगने वाले बिल्डर-बैंकों के गिरोह का पता लगाने के लिए एक मसौदा पेश करे। न्यायालय ने कहा कि वह एनसीआर में हजारों घर खरीदारों को ठगने वाले इस गिरोह की जड़ तक पहुंचना चाहता है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि हजारों घर खरीदार 'सब्वेंशन योजना' से प्रभावित हुए हैं, जहां बैंकों ने तय समय के भीतर परियोजनाएं पूरी किए बिना बिल्डरों को आवास ऋण की 60 से 70 प्रतिशत राशि का भुगतान कर दिया। सब्वेंशन योजना के तहत बैंक स्वीकृत राशि को सीधे बिल्डरों के खातों में जारी करते हैं। जब तक घर खरीदारों को फ्लैट सौंप नहीं दिया जाता है, तब तक स्वीकृत ऋण राशि पर ईएमआई का भुगतान बिल्डर करते हैं। जब बिल्डर ने ईएमआई का भुगतान नहीं किया, तो त्रिपक्षीय समझौते के अनुसार बैंकों ने घर खरीदारों से ईएमआई मांगी। पीठ ने कहा, ''हमें उम्मीद है कि इसमें कोई माफिया शामिल नहीं है।'' न्यायालय ने सीबीआई की वकील अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी को जांच और संसाधनों, वित्तीय विशेषज्ञों सहित जरूरी जनशक्ति का खाका पेश करने का निर्देश दिया।

द्रमुक के मंत्रियों को उत्तर भारत के लोगों को 'नीचा दिखाने' में बड़ा मजा आता है: अन्नामलाई

चेन्नई : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने मंगलवार को आरोप लगाया कि द्रमुक नीत राज्य सरकार के मंत्रियों को उत्तर भारत के लोगों को ''नीचा दिखाने'' में बहुत मजा आता है। भाजपा नेता ने 'एक्स' पर तमिलनाडु के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री टी.एम. अनबरसन का एक कथित वीडियो क्लिप पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने उत्तरी राज्यों के प्रवासी श्रमिकों का परोक्ष रूप से संदर्भ देते हुए हिंदी भाषा और इसे सीखने वालों की स्थिति पर टिप्पणी की। वीडियो में मंत्री कथित तौर पर पूछ रहे हैं, ''हिंदी पढ़ने वाले कहां हैं? वे मेरे घर में मवेशी पाल रहे हैं; यह सच है और मैं मजाक नहीं कर रहा हूं।'' अनबरसन ने तमिलनाडु में उत्तरी राज्यों के लोगों द्वारा किए जाने वाले कामों की सूची दी। इसमें पानी पूरी बेचने का भी जिक्र किया गया। अनबरसन ने कहा कि वे सभी निर्माण कार्य और बढ़ईगीरी में लगे हुए हैं। मंत्री ने कथित तौर पर कहा, ''अगर हम हिंदी पढ़ते हैं तो हमें भी उत्तर भारत जाकर पानी पूरी खानी पड़ेगी।''

राष्ट्रपति ट्रंप की 'अमेरिका प्रथम' नीति का मतलब 'केवल अमेरिका' नहीं : तुलसी गबार्ड

नयी दिल्ली : अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने मंगलवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'अमेरिका प्रथम' की नीति को ''केवल अमेरिका'' के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए और यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'भारत प्रथम' की प्रतिबद्धता जैसी ही है। गबार्ड ने 'रायसीना डायलॉग' के एक सत्र में अपने संबोधन में कहा कि ट्रंप प्रशासन हिंद-प्रशांत क्षेत्र समेत विभिन्न क्षेत्रों में अनेक चुनौतियों का सामना करने के लिए नयी दिल्ली के साथ सुरक्षा समेत विभिन्न पहलुओं पर संबंध प्रगाढ़ करने की दिशा में काम कर रहा है। हालांकि, उन्होंने अमेरिका की जमीन से खालिस्तान समर्थक तत्वों की गतिविधियों पर या ट्रंप द्वारा अमेरिका के साझेदारों और अन्य देशों पर दो अप्रैल से टैरिफ लगाए जाने पर भारत की चिंताओं का कोई उल्लेख नहीं किया। गबार्ड हिंदू धर्म का पालन करने वाली अमेरिकी नेता हैं। उन्होंने अपना संबोधन 'नमस्ते और जय श्री कृष्ण' के साथ शुरू किया और कहा कि ये शब्द हमारे सभी के हृदयों में मौजूद आंतरिक दैवीय भावना को झलकाते हैं और याद दिलाते हैं कि ''हम सभी जाति और धर्म से परे आपस में जुड़े हैं'' अमेरिका राष्ट्रीय खुफिया निदेशक ने भारत-अमेरिका संबंधों के भविष्य को लेकर आशावादी दृष्टिकोण रखा और कहा कि विविध क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने का बड़ा अवसर है। गबार्ड ने कहा कि ट्रंप की 'अमेरिका प्रथम' नीति और अमेरिकियों की सुरक्षा तथा स्वतंत्रता को उनकी नीतियों में आगे रखने को 'केवल अमेरिका' के दृष्टिकोण से नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह सोच प्रधानमंत्री मोदी की 'भारत प्रथम' की प्रतिबद्धता या न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की 'न्यूजीलैंड प्रथम' की नीति की तरह ही है।

हम मणिपुर में सामान्य स्थिति और समृद्धि लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

नयी दिल्ली : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि केंद्र सरकार मणिपुर में सामान्य स्थिति और समृद्धि लाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके साथ ही उन्होंने राज्य के आर्थिक विकास के लिए सभी तरह का समर्थन देने का आश्वासन दिया। वित्त मंत्री ने उच्च सदन में यह बात मणिपुर के बजट और उससे संबंधित अनुदान की अनुपूरक मांगों पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कही। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कुछ छिटपुट घटनाओं को छोड़कर पूर्वोत्तर राज्य में कुल मिलाकर कानून व्यवस्था की स्थिति में सुधार हुआ है। सीतारमण ने पिछले सप्ताह सोमवार को 2025-26 के लिए मणिपुर का बजट पेश किया था, जिसमें 35,103.90 करोड़ रुपये के व्यय का अनुमान किया गया है, जो चालू वित्त वर्ष के 32,656.81 करोड़ रुपये से अधिक है। संविधान के अनुच्छेद 356 के तहत 13 फरवरी 2025 को जारी उद्घोषणा के परिणामस्वरूप, मणिपुर राज्य के विधानमंडल की शक्तियां संसद द्वारा या उसके प्राधिकार के तहत प्रयोग की जाएंगी। सीतारमण ने कहा, ''...केंद्र और राज्य सरकार, दोनों के सामूहिक प्रयास से, कुछ छिटपुट (घटनाओं) को छोड़कर, राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति में काफी हद तक सुधार हुआ है।'' वित्त मंत्री ने यह भी आश्वासन दिया कि मणिपुर को तेज आर्थिक विकास के लिए हरसंभव वित्तीय सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा, ''हम मणिपुर में सामान्य स्थिति और समृद्धि लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' उन्होंने कहा कि मणिपुर में हिंसा के कारण वहां की आर्थिक गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। किंतु उन्होंने भरोसा जताया कि राज्य जल्द ही इन सबसे उबर जाएगा।

आरेडिका में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

रायबरेली : आधुनिक रेल डिब्बा कारख़ाना रायबरेली के चिकित्सालय में मंगलवार को आरेडिका चिकित्सालय द्वारा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायबरेली के सहयोग से एक स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में डॉ. अभीप्सा ओझा (स्त्री रोग एवं प्रसूति विशेषज्ञ), डॉ. गोपीनाथ नायक (न्यूरो सर्जन), डॉ. गौरव त्रिवेदी (अंकोलॉजिस्ट) और डॉ. अभय सिंह (जनरल फिजिशिन) के द्वारा चिकित्सालय में आए 117 मरीजों का उपचार किया गया।अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायबरेली से आये डॉ. सुयेश सिंह (न्यूरो सर्जन), की टीम ने आरेडिका में काम करने वाले कर्मचारियों को प्रथम उपचार, सीपीआर एवं बेसिक लाइफ सपोर्ट प्रणाली के संबंध में जानकारी प्रदान की जिसका उद्देश्य जीवनरक्षक कौशल एवं सामुदायिक सुरक्षा की भावना को बढाना एवं आपातकालीन स्थिति में त्वरित एवं प्रभावशाली प्रतिक्रिया देने के लिए लोगों को तैयार करना है जिससे लोगों के जीवन की रक्षा की जा सके। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायबरेली से आयीं मनोचिकित्सक डा. श्रुति सिंहा ने अवसाद, चिंता, अन्य मानसिक विकारों के कारणों एवं निदान पर एक विस्तृत व्याख्यान दिया। व्याख्यान में आरेडिका के रेल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा भारती मिश्रा एवं संगठन की अन्य पदाधिकारी, कर्मचारी यूनियनों के प्रतिनिधि, अधिकारियों एवं कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों ने प्रतिभाग किया एवं अपनी शंका के समाधान हेतु प्रश्न पूछ कर कार्यक्रम में अपनी रुचि का परिचय दिया। आरेडिका के चिकित्साधिकारियों और कर्मचारियों ने शिविर के आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। आरेडिका की पीसीएमओ डा. आभा जैन ने बताया कि यह स्वास्थ्य शिविर एक प्रतीकात्मक कदम है जो आरेडिका परिवार के लोगों में स्वस्थ जीवन जीने के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास करती है, जिससे वे अपनी सेहत को बेहतर बनाने के लिए उचित कदम उठा सकें।

राष्ट्र प्रथम, सदैव प्रथम की भावना के साथ आगे बढ़ें : अश्विनी वैष्णव

- आज भारत दुनिया का बड़ा रेलवे निर्यातक बन चुका हैं।
- जल्द ही बिहार में बने लोकोमोटिव का दुनिया में डंका बजेगा।
- अब भारतीय रेल में सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए कई तकनीकी बदलाव किए गए हैं।
- 2020 के बाद से भारतीय रेल ने यात्री किराया नहीं बढ़ाया हैं।
- केंद्र सरकार ने हर राज्य के लिए रेलवे विकास हेतु ऐतिहासिक बजट आवंटित किया हैं।
- बुलेट ट्रेन जैसे प्रोजेक्ट्स आने वाली पीढ़ियों के लिए बनाए जा रहे हैंः रेल मंत्री

नयी दिल्ली : केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को लोकसभा में रेल मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदान की मांगों और चर्चा पर जवाब दिया। अपने संबोधन में उन्होंने भारतीय रेल की प्रगति को रेखांकित करते हुए पंक्चुअलिटी, रोजगार, सुरक्षा, निर्यात और इंफ्रा डेवलपमेंट को प्राथमिकता दी। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि रोजगार देने में भी रेलवे सबसे आगे है। उन्होंने देश की प्रगति के लिए सभी से राष्ट्र प्रथम, सदैव प्रथम की भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

रेल मंत्री ने सदन में कहा कि रेलवे की पंक्चुअलिटी में बड़ा सुधार हुआ है। इस वर्ष में 68 में से 49 डिवीजन में गाड़ियों की पंक्चुअलिटी 80% से अधिक दर्ज की गई है। उससे भी गौरव की बात ये है कि 12 डिवीजन ऐसे रहे जहां पंक्चुअलिटी 95% तक पहुंच गई है। पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर मंडल की पंक्चुअलिटी 93.6 % है। विश्व के बड़े देशों के बराबर पहुंचने की कोशिश हम कर रहे हैं। ये रेलवे की गुणवत्ता में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

रोजगार सृजन का जिक्र करते हुए रेल मंत्री ने कहा कि भारतीय रेल ने पिछले 10 वर्षों में 5 लाख से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान किया है, जो एक बड़ी उपलब्धि है। वर्तमान में भी 1 लाख लोगों के लिए भर्ती प्रक्रिया चल रही है।

रेल मंत्री ने कहा कि अब भारतीय रेल में सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए कई तकनीकी बदलाव किए गए हैं। लंबे रेल, इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग, फॉग सेफ्टी डिवाइस जैसे कदमों ने रेल यात्रा को और सुरक्षित बनाया है। 50,000 किलोमीटर पुराने ट्रैक को हटाकर नए ट्रैक बिछाए गए हैं, जिससे सुरक्षा में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। 34,000 किलोमीटर नए रेलवे ट्रैक बनाए गए हैं, जो जर्मनी के पूरे रेल नेटवर्क से भी अधिक है। लोकोमोटिव उत्पादन में भी भारत ने बाजी मारी है। रेल मंत्री ने कहा कि देश में 1,400 लोकोमोटिव का उत्पादन हुआ जो अमेरिका और यूरोप के कुल उत्पादन से अधिक है।

भारतीय रेल ने वैश्विक मंच पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज की है। रेल मंत्री ने सदन को जानकारी देते हुए कहा कि आज भारत एक बड़ा रेलवे निर्यातक बन चुका है। ऑस्ट्रेलिया को मेट्रो कोच, यूके, सऊदी अरब और फ्रांस को रेल कोच तथा मैक्सिको,स्पेन,जर्मनी और इटली को ऑपरेशन इक्विपमेंट निर्यात किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही बिहार में बने लोकोमोटिव का दुनिया में डंका बजेगा और तमिलनाडु में निर्मित पहिए दुनिया के दूसरे देशों की ट्रेनों में भी दौड़ते नजर आएंगे। यह भारत के लिए गर्व का क्षण है।

रेल मंत्री ने कहा कि कोलकाता मेट्रो रेल प्रोजेक्ट में ऐतिहासिक प्रगति हुई है। 1972 से 2014 तक 42 वर्षों में 28 किमी का काम हुआ, जबकि मोदी सरकार के 10 वर्षों में 38 किमी का काम पूरा हुआ। बुलेट ट्रेन पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि हमें देश को आगे ले जाना है। बुलेट ट्रेन जैसे प्रोजेक्ट्स आने वाली पीढ़ियों के लिए बनाए जा रहे हैं। रेल मंत्री ने नॉर्थ ईस्ट में रेलवे प्रोजेक्ट्स में अभूतपूर्व प्रगति का जिक्र करते हुए कहा कि सिक्किम में सेवक से रंगपो तक रेल प्रोजेक्ट पहुंच रहा है, असम में नए काम शुरू हुए हैं और त्रिपुरा में आजादी के बाद पहली बार ब्रॉड गेज लाइन शुरू हुई है। केंद्र सरकार ने हर राज्य के लिए रेलवे विकास हेतु ऐतिहासिक बजट आवंटित किया है। उन्होंने कहा कि रेलवे का लक्ष्य हर कोने को रेल नेटवर्क से जोड़ना और यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं देना है। भारत में आज विश्व का सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन रिडेवलपमेंट प्रोग्राम (अमृत भारत स्टेशन) चलाया जा रहा है।

अश्विनी वैष्णव ने सदन को बताया कि 2020 के बाद से भारतीय रेल ने यात्री किराया नहीं बढ़ाया है। भारत में रेल किराया दुनिया में सबसे कम है। 350 किमी की यात्रा के लिए भारत में जहां मात्र 121 रुपए का किराया देना होता है, वहीं पाकिस्तान में 436 रुपए, बांग्लादेश में 323 रुपए और श्रीलंका में 413 रुपए देना होता है। यूरोपीय देशों में भारत से करीब 20 गुना अधिक रेल किराया है। रेल मंत्री ने कार्गो परिवहन में हुई वृद्धि का उल्लेख करते हुए कहा कि 31 मार्च को समाप्त हो रहे वित्त वर्ष में भारतीय रेल 1.6 बिलियन टन कार्गो ढोकर दुनिया के टॉप 3 देशों में शामिल होगा, जिसमें चीन, अमेरिका और भारत होंगे। यह रेलवे की बढ़ती क्षमता और लॉजिस्टिक्स सेक्टर में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है।

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री से मिले राहुल, रिश्तों की मजबूती और वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा

नयी दिल्ली : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन से मुलाकात की तथा दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूत बनाने एवं वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा की। लक्सन भारत के आधिकारिक दौरे पर हैं। गांधी ने मुलाकात की तस्वीरें अपने व्हाट्सऐप चैनल पर साझा कीं। उन्होंने कहा, ''आज, मुझे नयी दिल्ली में न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री माननीय क्रिस्टोफर लक्सन से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। हमने अपने साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, वैश्विक चुनौतियों और हमारे देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने के अवसरों के बारे में सार्थक चर्चा की।''

सुनीता विलियम्स की पृथ्वी पर सुरक्षित वापसी के लिए उनके पैतृक गांव में की जा रही प्रार्थना

मेहसाणा : नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स के गुजरात स्थित पैतृक गांव के निवासी धरती पर उनकी सुरक्षित वापसी की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे हैं और इसके लिए प्रार्थना कर रहे हैं। गांववालों ने विलियम्स की धरती पर वापसी होने पर बुधवार सुबह दिवाली जैसा उत्सव मनाने की योजना बनायी है। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर नौ महीने रहने के बाद विलियम्स का पृथ्वी पर लौटने का कार्यक्रम है। विलियम्स के पैतृक गांव के निवासी उनकी सुरक्षित वापसी की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे हैं और इसके लिए प्रार्थना कर रहे हैं। मेहसाणा जिले में झूलासण गांव के निवासी उत्साह से भरे हुए हैं। यह गांव विलियम्स के पिता दीपक पांड्या का पैतृक गांव है। गांव वाले विलियम्स की सुरक्षा के लिए प्रार्थना कर रहे हैं तथा उस 'अखंड ज्योत' की देखरेख कर रहे हैं, जिसे करीब नौ महीने पहले उनके अंतरिक्ष में जाने के तुरंत बाद उनकी सुरक्षित वापसी के लिए जलाया गया था। विलियम्स के चचेरे भाई नवीन पांड्या के अनुसार, विलियम्स के सम्मान में एक भव्य जुलूस निकाला जाएगा, जिसमें प्रार्थना और आतिशबाजी के साथ दिवाली और होली जैसा उत्सवी माहौल होगा। जुलूस में लोग विलियम्स की तस्वीर लेकर चलेंगे। पांड्या ने मंगलवार को कहा, ''उनकी तस्वीर के साथ जुलूस एक स्कूल से मंदिर तक निकाला जाएगा, जहां 'अखंड ज्योत' रखी गई है, जिसमें छात्र भी शामिल होंगे। हम मंदिर में प्रार्थना करेंगे।'' उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंतरिक्ष यात्री की सुरक्षित वापसी के लिए प्रार्थना कर रहे हैं और अखंड ज्योत जलायी है। उन्होंने कहा, ''विलियम्स के बुधवार को पृथ्वी पर सुरक्षित पहुंचने तक अखंड ज्योत जलती रहेगी।'' पांड्या ने कहा, ''यहां उत्सव का माहौल है और हर कोई उनकी वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। हम भविष्य में उन्हें झूलासण आने के लिए जरूर आमंत्रित करेंगे। उनका अपने पैतृक गांव में हमारे बीच होना हमारे लिए सम्मान की बात होगी।'' सुनीता विलियम्स के पिता दीपक पांड्या मूल रूप से झूलासण के रहने वाले हैं, जो 1957 में अमेरिका चले गए थे। विलियम्स, अंतरिक्ष यात्री बुच विल्मोर के साथ, अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर नौ महीने से अधिक समय बिताने के बाद पृथ्वी पर लौट रही हैं।

मातृ मृत्यु दर 2014-16 से 33 अंक घटकर 2018-20 में 97 हो गई : नड्डा

नयी दिल्ली : केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने मंगलवार को राज्यसभा को बताया कि भारत ने 2020 तक मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर) को घटाकर, प्रति लाख जीवित जन्म पर 100 करने का राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति (एनएचपी) 2017 का लक्ष्य हासिल कर लिया है और 2030 तक इसे 70 करने के एसडीजी लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में अग्रसर है। उच्च सदन को एक प्रश्न के उत्तर में नड्डा ने बताया कि भारत के महा पंजीयक (आरजीआई) द्वारा जारी नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस) के अनुसार, देश का वर्तमान मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर) प्रति लाख जीवित जन्म पर 97 है। उन्होंने कहा कि एमएमआर 2014-16 में 130 था जो 2018-20 में 97 हो गया। इस प्रकार एमएमआर में 33 अंकों की उल्लेखनीय गिरावट आई है।

सेंसेक्स 1,131 अंक की छलांग के साथ 75,000 अंक के पार, निफ्टी में 326 अंक की बढ़त

शेयर बाजार में दो दिन की तेजी से निवेशकों की संपत्ति 8.67 लाख करोड़ रुपये बढ़ी

मुंबई : वैश्विक बाजारों में तेजी के रुख के बीच मंगलवार को चौतरफा लिवाली होने से घरेलू शेयर बाजारों में जबर्दस्त उछाल देखा गया। सेंसेक्स ने 1,131 अंक की तेजी के साथ एक बार फिर 75,000 अंक का स्तर हासिल कर लिया, जबकि निफ्टी 22,800 अंक के ऊपर पहुंच गया। विश्लेषकों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कम कीमतों और प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में कमजोरी ने भी निवेशकों की धारणा को समर्थन दिया। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 1,131.31 अंक यानी 1.53 प्रतिशत उछलकर 75,301.26 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,215.81 अंक बढ़कर 75,385.76 अंक पर पहुंच गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक निफ्टी भी 325.55 अंक यानी 1.45 प्रतिशत बढ़कर 22,834.30 अंक पर पहुंच गया। यह घरेलू शेयर बाजारों में तेजी का लगातार दूसरा दिन रहा। सोमवार को भी सेंसेक्स और निफ्टी पांच दिन की गिरावट से उबरकर बढ़त के साथ बंद हुए थे। मेहता इक्विटीज लिमिटेड में वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, 'वैश्विक बाजारों में मजबूती ने स्थानीय निवेशकों का भरोसा बढ़ाया जिससे तमाम क्षेत्रों में मूल्यपरक खरीदारी देखने को मिली। पिछले कुछ सप्ताह की गिरावट के कारण कई शेयर मूल्यांकन के लिहाज से खासे आकर्षक हो गए थे।' हालांकि, तापसे ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप के फैसलों से जुड़ी वैश्विक चुनौतियों और घरेलू वृद्धि के नरम पड़ने की आशंकाओं के चलते इस तेजी को कायम रख पाना मुश्किल होगा। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से जोमैटो ने सर्वाधिक सात प्रतिशत से अधिक की छलांग लगाई। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स, लार्सन एंड टुब्रो, एशियन पेंट्स, टाइटन, कोटक महिंद्रा बैंक और भारतीय स्टेट बैंक भी लाभ में रहे। दूसरी तरफ बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल, टेक महिंद्रा और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'अनुकूल वैश्विक रुझानों और बेहतर घरेलू परिस्थितियों के कारण मानक सूचकांकों में खासी तेजी देखी गई। अमेरिका और चीन से आए खुदरा बिक्री के बेहतर आंकड़ों ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया, जबकि मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया।'

सिंगापुर, भारत तलाश रहे हैं 'ग्रीन डिजिटल शिपिंग कॉरिडोर' पर समझौते की संभावना

सिंगापुर : सिंगापुर और भारत ग्रीन डिजिटल शिपिंग कॉरिडोर (जीडीएससी) के लिए आशय पत्र (एलओआई) पर हस्ताक्षर करने की संभावना तलाश रहे हैं, जिससे भारतीय समुद्री क्षेत्र को वैश्विक नेटवर्क से जोड़ने की उम्मीद है। पोत परिवहन मंत्री सर्बानंद सोनोवाल की अगले सप्ताह सिंगापुर यात्रा के दौरान आशय पत्र पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सोनोवाल के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ सिंगापुर समुद्री सप्ताह (एसएमडब्ल्यू) में भाग लेने की उम्मीद है, जो 24 से 28 मार्च तक यहां आयोजित किया जा रहा है। सिंगापुर समुद्री एवं बंदरगाह प्राधिकरण (एमपीए) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी तेओ इंग दीह ने कहा, 'हम शुरुआत के तौर पर भारत के साथ आशय पत्र पर सहमति बनाने के बारे में विचार रहे हैं। यह कुछ ऐसा है जिस पर हम अब भी काम कर रहे हैं।' सिंगापुर समुद्री एवं बंदरगाह प्राधिकरण (एमपीए) सप्ताह भर चलने वाले समुद्री कार्यक्रम की मेजबानी कर रहा है।

न्यूज अपडेट

रुपया 25 पैसे की बढ़त के साथ 86.56 प्रति डॉलर पर

मुंबई : घरेलू शेयर बाजारों में तेजी और डॉलर के कमजोर रुख के बीच रुपया मंगलवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में मजबूत हुआ और 25 पैसे की बढ़त के साथ 86.56 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिका में निराशाजनक आर्थिक आंकड़ों के कारण डॉलर में गिरावट आई। इसके अलावा एशियाई मुद्राओं की मजबूती ने भी रुपये को समर्थन दिया। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने रुपये की बढ़त को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपये में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। यह डॉलर के मुकाबले 86.71 पर खुला और फिर इसने 86.54 के उच्चस्तर और 86.78 के निचले स्तर को छुआ। कारोबार के अंत में रुपया 86.56 प्रति डॉलर पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 25 पैसे की बढ़त है। रुपया सोमवार को 24 पैसे की बढ़त के साथ 86.81 प्रति डॉलर पर और बृहस्पतिवार को 17 पैसे चढ़कर 87.05 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। रुपये में आज लगातार तीसरे सत्र में तेजी देखी गई। तीनों सत्र में यह कुल 66 पैसे मजबूत हुआ है। होली के अवसर पर शुक्रवार को विदेशी मुद्रा बाजार बंद था। मिराए एसेट शेयरखान में अनुसंधान विश्लेषक, अनुज चौधरी ने कहा, 'हम उम्मीद करते हैं कि रुपया सकारात्मक वैश्विक बाजार और कमजोर डॉलर के कारण सकारात्मक पूर्वाग्रह के साथ कारोबार करेगा।

किआ इंडिया अप्रैल से वाहनों के दाम तीन प्रतिशत तक बढ़ाएगी

नयी दिल्ली : किआ इंडिया ने मंगलवार को कहा कि वह बढ़ती लागत के दबाव को कम करने के लिए अप्रैल से अपने वाहनों की कीमतों में तीन प्रतिशत तक की वृद्धि करेगी। वाहन विनिर्माता कंपनी ने बयान में कहा कि एक अप्रैल, 2025 से प्रभावी मूल्य वृद्धि, मुख्य रूप से सामग्रियों की बढ़ती कीमतों और आपूर्ति श्रृंखला से संबंधित लागत में वृद्धि के कारण है। किआ इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (बिक्री और विपणन) हरदीप सिंह बरार ने कहा, 'अपने ग्राहकों को असाधारण मूल्य और गुणवत्ता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध एक ब्रांड के रूप में, हमने हमेशा प्रतिस्पर्धी कीमतों पर सर्वोत्तम वाहन पेश करने का प्रयास किया है।' हालांकि, बढ़ती लागत के कारण हम एक अप्रैल से सभी मॉडल के दाम में तीन प्रतिशत तक की वृद्धि करेंगे।

एलआईसी ने आरबीआई से 100 साल के सरकारी बॉन्ड पेश करने का अनुरोध किया

मुंबई : जीवन बीमा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी एलआईसी ने भारतीय रिजर्व बैंक से 100 साल सहित लंबी अवधि के सरकारी बॉन्ड पेश करने का अनुरोध किया है। एक शीर्ष अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एलआईसी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक सिद्धार्थ मोहंती ने कहा कि बीमा कंपनी पूरे जीवन के लिए बीमा पॉलिसी बेचती है, इसलिए लंबी अवधि के बॉन्ड में निवेश की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि आरबीआई 20-30 साल के बॉन्ड की अनुमति दे रहा है और 40 साल के बॉन्ड को भी हरी झंडी दे दी है। मोहंती ने यहां जीसीए25 में संवाददाताओं से कहा, ''मैं 50 साल या 100 साल के बॉन्ड की भी उम्मीद कर रहा हूं। हमारे लोग समय-समय पर आरबीआई के साथ इस पर चर्चा कर रहे हैं और केंद्रीय बैंक भी इस पर विचार कर रहा है।'' उन्होंने बताया कि जहां कई देश वैश्विक बाजार में 100 साल के बॉन्ड जारी करते हैं, वहीं भारत ने सीमित मांग और द्वितीयक बाजार में कम गतिविधियों के कारण अभी तक ऐसे बॉन्ड पेश नहीं किए हैं।

स्वास्थ्य बीमा कंपनी में हिस्सेदारी खरीद दो सप्ताह में हो जाने का भरोसा: एलआईसी प्रमुख

मुंबई : जीवन बीमा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी एलआईसी के मुख्य कार्यकारी सिद्धार्थ मोहंती ने अगले दो सप्ताह में एक स्वास्थ्य बीमा कंपनी में हिस्सेदारी खरीदने का मंगलवार को भरोसा जताया। मोहंती ने इस स्वास्थ्य बीमा कंपनी का नाम न बताते हुए कहा कि एलआईसी इसके साथ बातचीत के अंतिम चरण में है और उम्मीद है कि 31 मार्च से पहले सौदे की अंतिम रूप से घोषणा हो जाएगी। देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी एलआईसी पिछले कुछ समय से स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र में भी कदम रखने की संभावनाएं तलाश रही है। एलआईसी के मुखिया ने यहां आयोजित जीसीए25 कार्यक्रम में संवाददाताओं से कहा, 'स्वास्थ्य बीमा कारोबार में शामिल होना एलआईसी के लिए स्वाभाविक विकल्प है, चर्चा अंतिम चरण में है।'

लंबी दूरी की उड़ानों के बाजार पर ध्यान देने का शानदार अवसर: इंडिगो सीईओ

नयी दिल्ली : घरेलू एयरलाइन इंडिगो के प्रमुख पीटर एल्बर्स ने अंतरराष्ट्रीयकरण पर विशेष जोर देते हुए मंगलवार को कहा कि एयरलाइन के पास भारत से लंबी दूरी की उड़ान सेवा बाजार पर ध्यान देने का शानदार अवसर है। अपने बेड़े में 400 से अधिक विमानों को रखने वाली इंडिगो अब चौड़े आकार के बोइंग 787 विमानों को पट्टे पर ले रही है। यह साल के अंत में एम्स्टर्डम और मैनचेस्टर के लिए उड़ान सेवाएं शुरू करने की तैयारी में है। एल्बर्स ने कहा, 'भारत में अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा का ध्यान काफी लंबे समय तक गैर-भारतीय एयरलाइन कंपनियों ने रखा था। लेकिन अब हमारे विमानों के साथ उस बाजार (लंबी दूरी) को संबोधित करने का शानदार अवसर है।' आमतौर पर लंबी दूरी की उड़ानों की अवधि नौ घंटे से अधिक होती है। एयरलाइन को इस साल लंबी दूरी के ए321 एक्सएलआर विमानों और 2027 में चौड़े आकार वाले ए350 विमानों की आपूर्ति मिलने की उम्मीद है। इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ने यहां स्किफ्ट इंडिया फोरम में कहा कि विमानों के लिए इसकी ऑर्डर बुक एक 'अविश्वसनीय संपत्ति' है। एयरलाइन के पास 900 से ज्यादा विमानों का ऑर्डर है। एल्बर्स ने यह भी कहा कि एयरलाइन लागत के मोर्चे पर नेतृत्व हासिल करना चाहती है। उन्होंने कहा, 'भारतीय बाज़ार अविश्वसनीय, लागत प्रतिस्पर्धी, मूल्य संवेदनशील और उपभोक्ता मूल्य के प्रति सजग बाज़ार है। लागत नेतृत्व कायम रखना हमारे लिए अविश्वसनीय रूप से महत्व-पूर्ण है।'

यूरो के मुकाबले रुपये में गिरावट जारी रही तो मर्सिडीज अप्रैल में बढ़ाएगी अपने वाहनों के दाम

उदयपुर : मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संतोष अय्यर ने मंगलवार को कहा कि अगर यूरो के मुकाबले रुपये में गिरावट जारी रही तो कंपनी अप्रैल में अपने वाहनों की कीमतों में बढ़ोतरी कर सकती है। कंपनी ने इस साल जनवरी में कीमतों में बढ़ोतरी की थी। उसका अनुमान है कि मांग में कमी के कारण लक्जरी कारों की बिक्री कम से कम दो तिमाहियों तक दबाव में रहेगी। अय्यर ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'विनिमय दर की बात करें तो यह पिछले 20 दिन में वास्तव में थोड़ा चिंताजनक रहा है, क्योंकि यूरो पहले ही 95 रुपये के स्तर पर पहुंच चुका है और हमने कारों की कीमत 90 रुपये के स्तर के हिसाब से तय की है। इस तरह इसमें उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और अगर यह रुझान जारी रहा तो अप्रैल में कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है।' भारतीय रुपये के मुकाबले यूरो की विनिमय दर में इस साल लगातार गिरावट हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 12 फरवरी को एक यूरो के मुकाबले रुपये की विनिमय दर 89.96 के स्तर से गिरकर 12 मार्च को 95.13 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई। मंगलवार को एक यूरो का मूल्य 94.55 रुपये था। उन्होंने कहा कि कंपनी को विदेशी मुद्रा विनिमय दर में किसी भी प्रतिकूल उतार-चढ़ाव पर प्रतिक्रिया करनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि कंपनी को उम्मीद है कि साल की शुरुआत में घरेलू बाजार में वृद्धि की गति जारी रहेगी, लेकिन भू-राजनीतिक स्थिति समग्र ग्राहक धारणा को प्रभावित कर रही है।

भारत के साथ 60 दिन में एफटीए पर हस्ताक्षर की उम्मीद: प्रधानमंत्री न्यूजीलैंड

नयी दिल्ली : न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने मंगलवार को कहा कि वह 60 दिन में भारत के साथ एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर करने की उम्मीद कर रहे हैं। यह समझौते होने से 10 साल में द्विपक्षीय व्यापार में 10 गुना वृद्धि की उम्मीद है। भारत और न्यूजीलैंड ने आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए लगभग 10 साल बाद रविवार को प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते पर फिर से बातचीत शुरू करने की घोषणा की। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि यह भारत और न्यूजीलैंड के बीच एक 'पूर्ण व्यापक आर्थिक साझेदारी' समझौता होगा। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री 16 मार्च से चार दिन की यात्रा पर भारत में हैं। उद्योग निकाय फिक्की के कार्यक्रम भारत-न्यूजीलैंड आर्थिक शिखर सम्मेलन में लक्सन ने कहा, 'आइए इस रिश्ते को आगे बढ़ाएं और मैं प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 60 दिन के भीतर इस समझौते पर हस्ताक्षर करने की उम्मीद करता हूं।' व्यापार विशेषज्ञों के अनुसार, बातचीत में सेब, कीवी, डेयरी और वाइन जैसे कृषि उत्पादों पर शुल्क रियायतें देने के मुद्दे पर कुछ कठिनाई आ सकती है। गोयल ने कहा, 'मैं आपको बता सकता हूं कि अगले 10 वर्षों में हम दोनों मिलकर 10 गुना वृद्धि हासिल कर सकते हैं।' उन्होंने कहा कि अगर दोनों देश पूरक अर्थव्यवस्थाओं की भावना से काम करेंगे, तो शायद ही किसी बिंदु पर एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करनी पड़ेगी। डेयरी के दोनों देशों के बीच एक अहम मुद्दा होने पर, न्यूजीलैंड के व्यापार मंत्री टॉड मैक्ले ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमारे बीच व्यापार बढ़ाने के कई अवसर हैं।'

आईपीएल में खुद को तीसरे नंबर पर स्थापित करना चाहते हैं श्रेयस अय्यर

चंडीगढ़ : चैंपियंस ट्रॉफी में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले श्रेयस अय्यर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए अपनी विशिष्ट छाप छोड़ना चाहते हैं। श्रेयस अभी भारत की टी20 टीम का हिस्सा नहीं हैं लेकिन वह आईपीएल में पंजाब किंग्स की तरफ से खेलते हुए अच्छा प्रदर्शन करके राष्ट्रीय टीम में वापसी का मार्ग प्रशस्त करना चाहते हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स ने पिछले सत्र में अय्यर की कप्तानी में खिताब जीता था। अय्यर ने तब मध्यक्रम में बल्लेबाजी की थी। अय्यर ने पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग के साथ मीडिया से बातचीत करते हुए कहा, 'हम सभी जानते हैं कि आईपीएल भारतीय क्रिकेट का अभिन्न अंग है और अगर मैं टी20 में किसी एक स्थान पर खुद को स्थापित करना चाहूंगा तो वह तीसरा नंबर होगा। मेरा ध्यान इसी पर है। मैं यह नहीं कहूंगा कि हम इसको लेकर कोई योजना बना रहे हैं कि मुझे किस नंबर पर बल्लेबाजी करनी है।' उन्होंने कहा, 'इस बार मैं बल्लेबाजी क्रम में अपने नंबर को लेकर स्पष्ट हूं और जब तक कोच का मुझे समर्थन मिलता रहेगा मैं उस नंबर पर ध्यान केंद्रित रखूंगा।' पोंटिंग ने अय्यर की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि वह इस भारतीय खिलाड़ी के साथ फिर से काम करने को लेकर उत्सुक हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने कहा, 'मैं श्रेयस के साथ दोबारा काम करने के लिए बेताब था। लंबे समय तक दिल्ली में हमारे बीच बहुत अच्छे कामकाजी रिश्ते रहे। वह उन सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं जिनके साथ मैंने काम किया है।'

कोहली को अपना स्ट्राइक रेट बढ़ाने की जरूरत नहीं : डिविलियर्स

नयी दिल्ली : दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स का मानना है कि विराट कोहली को आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपना स्ट्राइक रेट बढ़ने पर ध्यान देने के बजाय स्मार्ट क्रिकेट खेल कर सूत्रधार की भूमिका निभानी चाहिए तथा शीर्ष क्रम में विस्फोटक बल्लेबाज फिल साल्ट का साथ मिलने से उन पर दबाव कम होगा। कोहली आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की तरफ से लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं लेकिन पिछले दो सत्र से उनका स्ट्राइक रेट चर्चा का विषय बना हुआ है। बेंगलुरु की फ्रेंचाइजी ने हालांकि आईपीएल के इस सत्र के लिए इंग्लैंड के साल्ट और लियाम लिविंगस्टोन, ऑस्ट्रेलिया के टिम डेविड और वेस्टइंडीज के रोमारियो शेफर्ड जैसे आक्रामक बल्लेबाजों को अपनी टीम में लिया है जिससे डिविलियर्स को लगता है कि कोहली अधिक स्वच्छंद होकर खेल सकते हैं। डिविलियर्स ने मंगलवार को जियोस्टार प्रेस रूम में कहा, 'ऐसा लगता है कि विराट अपने क्रिकेट का आनंद ले रहे हैं। मुझे नहीं पता, यह व्यक्तिगत है। मुझे लगता है कि यह क्रिकेट बोर्ड का फैसला है। मेरे विचार में आपको परिवार की जरूरत है लेकिन आपको हर समय टीम के साथ रहने की भी जरूरत है।' हाल में समाप्त हुई चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान विराट कोहली, रविंद्र जडेजा और मोहम्मद शमी जैसे खिलाड़ियों के परिवार भी दुबई में थे लेकिन वे टीम होटल में नहीं ठहरे थे। परिवार का खर्चा बीसीसीआई ने नहीं बल्कि स्वयं खिलाड़ियों ने उठाया था। कपिल ने कहा, 'हमारे जमाने में क्रिकेट बोर्ड नहीं बल्कि हम खुद ही तय करते थे कि दौरे का पहला चरण क्रिकेट को समर्पित होना चाहिए जबकि दूसरे चरण में परिवार के साथ रहने का आनंद लेना चाहिए। इसमें संतुलन होना चाहिए।'

रोहित को अभी वनडे विश्व कप जीतना है, कहा बचपन के कोच दिनेश लाड ने

नयी दिल्ली : छह महीने में दो आईसीसी खिताब जीतकर संन्यास की अटकलों को खारिज करने वाले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की तारीफ करते हुए उनके बचपन के कोच दिनेश लाड ने कहा कि अभी उसे वनडे विश्व कप जीतना बाकी है। लाड ने भाषा से कहा, 'निश्चित तौर पर अभी उसके भीतर काफी क्रिकेट बाकी है। आपने चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल की उसकी पारी देखी होगी जिसमें उसने पक्के क्रिकेट शॉट खेले और एक भी खराब शॉट नहीं था।' उन्होंने कहा, 'उसने 2023 वनडे विश्व कप से पहले अपने खेल में बदलाव किया और उसका फोकस अच्छी शुरूआत देने पर ही रहा , बड़े शतकों पर नहीं ताकि टीम को फायदा हो।' चैम्पियंस ट्रॉफी में तीसरी बार खिताब जीतने से पहले अटकलें लगाई जा रही थी कि क्या रोहित का यह आखिरी टूर्नामेंट होगा। घरेलू टेस्ट श्रृंखला में हार, आस्ट्रेलिया दौरे पर मिली हार के बाद रोहित के फॉर्म और फिटनेस पर सवाल उठे और उनके वजन को लेकर भी काफी बातें हुईं। पिछले साल भारत को टी20 विश्व कप दिलाने वाले रोहित ने हालांकि न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 76 रन की पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई। फाइनल के बाद प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वह अभी संन्यास लेने नहीं जा रहे। लाड ने कहा, 'जब उसने टी20 विश्व कप जीतने के बाद उस प्रारूप से विदा ली तो मुझे पता था कि उसे दो टूर्नामेंट अभी और जीतनी थी। एक विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल और दूसरा वनडे विश्व कप। दुर्भाग्य से इस बार हम डब्ल्यूटीसी फाइनल में नहीं पहुंच सके लेकिन अभी वनडे विश्व कप 2027 में होना है और उसका यह सपना पूरा हो सकता है।' उन्होंने कहा, '2009 से 2011 तक उसका फॉर्म उतना अच्छा नहीं था जिससे उसे 2011 विश्व कप टीम में जगह नहीं मिली। उसके बाद उसने वनडे में तीन दोहरे शतक लगाये। टेस्ट में पदार्पण में शतक लगाया। टी20 में रिकॉर्ड बनाया।' उन्होंने कहा, 'वनडे विश्व कप 2019 में उसके पांच शतक जमाने के बावजूद भारत सेमीफाइनल में हार गया। वह हारने के बाद काफी दुखी था। 2023 में दस मैच जीतने के बावजूद आखिरी बाधा पार नहीं कर पाये और एक बार फिर खिताब से चूक गया। मुझे लगता है कि वह 2027 विश्व कप खेल सकता है।'

कपिल देव ने विदेश दौरे पर परिवार ले जाने पर संतुलित रवैया अपनाने की वकालत की

नयी दिल्ली : दिग्गज क्रिकेटर कपिल देव विदेश दौरे पर क्रिकेटरों के अपने परिवार साथ में रखने के पक्ष में है लेकिन उन्होंने इसके साथ ही कहा कि इस मामले में संतुलित रवैया अपनाया जाना चाहिए। भारत की ऑस्ट्रेलिया दौरे में पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में 1-3 से हार के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने निर्देश जारी किया कि 45 से अधिक दिन के दौरे में क्रिकेटर अधिकतम 14 दिन तक ही अपना परिवार साथ में रख सकते हैं। दिशानिर्देशों के अनुसार इससे कम अवधि के दौरे पर खिलाड़ी अधिकतम एक सप्ताह तक ही अपना परिवार साथ में रख सकते हैं। विश्व कप 1983 के विजेता कप्तान ने 'कपिल देव ग्रांट थॉर्नटन इनविटेशनल' कार्यक्रम के मौके पर कहा, 'ठीक है, मुझे नहीं पता, यह व्यक्तिगत है। मुझे लगता है कि यह क्रिकेट बोर्ड का फैसला है। मेरे विचार में आपको परिवार की जरूरत है लेकिन आपको हर समय

न्यूजीलैंड वे पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर टी20 श्रृंखला में 2-0 की बढ़त बनाई

डुनेडिन (न्यूजीलैंड): टिम सीफर्ट ने 22 गेंदों में 45 रन और फिन एलन ने 16 गेंद में 38 रन बनाये जिससे न्यूजीलैंड ने मंगलवार को यहां बारिश से प्रभावित दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पाकिस्तान को पांच विकेट से हराया। आउटफील्ड गीली होने के कारण मैच को 15 ओवर का कर दिया गया। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 135 रन बनाए। उसकी तरफ से कप्तान सलमान अली आगा ने सर्वाधिक 46 रन बनाए। उनके अलावा शादाब खान ने 26 और शाहीन शाह अफरीदी ने नाबाद 22 रन का योगदान दिया। इसके बाद अफरीदी ने न्यूजीलैंड की पारी का पहला ओवर मेडन किया। लेकिन इसके बाद सीफर्ट और एलन ने आक्रामक रवैया अपनाया और अगली 12 गेंदों में से सात पर छक्के लगाए। इससे न्यूजीलैंड ने 11 गेंद से रहते ही पांच विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर दिया। उसने इस तरह से पांच मैच की श्रृंखला में 2-0 से बढ़त बना ली है। सीफर्ट और एलन ने पांच-पांच छक्के लगाए। मिचेल हे ने नाबाद 21 रन बनाए जबकि कप्तान माइकल ब्रेसवेल (05) ने जहानदाद खान की गेंद पर विजयी चौका लगाकर न्यूजीलैंड का स्कोर पांच विकेट पर 137 रन तक पहुंचाया।

न्यूज अपडेट

हॉकी के गौरवशाली इतिहास पर और किताबें लिखी जानी चाहिये : दिलीप टिर्की

नयी दिल्ली : भारत के महान डिफेंडर और हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा कि पिछले सौ साल में भारतीय हॉकी के गौरवशाली इतिहास पर लिखा जाना चाहिये ताकि मौजूदा पीढी को इसके बारे में पता चले। भारत के लिये 400 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके टिर्की ने 1975 विश्व कप जीत की स्वर्ण जयंती पर आई किताब 'मार्च टू ग्लोरी' के विमोचन के मौके पर कहा ,''भारतीय हॉकी का यह सौवां साल है और इसके गौरवशाली इतिहास की कहानियां नयी पीढी के सामने आनी चाहिये।'' आठ बार की ओलंपिक चैम्पियन भारतीय टीम ने 15 मार्च 1975 को कुआलालम्पुर में एकमात्र विश्व कप जीता था। इस जीत पर हॉकी इतिहासकार के अरूमुघम और पत्रकार एरोल्ड डि क्रूज ने यह किताब लिखी है जिसमें ढाई सौ के करीब दुर्लभ तस्वीरें भी हैं। टिर्की ने कहा ,'' इसमें हमारी एकमात्र विश्व कप जीत के बारे में कई कहानियां ऐसी भी होंगी जो हमें भी नहीं पता है। मुझे यकीन है कि इससे मौजूदा और आने वाले खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी। हॉकी में इस तरह की और किताबों की जरूरत है।'

ऊंगली की चोट से उबरने के बाद रॉयल्स के अभ्यास सत्र से जुड़े सैमसन

जयपुर : राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ऊंगली की चोट से उबरने के बाद अब अपनी आईपीएल टीम के साथ जुड़ गए हैं। तीस वर्ष के सैमसन ने बेंगलुरू में सेंटर आफ एक्सीलैंस में उपचार पूरा किया। वह सोमवार को रॉयल्स के पहले सत्र में मौजूद थे। सैमसन को इंग्लैंड के खिलाफ भारत की पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के दौरान जोफ्रा आर्चर का बाउंसर लगा था। चोट के बाद उन्हें सर्जरी करानी पड़ी। रॉयल्स ने एक्स पर लिखा, 'हवाई अड्डे से सीधे पहले अभ्यास सत्र की ओर ताकि हमेशा की तरह सभी के चेहरे पर मुस्कान ला सके। सैमसन ने रॉयल्स के बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ से बात की। देखना यह है कि पूरी तरह फिट होने के बावजूद क्या वह विकेटकीपिंग कर पाते हैं। अगर नहीं तो ध्रुव जुरेल को यह जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। हरफनमौला रियान पराग भी कंधे की चोट से उबर चुके हैं।

महिला वनडे विश्व कप के लिये आयोजन समिति बनायेगा बीसीसीआई, तंबाकू , क्रिप्टो प्रायोजन बंद

नयी दिल्ली : बीसीसीआई की शीर्ष परिषद की कोलकाता में 22 मार्च को होने वाली आपात बैठक में महिला वनडे विश्व कप के लिये आयोजन समिति का गठन किया जायेगा और इस साल होने वाले टूर्नामेंट के लिये वेन्यू का भी चयन किया जायेगा। बैठक गत चैम्पियन कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के बीच ईडन गार्डंस पर होने वाले आईपीएल के पहले मैच के दौरान होगी। बीसीसीआई ने पिछली बार 2013 में महिला वनडे विश्व कप की मेजबानी की थी। बैठक के एजेंडे में महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के लिये आयोजन समिति का गठन और टूर्नामेंट के आयोजन स्थलों पर चर्चा शामिल है। भारतीय टीम दो बार 50 ओवरों के विश्व कप के फाइनल में पहुंची लेकिन जीत नहीं सकी। शीर्ष परिषद 2025-26 घरेलू सत्र के ढांचे को भी अंतिम रूप देगी। भारत को वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी करनी है जिसके लिये मैचों के आयोजन स्थलों पर भी फैसला लिया जायेगा।

वर्ष 9, पूर्णांक 4180 अंक 330, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in